गर्भवस्था जारी रखने के लिए पत्नी को नहीं किया जा सकता मजबूरः दिल्ली हाईकोर्ट- 12

अमेरिकी शुल्क चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 780 और निफ्टी 264 अंक टूटा-12

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा, ऑस्ट्रेलिया में शुरू हुआ परीक्षण - 13

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से, पहले मैच में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से- 14

आज का मौसम

17.0° अधिकतम तापमान

4.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.09

सूर्यास्त 05.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026, वर्ष 6, अंक 283, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है। शिमला में गुरुवार को बर्फ से ढके पहाड़।

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में जमी जिंदगी, समूचा उत्तर भारत कांपा

नई दिल्ली, एजेंसी

कश्मीर में सोनमर्ग का तापमान - 9.8 सेल्सियस पहुंचा, उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में बढ़ेगी ठिठुरन

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान - 9.8सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुलमर्ग में -9.2 सेल्सियस और पहलगाम में -8.6सेल्सिसय रहा।

वहीं, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व दिल्ली समेत अन्य राज्यों में हाड़ कंपा देनी वाली ठड़ ने ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। मौसम विभाग ने और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, कड़ी चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, आगरा, मुरादाबाद, अयोध्या समेत कई जिलों में 'कोल्ड डे' और घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। करीब 25 जिलों में शीतलहर का असर जारी रहने की संभावना है। बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम है। इससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई व रेल, हवाई यातायात व आम जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर कोहरे में कुछ कमी आ सकती है, हालांकि ठंड से तत्काल राहत के अभी आसार नहीं हैं। उत्तराखंड में नैनीताल जिले के मैदानी क्षेत्रों में गुरुवार को सर्दी का अब तक का सबसे घना कोहरा देखने को मिला। हल्द्वानी, कालाढुंगी, रामनगर, बैलपड़ाव, पिरूमदारा, प्रतापपुर सहित आसपास के इलाकों में सुबह से ही कोहरे की घनी चादर छाई रही।

प्रयागराज में गुरुवार को लोग ठंड से बचने का प्रयास करते लोग।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के मौसम स्टेशनों पर न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस से 6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से लोगों को ज़्यादा ठंड महसूस हुई।

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म : छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

गुवाहाटी। सीबीआई की विशेष अदालत ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मई 2023 में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र किए जाने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन छह आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश चत्रा भुकन गोगोई की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है, और मणिपुर की जेल में बंद चार लोगों सहित सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से इस तारीख को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

घायलों के कैशलेस उपचार वाली योजना की शुरुआत करेंगे मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद-रहित उपचार योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। गडकरी ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, व्यापार सुगमता और वाहन नियमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

टीएमसी के आईटी सेल हेड के ऑफिस-घर पर छापा, ईडी के सामने ही दस्तावेज ले गईं ममता

कोयला घोटाला व धनशोधन मामले में आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के प्रतिष्ठानों पर पहुंची ईडी

- कोलकाता में जांच एजेंसी और राज्य सरकार के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

ईडी ने गुरुवार को कोलकाता में करोड़ों रुपये के कोयले के अवैध खनन व तस्करी मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर धनशोधन की जांच के तहत तलाशी ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में संघीय जांच एजेंसी द्वारा सुबह सात बजे से लगभग 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। इनमें साल्ट लेक स्थित आई-पैक का कार्यालय व लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन का घर भी शामिल है। इन 10 परिसरों में चार दिल्ली में हैं। आईआईटी मुंबई के पूर्व छात्र जैन 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के सह-संस्थापक और निदेशक हैं।

पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाले से जुड़े कुछ हवाला लेनदेन और नकद लेनदेन के संबंध में उनके खिलाफ विशिष्ट साक्ष्य हैं। वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। ईडी का मामला सीबीआई द्वारा नवंबर 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल और उसके आसपास के कुनुस्तोरिया और काजोरा क्षेत्रों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों से संबंधित कई करोड़ रुपये के कोयले की चोरी का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कोयला व्यापारी अनूप मांझी उर्फ लाला इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। ईडी ने इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी (38) से पूछताछ की थी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने दावा किया कि अवैध कोयला व्यापार से प्राप्त धन के वह लाभार्थी हैं। ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आधिकारिक काफिले के साथ जैन के आवास पर पहुंचकर छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक बताया। ईडी ने कहा कि यह कार्रवाई कोयला घोटाला मामले और उससे जुड़े अपराध से अर्जित आय के आधार पर की गई है और इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है।

ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया से बात करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

जैन के परिवार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता। आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि घर पर छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए। जैन की पत्नी ईडी द्वारा चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

छापेमारी बाधित करने पर हाईकोर्ट पहुंची ईडी

कोलकाता। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई को बाधित करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। कहा कि छापेमारी के बीच मुख्यमंत्री ममता नाटकीय ढंग से मौके पर पहुंच गई थीं। मुख्यमंत्री, जैन के आवास में दाखिल हो गईं और महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं।

ममता का आरोप- टीएमसी के आंतरिक दस्तावेजों को जब्त करने का किया गया प्रयास

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को ईडी की छापेमारी के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेजों, हार्ड डिस्क और उसकी चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डाटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। बनर्जी ने कहा छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। बनर्जी कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा के जैन के आवास पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर के आसपास वहां पहुंचीं। वह लगभग 20-25 मिनट तक वहां रहीं और फिर हाथ में हरे रंग का एक 'फोल्डर' लेकर बाहर निकलीं। मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या राजनीतिक दलों के आंकड़े एकत्र करना ईडी का काम है? उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

ईडी का आरोप- मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हुईं और जैन के घर से सबूत अपने साथ ले गईं

नई दिल्ली। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन के कोलकाता स्थित आवास में उसकी छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हो गईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी साल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय भी पहुंच गईं और उन्होंने, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस ने जबरन मौके से दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हटा दिए।

इंसानी डर पहचानने पर ही हमला करते हैं कुत्ते

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए न्यायालय ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की विशेष पीठ कुत्ता प्रेमियों की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनसे नियमों के तहत निपटा जाय। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं सीयू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के शुरुआत में इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने पीठ को सूचित किया कि चार राज्यों ने बुधवार को इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। अपनी दलीलों के दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और राष्ट्रीय राजधानी में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। उन्होंने कहा कि कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि चूहों की आबादी बढ़ने पर हमने बहुत ही भयावह परिणाम देखे हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि हमें बताइए कि प्रत्येक अस्पताल के गलियारों, वार्डों और मरीजों के बिस्तरों के पास कितने कुत्ते घूमते दिखने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमें बताएं, क्या पालतू कुत्तों के लिए अनिवार्य माइक्रोचिप लगाने का काम वास्तव में हो रहा है?

भारतीय एआई स्टार्टअप को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में करना चाहिए काम

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष और पारदर्शी होने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप को इस देश से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करना चाहिए और उल्लेख किया कि भारत वहनीय एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को विश्व स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले, भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमी देश के भविष्य के सह-निर्माता हैं। अगले महीने आयोजित होने वाले ''एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज'' शिखर सम्मेलन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने बैठक में भाग लिया तथा अपने विचारों और कार्य से अवगत कराया। बैठक के दौरान, मोदी ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को रेखांकित किया।

मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना हो प्रतिबिंबित

मोदी ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए जो मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना को प्रतिबिंबित करे। ये स्टार्टअप विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, 'स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो' के अलावा उडी सामग्री तैयार करना शामिल हैं।

सपा के विधायक विजय सिंह गोंड का निधन

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता व दुद्धी (सुरक्षित) विधानसभा सीट से आठ बार के विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और दोनों किडनी खराब होने के कारण अस्पताल में भर्ती थे। निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सपा मुखिया अखिलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना आदि ने दुःख जताया है। विजय सिंह गोंड के निधन से सोनभद्र सहित आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। वे आठ बार विधानसभा के सदस्य रहे।

500% टैरिफ वाले बिल को ट्रंप की मंजूरी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति ट्रंप ने 500 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को मूजूरी दे दी है। जिसे अगले सप्ताह संसद में वोटिंग के लिए पेश किया जाएगा। इस कदम से भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों की रूस से सस्ता तेल खरीदने पर मुश्किल बढ़ सकती है।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ व्हाइट हाउस को बेहद मजबूत दबाव बनाने का साधन प्रदान करेगा, ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ग्राहम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर बेहद सार्थक बैठक के बाद उस द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक को हरी झंडी दे दी गई है जिस पर कई महीनों से सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल और अन्य के साथ कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सही समय पर आया है, क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि पुतिन केवल बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोष लोगों की हत्या जारी है।

- भारत, चीन व ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान, अगले सप्ताह संसद में वोटिंग, बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देश निशाने पर

हत्या मामले में आरएसएस-भाजपा के सात कार्यकर्ताओं को उम्रकैद

कन्नूर। केरल में थलास्सेरी की एक कोर्ट ने 2008 में माकपा नेता के लतेश की हत्या के मामले में आरएसएस-भाजपा के सात कार्यकर्ताओं को गुरुवार को उम्र कैद की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने मामले में पी सुमित, केके प्रजेश, बी निधिन, के सनल, स्मिजेश, सजीश और वी जयेश को आईपीसी की धारा 302 (हत्या) सहित विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा दी। कोर्ट ने सभी सात आरोपियों पर 1.40 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जुर्माने की रकम पीड़ित परिवार के परिजनों को दिए जाने के आदेश दिया। अदालत ने सबूतों के अभाव में भाजपा के एक पूर्व नगर पार्षद अजेश सहित तीन अन्य (आरोपी नंबर 9 से 12) को बरी कर दिया। जबकि एक आरोपी (नंबर 8) के. अजित की मामले की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है।

शासनादेश

योगी सरकार का अहम कदम, वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश का आकर्षक प्रोत्साहन

यूपी में लागू हुई जीसीसी नीति नियमावली, बढ़ेगा निवेश-रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में हाई-स्किल रोजगार के बढ़ेंगे अवसर, शासनादेश जारी

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने प्रदेश को वैश्विक आईटी और नॉलेज आधारित सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति-2024 के क्रियान्वयन से जुड़ी नियमावली-2025 को लागू कर दिया गया है। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है।

नई नियमावली के तहत आईटी, आईटीईएस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, इंजीनियरिंग डिजाइन और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग से जुड़ी वैश्विक कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इससे बड़े पैमाने पर हाई-स्किल रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नियमों में पात्र पूंजी निवेश पर सब्सिडी, भूमि व भवन लागत में राहत, किराया सहायता, बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार देने वाली कंपनियों को अतिरिक्त इंसेंटिव मिलेगा। परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए तकनीकी विशेषज्ञों का समूह गठित किया जाएगा और आवेदन प्रक्रिया इन्वेस्ट यूपी के सिंगल विंडो सिस्टम से पूरी होगी।

किराया, बिजली और स्टांप ड्यूटी में राहत

जीसीसी इकाइयों को शुरुआती वर्षों में किराये पर भी सब्सिडी दी जाएगी। साथ ही बिजली शुल्क में छूट, स्टांप ड्यूटी में रियायत और पंजीकरण शुल्क में राहत का भी प्रावधान किया गया है। इससे नई और विस्तार कर रही कंपनियों की शुरुआती लागत कम होगी।

रोजगार सृजन पर विशेष प्रोत्साहन

महिला कर्मचारियों, दिव्यांगजनों और स्थानीय निवासियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहन तय किए गए हैं। ईपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित सब्सिडी के प्रावधान से कंपनियों को मानव संसाधन पर होने वाले खर्च में राहत मिलेगी।

क्या मिलेगा:

- आईटी और आईटीईएस कंपनियों को पूंजी निवेश पर सब्सिडी
- भूमि लागत, भवन निर्माण और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर वित्तीय सहायता
- शुरुआती वर्षों में किराया सब्सिडी
- बिजली शुल्क और स्टांप ड्यूटी में छूट
- इपीएफ प्रतिपूर्ति और वेतन आधारित इंसेंटिव
- इन्वेस्ट यूपी के जरिए सिंगल विंडो क्लियरेंस

किसे होगा फायदा

- आईटी, आईटीईएस, डेटा एनालिटिक्स, आरएंडडी, बीपीओ-केपीओ से जुड़ी कंपनियां
- एमएनसी जो यूपी में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर खोलना चाहती हैं
- हाई-स्किल रोजगार
- महिलाएं और दिव्यांग रोजगार में भागीदारी बढ़ेगी
- स्थानीय स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी फर्म्स

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

कोचिंग सेंटरों के पंजीकरण की वैधता की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कोचिंग सेंटरों में मानसिक स्वास्थ्य निगरानी पर सख्ती

अमृत विचार : छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और कोचिंग सेंटरों के विनियमन को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गठित समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में उच्च न्यायालय दायर एक वाद की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय के पारित आदेश के अनुपालन पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी कोचिंग सेंटरों के पंजीकरण की वैधता की जांच कराई जाए। जहां 100 से अधिक छात्र हों उन संस्थानों में काउंसलर अनिवार्य रुप से हो। छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के उद्देश्य से मंडलीय मनोविज्ञान अधिकारी को हेल्पलाइन नंबर जारी कर काउंसलिंग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही मंडलीय मनोविज्ञान अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला सेवायोजन अधिकारी को संस्थानों में करियर काउंसलिंग, मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं आत्महत्या रोकथाम गाइडलाइनों के अनुपालन करने को कहा गया। निर्देश दिए गए कि कोचिंग संस्थानों में छात्रों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए व अत्यधिक दबाव न हों। सीडीओ ने बताया कि शासनादेश 19 सितंबर 2025 के तहत सभी विवि, महाविद्यालयों, कोचिंग सेंटरों एवं छात्रावासों से 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी गई है। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा निगरानी एवं जांच की जाएगी।

फैक्ट्री में पुराने टायर गलाकर निकाला जाता है तेल

टायर फैक्ट्री के बॉयलर से निकली गैस, चार झुलसे

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : बुधवार को टायर पायरोलिसिस फैक्ट्री में रिएक्टर को असावधानीपूर्वक खोलने से निकली गर्म गैस से चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। फैक्ट्री कर्मियों ने झुलसे मजदूरों को एंबुलेंस की मदद से नगर के सीएचसी पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चारों मजदूरों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि फैक्ट्री कर्मी चारों घायल मजदूरों को बरेली के निजी अस्पताल ले गए।

घटना दोपहर लगभग 2 बजे कोतवाली क्षेत्र के एजांखेडा स्थित टायर पायरोलिसिस फैक्ट्री में हुई। यहां पुराने टायर गलाकर तेल निकालने का काम होता है। बताया गया कि जब मजदूर रिएक्टर का गेट खोल रहे थे, तभी गर्म गैस तेजी से निकली। जिसमें चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला बरेली के थाना अलीगंज के ग्राम खटेटा निवासी बिल्लू, बुद्धसेन एवं थाना शहजादनगर के दीनपुर निवासी श्याम, जिला कासगंज थाना धौलाना के ग्राम मेहरुपुर निवासी लल्लू को हायर सेंटर रेफर कर दिया। जहां से अन्य फैक्ट्री कर्मी घायलों को बरेली के निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर कोतवाल पुष्कर सिंह गंगवार और नायब तहसीलदार अंकित अवस्थी पहुंचे। नायब तहसीलदार अंकित जांच की जाएगी, संचालन में कमी पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

सीएचसी में भर्ती झुलसे मजदूर। ● अमृत विचार

- सीएचसी से हायर सेंटर रेफर मजदूरों की हालत गंभीर

हादसे के बाद गांव में मची अफरातफरी

गांव में बॉयलर फटने की सूचना फैल गई, जिससे अफरातफरी मच गई। मजदूरों के झुलसने के बाद परिजनों को मामले की सूचना दी गई। जिसके बाद परिजन फैक्ट्री की ओर दौड़ पड़े। हालांकि चिकित्सकों ने रेफर किया तो उन्हें बरेली निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में जिला प्रशासनिक अधिकारी लगातार अपडेट ले रहे हैं। मामले में फैक्ट्री के संचालन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारी फैक्ट्री का कुंडली खंगाल रहे हैं।

झाड़ू व्यापारी के प्रतिष्ठानों पर जीएसटी छापा

कार्यालय संवाददाता मुरादाबाद

- व्यापार का लेखा जोखा खंगाल रही जीएसटी विभाग की चार टीमें
- गोदाम में भरे माल और अभिलेखों का देर रात तक चलेगा मिलान

अमृत विचार : राज्य कर चोरी करने के मामले में राज्यकर जीएसटी की टीमों ने गुरुवार को कंजरी सराय निवासी फाइन रोप स्टोर झाड़ू बनाने वाली फर्म के गोदामों पर छापेमारी की। चार टीमों ने झाड़ू व्यापारी के नगर में बने गोदाम और दुकानों व घर पर एक साथ पहुंचकर स्टॉक के अभिलेखों मिलान कर सत्यापन करने में जुटी रहीं।

गुरुवार को राज्यकर विभाग के ग्रेड-2 अधिकारी आरए सेठ ने बताया कि मुरादाबाद फाइन रोप स्टोर फर्म के ऑनलाइन जांच करने पर जीएसटी भुगतान उनके व्यापार के टर्नओवर से काफी कम पाया गया।

फर्म स्वामी पिछले कई महीने से पहले के सापेक्ष व्यापार ऑनलाइन कम दिखाकर जीएसटी का भुगतान कम रहे थे। राज्य कर विभाग की आईटी टीम ने फर्म स्वामी के महीने के टर्नओवर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की जांच की जिसमें आंकड़ों में काफी अंतर था।

कार्रवाई के लिए चार टीमें बनाकर फर्म स्वामी के प्रतिष्ठानों पर स्टॉक और अभिलेखों के मिलाने की कार्रवाई की जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई रात के तीन चार बजे तक चलेगी। इसके बाद ही राज्यकर चोरी के सही आंकड़े की जानकारी मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

इलेक्ट्रिक बसों का किराया घटा

मुरादाबाद, अमृत विचार : सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एमसीटीएसएल) द्वारा संचालित इलेक्ट्रिक बस सेवा अब शहरवासियों के लिए और सस्ती हो गई है। नगरीय परिवहन को सुगम, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक बसों के न्यूनतम किराये में संशोधन कर अब 10 रुपये की जगत 5 रुपये कर दिया गया है। गुरुवार को मुरादाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के प्रबंध निदेशक अनुराग यादव ने बताया कि मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह के निर्देश पर एसपीवी के तहत चलने वाली बसों का न्यूनतम किराया 10 रुपये से घटाकर 5 रुपये कर दिया गया है। किराये में इस कमी से खास तौर पर छोटी दूरी के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। तीन किलोमीटर तक की यात्रा पर आधा किराया लगने से छात्र-छात्राओं, श्रमिकों, कर्मचारियों और स्थानीय बाजारों में रोज आने-जाने वाले का खर्च कम होगा।

अब बंद होगा व्यापारियों का शोषण

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रदेश सरकार द्वारा व्यापारियों को रास्ते में रोककर जीएसटी विभाग का सचल दल माल चेक नहीं कर पाएगा। जिससे व्यापारी का समय भी ख़राब नहीं होगा और न ही उसका शोषण होगा। संयुक्त व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ पिछले दिनों लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के अलावा उनके मुरादाबाद में आने पर सर्किट हाउस में इस पर चर्चा कर व्यापारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की थी। अब मुख्यमंत्री के आदेश के बाद व्यापारी का शोषण बंद होगा और जीएसटी विभाग का सचल दल रास्ते में रोक कर माल की चेकिंग भी नहीं करेगा। जिससे व्यापारियों को काफी सहूलियत मिलेगी।

दिसंबर में अर्जित किया 145 करोड़ राजस्व

बरेली, अमृत विचार : उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद मंडल ने दिसंबर 2025 में 145 करोड़ से अधिक का रेल राजस्व अर्जित किया। अनाधिकृत यात्रियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में 4 करोड़, यात्रियों से 76 करोड़, माल भाड़े से 56 करोड़ समेत अन्य आय शामिल है। उन्होंने कहा कि रेलवे अपनी सुविधाओं- व्यवस्थाओं में लगातार बेहतर काम कर रही है।

छात्र पर डाला ज्वलनशील पदार्थ, हाथ और पैर झुलसे

हिंदू कॉलेज की घटना, साथी छात्र पर आरोप, झुलसे छात्र की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित हिंदू कॉलेज में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब परीक्षा देकर बाहर निकले बीकॉम के एक छात्र पर साथी छात्र पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाए जाने का आरोप लगा। घटना करीब दोपहर एक बजे की बताई जा रही है। हमले में छात्र की दोनों पैर और हाथ झुलस गए। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस साक्ष्य के लिए सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। झुलसे छात्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला निवासी फरहाद अली हिंदू कॉलेज में बीकॉम तृतीय सेमेस्टर का छात्र है। बताया गया कि फरहाद परीक्षा देकर पहली मंजिल से बाहर निकल रहा था, तभी पीछे से आए एक युवक ने उसके पैरों पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर लाइटर से आग लगा दी। आग लगते ही छात्र चीखने लगा, अन्य छात्रों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कॉलेज प्रशासन मौके पर पहुंचा और घायल को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया। बाद में परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

पीड़ित छात्र ने पुलिस को दिए बयान में कॉलेज के ही एक छात्र आयुष पर आरोप लगाया है। हालांकि वह किसी से झगड़ा न होने की बात कह रहा है। घटना के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना पर सीओ कोतवाली सुनीता दहिया और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह मौके पर पहुंचे और कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई। पुलिस कॉलेज प्रशासन व छात्रों से पूछताछ कर रही है।घटना के बाद कॉलेज परिसर में दहशत है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है। कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि झुलसे छात्र ने कॉलेज के छात्र आयुष के नाम पर तहरीर दी है, जिसके आधार पर आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

जिला अस्पताल में घायल छात्र। ● अमृत विचार

- पुलिस ने किया कॉलेज का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज देख एकत्र किए साक्ष्य

कॉलेज में बीकॉम तृतीय की परीक्षा चल रही थी। जिसमें पीड़ित छात्र परीक्षा देकर बाहर आ रहा था। 42 नंबर कमरे के बाहर गैलरी में फरहाद नाम के छात्र पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास किया गया है। हाला कि पीड़ित छात्र का आरोप है कि आयुष नामक छात्र ने घटना की है। आयुष नाम के कई विषयों में छात्र हैं, पुलिस की पूछताछ में कॉलेज में पढ़ने वाले आयुष नाम के छात्रों का नाम और पता दे दिया है। कमरों में तो कैमरे लगे हैं, लेकिन जहां की घटना है वहां कैमरे नहीं है।

-सत्यव्रत सिंह रावत, प्राचार्य हिंदू कॉलेज

पाकिस्तान की माहिरा बेसिक शिक्षा में थी फरजाना मैडम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- सालों तक पहचान छिपाकर करतीं रहीं नौकरी, अब हो गईं लापता

अमृत विचार : रामपुर में पाकिस्तानी नागरिकता रखने के बावजूद माहिरा वर्षों तक बेसिक शिक्षा विभाग में फरजाना मैडम बनी रहीं। पहचान छिपाकर और कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के सहारे कई वर्षों तक वेतन पाती रहीं। नौकरी पाने का यह मामला अब पुलिस जांच के दायरे में है। शिक्षा विभाग की तहरीर पर 6 जनवरी को आरोपी महिला के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

1979 में पाकिस्तानी व्यक्ति से शादी करने के बाद पाकिस्तानी बनी महिला ''माहिरा'' तलाक के बाद ''फरजाना'' बन कर पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत लौट आई। 1985 में उसने रामपुर में ही दूसरी शादी का अपनी पुरानी भारतीय नागरिकता पर ही बेसिक विभाग में शिक्षिका की नौकरी कर ली। पूर्व में माहिरा की शिक्षा और बीटीसी का प्रशिक्षण भी रामपुर में ही हुआ था तथा 1991 में रामपुर जिला अधिकारी द्वारा उसे निवास प्रमाण पत्र भी जारी किया गया। जिसके आधार पर वह लंबे समय तक सरकारी नौकरी करती रही। पाकिस्तानी नागरिकता का जब राज खुला तो शिक्षा विभाग ने उस पर कार्रवाई करते हुए निलंबित किया और फिर बाद में बर्खास्त कर दिया। अब बेसिक शिक्षा विभाग की रिपोर्ट पर पुलिस ने माहिरा उर्फ फरजाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर अनुराग सिंह ने बताया कि थाना अजीम नगर अंतर्गत गांव कुम्हारिया प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षिका थी, माहिरा अख्तर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ये 318(4) 336 338 340 बीएनएस धोखाधड़ी और कूट रचना का मामला है। आरोप लगा है कि वह पाकिस्तानी नेशनल होने के बावजूद यहां शिक्षा विभाग में नौकरा कर रही थ। इस नौकरी के लिए उन्होंने अपना फर्जी निवास प्रमाण पत्र भी बनाया था। इस मामले में केस 6 जनवरी को दर्ज कर लिया गया है।

जांच में खुलेंगी परतें

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी मात्र एफआईआर के बिंदुओं पर जांच हो रही है। ऐसे में जांच पूरी होगी तो बेसिक शिक्षा विभाग मामले में वेतन वसूली की कार्रवाई भी करेगा। जबकि गलत तरीके से भारत में रहने के लिए भी बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

सैनिक कृषकों को गन्ना पर्ची में विशेष प्राथमिकता

मुरादाबाद, अमृत विचार: प्रदेश में लागू नई गन्ना सट्टा नीति के अनुसार मंडल में सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों, भूतपूर्व सैनिकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को गन्ना पर्ची जारी करने में विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था 1 जनवरी 2026 से प्रभावी है, जिससे परिक्षेत्र के कुल 2769 पात्र गन्ना कृषकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

बताया कि गन्ना सट्टा नीति 2025-26 के अंतर्गत सैनिक कोटा व्यवस्था को परिक्षेत्र की सभी सहकारी गन्ना समितियों एवं चीनी मिल क्षेत्रों में समान रूप से लागू किया गया है। बिजनौर के 1266, अमरोहा के 1062, मुरादाबाद के 429, संभल के 7 तथा रामपुर के 5 सैनिक कृषकों को गन्ना पर्ची जारी करने में 20 प्रतिशत तक अतिरिक्त प्राथमिकता दी जा रही है। उप गन्ना आयुक्त बताया कि जिन पात्र सैनिकों के नाम सट्टा दर्ज नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता के नाम दर्ज है, उन्हें सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के आधार पर सैनिक कोटा का लाभ दिया जाएगा।

चीनी मिलों द्वारा अब तक 822 लाख क्विंटल गन्ने की खरीद कर 92 प्रतिशत से अधिक भुगतान किसानों को किया जा चुका है।

आत्मदाह की कोशिश करने वाले अमीन पर मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- तीन दिन पहले सदर तहसील में खुद पर डाल लिया था पेट्रोल

अमृत विचार : सदर तहसील परिसर में खुद पर पेट्रोल छिड़कने वाले संग्रह अमीन सोमपाल के खिलाफ थाना गंज में मुकदमा दर्ज किया गया है।

तहसील सदर परिसर स्थित तहसीलदार कार्यालय में संग्रह अमीन सोमपाल ने तीन दिन पहले अधिकारियों के सामने अचानक खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया था। आरोप है कि उन्होंने यह कदम अपने वरिष्ठ अधिकारी पर दबाव बनाने के उद्देश्य से उठाया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर उन्हें आग लगाने से रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा बच गया। इस घटना से कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद सोमपाल की तबीयत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि इलाज के दौरान होश में आने के बाद वह अस्पताल से चुपचाप चले गए। अस्पताल प्रशासन ने सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। तहसीलदार की शिकायत के आधार पर थाना गंज में मुकदमा दर्ज किया गया है। गंज थाना प्रभारी पवन शर्मा ने बताया कि इसमें धमकी देने व अनुशासनहीनता और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे आरोप हैं।

बिजली कटौती से आमजन बेहाल

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिले में लगातार हो रही बिजली कटौती से आमजन की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। दिन और रात में अघोषित कटौती के कारण घरेलू कामकाज के साथ ही व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। पढ़ाई कर रहे छात्रों और बीमार लोगों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी ग्रामीण क्षेत्रों में है। जैतिया, गतौरा, गोविंदपुर कलां, मनकरा समेत अन्य गांव में लोगों का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समय पर आपूर्ति बहाल नहीं हो पा रही है। बिजली कटौती से इनवर्टर और अन्य उपकरणों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। लोगों ने विभाग से नियमित और सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिक्षा मंत्री से मिला शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। उनसे टीईटी से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के एक सितंबर 2025 के निर्णय के संदर्भ में ज्ञापन प्रस्तुत दिया। प्रतिनिधिमंडल ने नियुक्ति तिथि की परवाह किए बिना सभी सेवारत शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य करने पर किए चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस निर्णय को पूर्वव्यापी रूप से लागू किया गया, तो इससे देशभर के लगभग 12 लाख शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

उत्तर प्रदेश के महामंत्री जोगेंद्र पाल सिंह ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट किया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख है कि कक्षा एक से 8 तक के शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यताएं अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होंगी तथा इससे पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से छूट रहेगी। महासंघ ने यह भी बताया कि उस समय प्रचलित वैध शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यताओं के अंतर्गत नियुक्त होकर वर्षों से सेवा दे रहे अनुभवी शिक्षकों पर इस निर्णय को पूर्वव्यापी रूप से लागू करना न्यायसंगत नहीं होगा।

- सुप्रीम कोर्ट के टीईटी संबंधी निर्णय पर उचित कार्रवाई की मांग की

शैक्षिक महासंघ ने शिक्षा मंत्री से यह अनुरोध किया कि वे इस विषय में हस्तक्षेप कर पहल करें।

प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता, महासचिव प्रो. गीता भट्ट, संगठन मंत्री महेंद्र कपूर, सह संगठन मंत्री जी. लक्ष्मण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार, विद्यालय शिक्षा प्रभारी शिवानंद सिंदनकेरा, एनआईटी शिक्षक फोरम के संयोजक प्रो. महेंद्र श्रीमाली, तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष हनुमंत राव तथा महासंघ की तमिलनाडु इकाई देसीय अस्त्ररियार संगम के महासचिव कंदसामी सम्मिलित थे।

चिंता का विषय | क्रिसमस व नये साल पर निर्यातकों को मिलते थे अच्छे ऑर्डर, इस बार ट्रंप टैरिफ से मायूसी

विदेशों में पीतल उत्पादों की चमक फीकी, निर्यात 60 % गिरा

विनोद श्रीवास्तव, मुरादाबाद

अमृत विचारः मुरादाबाद से देश विदेश में 10 हजार करोड़ रुपये के पीतल उत्पादों का निर्यात होता था, लेकिन ट्रंप टैरिफ के वार से इस समय विदेशों में पीतलनगरी के उत्पादों की चमक फीकी पड़ गई है। कारोबार लगभग ठप होने से निर्यातकों में मायूसी छाई है। वह सरकार से विशेष राहत की आस लगाए हैं।

विश्व प्रसिद्ध पीतलनगरी मुरादाबाद से अमेरिका, जापान, रुस, यूक्रेन सहित अन्य कई देशों को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का निर्यात होता है। हस्तशिल्प निर्यात में 40% की हिस्सेदारी मुरादाबाद के निर्यातकों की है। देश दुनिया के हर कोने में पीतल नगरी का उत्पाद पहुंचता है। उत्कृष्ट नक्काशी व गुणवत्ता के चलते यहां के उत्पादों की विदेशों में खूब मांग रहती है। विश्व के प्रमुख देशों यूएसए, यूके, यूएई सहित अन्य कई बड़े देशों को पीतलनगरी के उत्पादों का निर्यात किया जाता है।

दीवारों पर दिख रही पीतलनगरी के हस्तशिल्प की झलक। चित्र में पद्मश्री शिल्पकार दिलशाद हुसैन और बाबूराम यादव। ● अमृत विचार

- ट्रंप की नई चेतावनी से और सहमे निर्यातक, सरकार से विशेष राहत की आस

प्रधानमंत्री भी कर चुके हैं मुरादाबाद के शिल्प गुरु दिलशाद हुसैन की सराहना : पीतल की कारीगरी की विदेशों में खूब धूम रही है। विश्व पटल पर यहां के ब्रास उत्पादों पर उत्कृष्ट नक्काशी की मांग रहती है। पीतल के उत्पादों पर बेहतरीन नक्काशी के बूते यहां के शिल्प गुरु दिलशाद हुसैन और बाबूराम यादव को भारत सरकार ने पद्मश्री से नवाजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिल्पगुरु दिलशाद हुसैन के शिल्पकारी की तारीफ कर चुके हैं।

ट्रंप के टैरिफ ने भारत के निर्यातकों की स्थिति दयनीय कर दी है। मुरादाबाद की ब्रास इंडस्ट्री भी बुरी तरह प्रभावित है। पहले लगभग 10,000 करोड़ का पीतल उत्पादों का निर्यात विदेशों में होता था। इस समय 60 प्रतिशत कारोबार कम हो गया है। क्रिसमस, नया साल निर्यातकों के लिए काफी अच्छा होता था, लेकिन इस समय हालत दयनीय और कारोबार लगभग ठप है। फरवरी में ग्रेटर नोयडा में होने वाले फेयर में बॉयर के आने पर कुछ उम्मीद है, वास्तविक स्थिति इस फेयर में खरीदारों के रिस्पांस पर निर्भर है। अभी तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने और कड़े कदम उठाने की बात कही है। – **अवधेश अग्रवाल, निर्यातक,** मुख्य संयोजक ईपीसीएच।

आज के दौर में स्थिति बहुत खराब है। किसी आर्टिजन के पास कोई काम नहीं है। अमेरिका के टैरिफ से निर्यात बुरी तरह प्रभावित है। अमेरिका, वेनेजुएला टकराव से हालत और खराब होने की स्थिति लग रही है। सरकार से उम्मीद है कॉपर शीट व अन्य कच्चे माल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करे, साथ ही इनकी जमाखोरी रोके। हम चाहते हैं कि सरकार निर्यातकों को राहत देने के लिए और ठोस कदम उठाए। – **नजमुल इस्लाम,** निर्यातक, संरक्षक मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट्र्स एसोसिएशन

हत्या में फरार 25000 का इनामी दबोचा

शाहबाद, अमृत विचार : गैर इरादतन हत्या के आरोप में फरार चल रहे पच्चीस हजार के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से उसे जेल भेज दिया गया।

16 नवंबर को कोतवाली क्षेत्र के गांव धुरियाई निवासी अजब सिंह, महताब, रविन्द्र और सत्यभान सत्यभान के खिलाफ जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित के पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। केस में धाराओं की बढ़ोतरी की गई। इसके बाद धुरियाई के ही प्रेम सिंह, हरिओम, धीर सिंह, सत्यवीर, के नाम भी प्रकाश में आए। पच्चीस हजार के इनामी हरिओम, धीर सिंह, सत्यभान सिंह को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है। सत्यवीर पर भी 25000 का इनाम था। गुरुवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को लक्खी बाग के पास से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पाकबड़ा में रुके बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव

संवाददाता, पाकबड़ा

अमृत विचार: नैनीताल से लौटकर मुरादाबाद होते हुए दिल्ली जा रहे आरजेडी नेता व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव हाईवे पर पाकबड़ा में रुके। हाईवे पर एक होटल पर रुक कर बिरयानी का आनंद लिया। इसकी सूचना मिलती है स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं उनसे मिलने व देखने के लिए काफी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। खाना खाने के बाद वह दिल्ली रवाना हो गए।

गुरुवार की दोपहर नैनीताल से दिल्ली जाते समय मुरादाबाद होकर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कुछ देर के लिए पाकबड़ा थाने के सामने पहुंचे। तभी उनकी नजर हाईवे पर एक चिकन सेंटर पर पड़ी। उन्होंने अपने काफिले को रोकने को कहा। वाहन रोककर उन्होंने बिरयानी का आनंद लिया। जैसे ही यह सूचना लोगों को पता चली भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पाकर थाना प्रभारी योगेश कुमार भी पुलिस बल के साथ वहां पहुंच गए। खाना खाने के बाद वह दिल्ली रवाना हो गए। चिकन सेंटर के स्वामी मोबिन ने बताया कि तेजस्वी यादव खाना खाने के लिए रुके थे। उन्हें यहां का खाना काफी पसंद आया। खाने के बाद वह चले गए।

एक होटल में खाना खाने के लिए बैठे तेजस्वी यादव।

न्यूज ब्रीफ

पुराने ट्रांसफार्मर और झूलते तार बने खतरा

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर के कई इलाकों में लगे पुराने ट्रांसफार्मर और झूलते बिजली के तार हादसों को दावत दे रहे हैं। जर्जर ट्रांसफार्मरों से चिंगारी निकलने और तार टूटने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। बरसात या तेज हवा के दौरान स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। आबादी वाले क्षेत्रों में खुले ट्रांसफार्मर बच्चों और राहगीरों के लिए जोखिम बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी सुधार नहीं किया जाता। नागरिकों ने जर्जर ट्रांसफार्मर बदलने और तारों को सुरक्षित करने की मांग की है।

चकरोड से अवैध कब्जा हटाने की मांग

कांठ, अमृत विचार : किसान ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर ग्राम समाज की सार्वजनिक चक रोड अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है। दौलतपुर टिकरी निवासी किसान शीशराम सिंह पुत्र चंद्रपाल सिंह ने एसडीएम को दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया है कि उसके खेत पर जाने वाली चक रोड संख्या 364 पर पड़ोस के कुछ किसानों ने कब्जा कर लिया है, जिससे उसके खेत पर जाने का रास्ता बंद हो गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम संत दास पंवार ने राजस्व निरीक्षक, लेखपाल को टीम गठित कर मौके पर पैमाइश कर चक रोड से अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश दिए है।

सुप्रीम आदेश के बाद कुत्तों और छुट्टा पशुओं से निजात की जगी आस

स्मार्ट सिटी की सड़कों पर कई जगह खुलेआम घूम रहे छुट्टा जानवर व कुत्ते

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों से कुत्तों और पशुओं को सड़कों से हटाने के आदेश जारी किए है। जिससे लोगों में इनसे निजात की उम्मीद जगी है। हालांकि महानगर में सड़कों पर छुट्टा पशु और कुत्ते हमेश की तरह विचरण करते रहे। कुत्तों के काटने से अस्पताल में एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने वाले भी कई पीड़ित पहुंचे।

महानगर में कुछ महीने पहले एक बुजुर्ग पर सांड़ ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था जिसमें बुजुर्ग की जान चली गई थी। वहीं पाकबड़ा में पिछले महीने एक बुजुर्ग महिला को सांड़ ने पटक कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। इसके बाद भी नगर निगम व नगर पंचायतों की ओर से निकाय क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से सड़कों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों में घूमने वाले

रोड पर घूमते आवारा कुत्ते।

रोगी को एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाता चिकित्सक।

निगम की ओर से छुट्टा गोवंश और कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाता है। इसे और प्रभावी और सख्त करेंगे। निगम की ओर से पकड़ कर उनका स्टरलाइजेशन कराया जाता है। जिससे उनकी संख्या नियंत्रित हो सके। साथ ही अब निगम प्रशासन महानगर की कॉलोनियों व आबादी क्षेत्र में भैंस पालकर उनका गोबर नालियों में डालने और शहर में सड़कों पर छोड़ने वालों पर भी कार्रवाई करेंगे। ऐसी भैंसों को जब्त करेंगे।

– दिव्यांशु पटेल, नगर आयुक्त

प्रतिदिन 70-75 नये मरीज आ रहे अस्पताल

जिला अस्पताल में एआरवी इंजेक्शन कक्ष की प्रभारी चिकित्सक डॉ. मोनिका ने बताया कि ठंड के दिनों में भी प्रतिदिन 70-75 डॉग बाइट के पीड़ित इंजेक्शन लगवाने आ रहे हैं। जबकि पुराने पीड़ित भी फालोअप इंजेक्शन लगवाने के लिए आते हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के साथ सड़कों से जानवरों को भी हटाने का दिया है आदेश

छुट्टा पशुओं और कुत्तों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। कई बार रस्म अदायगी के लिए अभियान चलते हैं फिर कुछ दिन बाद ठप हो जाता है। जबकि नगर निगम की ओर से एनीमल बर्थ कंट्रोल सेंटर भी बनाया गया है।

जहां कुत्तों को पकड़ कर ले जाने के बाद उनका स्टर्लाइजेशन किया जाता है जिससे उनकी आबादी को नियंत्रित किया जा सके। फिर भी सड़कों पर जहां तहां कुत्ते आज भी घूम रहे हैं।

महानगर के आशियाना कॉलोनी के पास रामंगगा विहार वाली रोड पर गुरुवार को भी कुत्ते घूमते दिखे। वहीं जिला अस्पताल में भी डॉग बाइट के शिकार लोग एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंचे थे।

कुत्ते का आतंक तीन लोगों को काटा

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को एक कुत्ते ने अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया।

बाजार गंज स्थित सलीम अहमद ने बताया कि एक कुत्ता सुबह से ही आक्रामक था और राह चलते लोगों पर झपट रहा था। इसी दौरान सलीम सामान खरीदने गया तो कुत्ते ने उसके पैर में काट लिया। लोगों ने शोर मचाया तो कुत्ते ने बाबर खेड़ा निवासी बुजुर्ग मोहम्मद नबी को काटकर जख्मी कर दिया। लोगों की भीड़ कुत्ते के पीछे भागी तो भागते समय नगर के कुरेशियान निवासी कलीम अहमद को काट कर घायल कर दिया।

घायल लोगों को परिजनों और लोगों की मदद से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। घटना की सूचना नगर पालिका और प्रशासन को दी गई, लेकिन आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर लोगों में रोष है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, बावजूद इसके स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों ने नगर पालिका से आवारा कुत्तों की पकड़-धकड़ और नसबंदी अभियान तेज करने की मांग की है।

सावधान! बुखार हुआ तो ठीक होने में लग सकते हैं 10 दिन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- दवा से तीन-चार दिन में उतर रहा बुखार, लेकिन बदन दर्द और कमजोरी कर रही परेशान
- जिला अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में रोज बुखार से पीड़ित पहुंच रहे 50 से अधिक रोगी

अमृत विचार : सर्दी के मौसम में बुखार लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। मौसम में लगातार बदलाव, ठंडी हवा और कोहरे के कारण वायरल संक्रमण तेजी से फैल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार सर्दी में होने वाला बुखार दवा से भले ही तीन-चार दिन में उतर जाए, लेकिन पूरी तरह ठीक होने में 8 से 10 दिन तक का समय लग रहा है। इस दौरान मरीजों को बदन दर्द, कमजोरी, सिरदर्द और थकान जैसी शिकायतें लगातार परेशान कर रही हैं।

जिला अस्पताल की मेडिसिन विभाग की ओपीडी में रोजाना 50 से अधिक मरीज इसी तरह की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। मरीजों का कहना है कि बुखार उतरने के बाद भी शरीर में दर्द और कमजोरी बनी रहती है, जिससे रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कत हो रही है। कई मरीज समय से आराम नहीं कर पा रहे हैं, जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ रहा है। जिला अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि सर्दी के मौसम में वायरल बुखार की अवधि लंबी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दवा से बुखार तो जल्दी काबू में आ जाता है, लेकिन शरीर को पूरी तरह रिकवर होने में समय लगता है। ऐसे में मरीजों को धैर्य रखने के साथ-साथ सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है। बताया कि बुखार के दौरान और उसके बाद पर्याप्त आराम न करने, ठंडी चीजों के सेवन और ठंड के संपर्क में अधिक रहने से बदन दर्द और कमजोरी बढ़ सकती है। दवा के साथ ही मरीजों को सलाह दी जा रही है कि वे दवा का पूरा कोर्स लें, गर्म पानी का सेवन करें, हल्का और पौष्टिक भोजन करें व ठंड से बचाव करें। बिना चिकित्सकीय सलाह के खुद से दवा बंद या बदलना नुकसानदायक हो सकता है। बुखार के बाद यदि बदन दर्द, सांस लेने में दिक्कत, लगातार खांसी या कमजोरी ज्यादा समय तक बनी रहे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

किड्स लीग में एमपीएस नाइट राइडर्स जीता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : एमपीएस क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित किड्स प्रीमियर लीग में गुरुवार को एमपीएस नाइट राइडर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हसनपुर सुपर किंग्स को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी। 30 ओवर के इस मुकाबले में एमपीएस नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो टीम के लिए पूरी तरह सही साबित हुआ।

पहले बल्लेबाजी करते हुए एमपीएस नाइट राइडर्स ने निर्धारित 30 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रनों का स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से समर्थ ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंदों में 69 रन बनाए, जबकि अथर्व यादव ने 34 गेंदों पर 42 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति

टूर्नामेंट में मैन ऑफ द मैच चुने गए समर्थ।

में पहुंचाया। हसनपुर सुपर किंग्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए नितिन ने प्रभावी प्रदर्शन किया और 3 विकेट झटके। इसके अलावा युग, यश और आतात ने 1-1 विकेट लेकर टीम को कुछ राहत दिलाने की कोशिश की, लेकिन बड़ा स्कोर बनने से नहीं रोक सके।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी हसनपुर सुपर किंग्स की टीम दबाव में नजर आई और पूरी टीम 23.2 ओवर में 113 रनों पर सिमट गई। यश कोहली ने 23 गेंदों में 41 रनों

- समर्थ की शानदार ऑलराउंड परफॉर्मेंस, पहले बनाए 69 रन फिर चटकाए 2 विकेट

की आक्रामक पारी खेली, जबकि अगम पाल ने 40 गेंदों पर 22 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सके। एमपीएस नाइट राइडर्स की ओर से गेंदबाजी में अर्श ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट हासिल किए। वहीं, समर्थ ने अपनी ऑलराउंड प्रतिभा दिखाते हुए 2 विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। शानदार बल्लेबाजी और प्रभावी गेंदबाजी के चलते समर्थ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 55 गेंदों में 69 रन बनाने के साथ-साथ 2 महत्वपूर्ण विकेट भी झटके। इस मौके पर एमपीएस के प्रधानाचार्य शकील, मिर्जा दानिश आलम, प्रियांशु जोशी, रोहित, शरीफ शेख, सलीम, शांतनु दीक्षित, रोहित सूरी, ऋषिका, प्रतीक्षा आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध मोबाइल बिकने की सूचना पर छापेमारी

कांठ, अमृत विचार : पुलिस ने छजलैट चौक के समीप एक मोबाइल शॉप की दुकान में फर्जी बिल से संदिग्ध मोबाइल बेचे जाने पर छापेमारी की। पुलिस ने मोबाइल जप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छजलैट पुलिस को सूचना मिली थी कि छजलैट चौक के समीप एक मोबाइल की दुकान में फर्जी बिल के साथ संदिग्ध मोबाइल बिक्री किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक से इससंबंध में शिकायत की। थाना प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस बल के साथ मोबाइल शॉप पर आकस्मिक छापेमारी की। उन्होंने दुकान स्वामी से पूछताछ भी की और बिल दिखाने को कहा। इसके उपरांत उन्होंने लगभग एक दर्जन से अधिक मोबाइल जब्त कर लिए। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार शहरावत ने बताया कि इस संबंध में गहन जांच पड़ताल के उपरांत ही उचित कार्यवाही की जाएगी।

संदीप बने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मासिस्ट संगठन के जनरल सेक्रेटरी संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल 5 वर्षों के लिए रहेगा।

मुरादाबाद पहुंचने पर संदीप बडोला का चिकित्साधिकारियों, कर्मचारियों व फार्मासिस्टों आदि ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्षों बाद देश फार्मेसी काउंसिल से फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया में सदस्य मनोनीत होना बड़ी उपलब्धि है। कहा कि फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया के माध्यम से फार्मेसी शिक्षा और पेशे के मानकों को बनाए रखना, व्यवसायिक आचरण तय करने और देश में फार्मेसी के

संदीप बडोला का माला पहनाकर स्वागत करते डिप्लोमा फार्मासिस्ट। ● अमृत विचार

अभ्यास को विनियमित करने, शिक्षा को उद्योग की जरूरत से जोड़ने, क्लिनिकल फार्मेसी को बढ़ावा देने, डिजिटल रिकॉर्ड और नई तकनीक के एकीकरण करने और फार्मासिस्टों के सतत विकास को अनिवार्य करने, फार्मेसी कॉलेज और पाठ्यक्रमों के मानकों को तय करने, फार्मेसी शिक्षा की उच्च गुणवत्ता तय करने की दिशा में कार्य करेंगे।

स्वागत करने वालों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, एसीएमओ डॉ. विकास, एसीएमओ डॉ. आरके शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. भवतोष शंखधर, डॉ. शेर सिंह कक्कड़, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के मंडलीय सचिव हेमंत चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष निश्चल भटनागर, जिलाध्यक्ष

- कहा- फार्मेसी शिक्षा और पेशे के मानकों को बनाए रखना, व्यवसायिक आचरण तय करने पर रहेगा जोर

पाकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष पंकज पांडे, विकास प्राधिकरण के प्रदेश महामंत्री वृंदावन दोहरे, उपाध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, स्टाफ नर्स एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष पूनम मैसी, जिला मंत्री प्रतिमा शर्मा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सुशील, जिला मंत्री शेखर, संविदा कर्मचारी संघ स्वास्थ्य विभाग के जिला मंत्री विपिन भट्ट, त्रिवेंद्र चौहान, हिना रूमी, यशोदा रावत, जयपाल सिंह, शिव प्रसाद रतूड़ी, पी एन तिवारी, अनिल शर्मा, मानस खंड उत्तराखंड युवा वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष हरीश मेहरा, महामंत्री अमित भंडारी, चंदन, निखिल बोरा, अंकुर चौहान, दीपक, महेश, पीपी सिंह चौहान आदि शामिल रहे।

चालकों के बीच यातायात नियमों की प्रतियोगिता, जीते इनाम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- ट्रॉमा सेंटर के लिंक को किया एंबुलेंसों से कनेक्ट

अमृत विचार : यातायात माह के दौरान संभागीय परिवहन विभाग की ओर से चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन समस्त ट्रामा सेंटरों में मानव संसाधन एवं उपकरणों की जांच की गई। इमरजेन्सी रिस्पॉन्स प्रोटोकाल की समीक्षा के साथ एंबुलेंस रिस्पॉन्स टाइम एवं पेशेन्ट हैंडओवर टाइम की समीक्षा के अलावा आवश्यकतानुसार एएलएस एंबुलेंसों की संख्या बढ़ाने और उन्हें उन्हें ट्रॉमा सेंटर से लिंक किया गया।

गुरुवार को संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज ने बताया कि यातायात माह के आठवें दिन व्यवसायिक वाहनों के पीछे बैक लाइट, फॉग लाइट के मानक अनुरूप क्रियाशीलता चेक की गई। चालकों एवं परिचालकों के मध्य सड़क से संबंधित विषयों पर प्रतियोगिता कराई गई। यातायात नियमों की प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिया गया। हाईवे पर सड़क दुर्घटना रोकने के लिए जनपदों की सीमाओं पर यात्री वाहनों के ओवर लोडिंग की एंटी प्वाइंट पर वाहनों की जांच की गई। मानक पूरे नहीं मिले उन वाहनों पर कार्रवाई की गई। लोक निर्माण विभाग तथा नगर विकास विभाग द्वारा अपने अधीन मार्गों पर वाहन चालकों की सुविधा के लिए मार्गों पर लेन मार्किंग के लिए किए गए थर्मोप्लास्टिक पेंट का निरीक्षण के दौरान सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए कहा गया। मास्टर ट्रेनर के माध्यम से जनपद माध्यमिक के शिक्षकों सड़क सुरक्षा एवं को यातायात नियमों के प्रति प्रशिक्षित किया गया।

कोहरे की चादर में लिपटी सुबह, बर्फीली हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गुरुवार को मुरादाबाद कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की गिरफ्त में रहा। सुबह से ही शहर पर कोहरे की मोटी चादर छाई रही, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। सुबह करीब 9 बजे तक हालात ऐसे रहे कि सड़क पर कुछ ही दूरी पर खड़ा व्यक्ति भी साफ नजर नहीं आ रहा था। बर्फीली हवाओं के चलते हाथ-पैर सुन्न हो गए और लोग घरों से निकलने से कतराते नजर आए।

ठंड का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दिया। सुबह के समय रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड और प्रमुख चौराहों पर यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई ट्रेनें और बसें देरी से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। सड़कों पर वाहन चालकों को धीमी गति से

सुबह ठंड में आग तापती महिलाएं। ● अमृत विचार

चलना पड़ा, वहीं दोपहिया वाहन सवार सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आए। दोपहर एक बजे के बाद जब सूर्यदेव ने दर्शन दिए तो लोगों को कुछ राहत मिली। धूप निकलने से ठिठुरन में कमी आई और बाजारों व सार्वजनिक स्थानों पर हलचल बढ़ने लगी। हालांकि ठंडी हवा चलने के कारण पूरी तरह से राहत नहीं मिल सकी। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को मुरादाबाद का अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड, जिला अस्पताल और अन्य सार्वजनिक स्थलों के आसपास लोगों ने अलाव जलाकर राहत पाने

- सुबह 9 बजे तक दृश्यता रही बेहद कम, दोपहर बाद धूप निकलने से लोगों को मिली कुछ राहत

का प्रयास किया। सड़क किनारे रहने वाले जरूरतमंदों के लिए अलाव सहारा बने। जिला अस्पताल की ओपीडी में भी ठंड से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ती दिखी। सर्दी, खांसी, बुखार और जोड़ों के दर्द की शिकायत लेकर लोग अस्पताल पहुंचे।

डॉक्टरों का कहना है कि इस मौसम में विशेष सावधानी बरतना जरूरी है। बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाकर रखने, गर्म कपड़े पहनने और सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी ठंड और कोहरे का असर बने रहने की संभावना जताई है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की जरूरत है।

आरटीई प्रवेश: प्रमाण पत्रों का सत्यापन करेंगे सक्षम अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- सीबीएसई से संबद्ध माध्यमिक के संचालक, प्रधानाचार्यों और पुस्तक विक्रेताओं की बैठक

अमृत विचार: जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध माध्यमिक विद्यालयों के संचालक, प्रधानाचार्यों एवं पुस्तक विक्रेताओं की बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के अंतर्गत निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया में आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ लगाए जाने वाले प्रमाण पत्रों का सत्यापन सक्षम अधिकारी के स्तर से कराया जाएगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने पुस्तक विक्रेताओं को विद्यालयों से प्राप्त पाठ्यक्रम का विवरण उपलब्ध कराया। डीएम ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिया कि समस्त पुस्तकों से संबंधित सूचना जिले की एनआईसी वेबसाइट पर भी अपलोड कराई जाए। जिससे आवेदकों को परेशानी न हो।

एनसीईआरटी की पुस्तकों की आपूर्ति के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा निदेशक एनसीईआरटी को पत्र पूर्व में ही भेजा जा चुका है, जिलाधिकारी ने फिर से पत्र भेजने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विमलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

खतरे में पर्यावरण | 50 तक है अच्छी वायु गुणवत्ता का सूचक, जागरुकता उपाय भी नहीं आ रहा है काम

बढ़ा प्रदूषण : प्रमुख क्षेत्रों में एक्यूआई 100 से अधिक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : इन दिनों वायु प्रदूषण का स्तर फिर तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली, एनसीआर के प्रदूषण का असर मुरादाबाद में भी पड़ रहा है। वाहनों से निकलने वाले धुआं के अलावा कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कई जगह वाहनों के टायर, कोयला और लकड़ी जलाकर अलाव सेंकने से निकलने वाला खतरनाक धुआं वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़ा रहा है।

गुरुवार की शाम महानगर में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़कर येलो श्रेणी में रहा। दिल्ली रोड के समीप ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में सर्वाधिक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 100 पीजीएम से अधिक 140 पीजीएम रहा। जबकि दिल्ली रोड

सुबह छाई रही धुंध। ● अमृत विचार

स्थित बुद्धि विहार में 106, कांठ रोड स्थित सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में 119 रहा।

वहीं कांशीराम नगर में 108, जिगर कॉलोनी में एक्यूआई 127 पर रहा। हालांकि सबसे साफ हवा ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र की रही जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 86 रिकॉर्ड किया गया। हालांकि 50 तक का सूचकांक है अच्छी वायु गुणवत्ता का सूचक माना जाता है। वायु प्रदूषण के प्रति लोगों को नगर निगम के द्वारा जागरुकता उपाय भी काम नहीं आ रहा है। इन दिनों कोहरे के साथ धूल

- टायर, कोयला जलाकर सेंकने से निकलने वाला खतरनाक धुआं बढ़ा रहा प्रदूषण का स्तर

के कण वायु में मिलने से घनत्व बढ़ रहा है। साथ ही

कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कई जगह पर वाहनों के टायर जलाने, कोयले और लकड़ी जलाने व वाहनों के धुएं से वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। इससे अस्थमा और सांस के रोगियों को खुली हवा में सांस लेने में दिक्कत हो रही है। चिकित्सक ऐसे लोगों को सतर्कता बरतने की सलाह दे रहे हैं। वहीं नगर निगम की ओर से समय समय पर वाटर स्प्रिंकलर से पेड़ पौधों पर पानी का छिड़काव कराने के साथ ही मैकेनिकल रोड स्वीपिंग भी कराई जा रही है।

यथार्थ की फिरकी, अशरफ की अर्धशतकीय पारी से जीता नेक्स्ट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गाजियाबाद क्रिकेट एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से इंदिरापुरम में आयोजित 11वीं दिल्ली एनसीआर क्रिकेट लीग 2026 के तहत खेले गए मुकाबले में नेक्स्ट जनरेशन क्रिकेट अकादमी मुरादाबाद ने जावेद क्रिकेट अकादमी, फिरोजाबाद को शानदार प्रदर्शन करते हुए पराजित किया। यह मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा, लेकिन नेक्स्ट जनरेशन की टीम ने हर गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जावेद क्रिकेट अकादमी की शुरुआत बेहद खराब रही। नेक्स्ट जनरेशन के गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन और लेंथ से बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका

यथार्थ व्यस्त को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित करते आयोजक। ● अमृत विचार

नहीं दिया। विशेष रूप से यथार्थ व्यस्त ने अपनी फिरकी से विपक्षी बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी। जावेद क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम यथार्थ व्यस्त के सामने टिक नहीं पाई और 131 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

यथार्थ व्यस्त ने अपने 6.4 ओवर के शानदार स्पेल में 2 मेडन ओवर डालते हुए मात्र 24 रन देकर 7 विकेट झटके। उनकी इस घातक गेंदबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह नेक्स्ट जनरेशन के पक्ष में मोड़ दिया। इसके अलावा धनंजय ने भी प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 2 अहम विकेट अपने नाम किए, जिससे जावेद क्रिकेट अकादमी की पारी 130 रन पर सिमट गई।

131 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेक्स्ट जनरेशन

- गाजियाबाद के इंदिरापुरम में हुई 11वीं दिल्ली एनसीआर क्रिकेट लीग

क्रिकेट अकादमी ने संयमित और आत्मविश्वास भरी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान अशरफ रजा ने नेतृत्व की जिम्मेदारी बखूबी निभाते हुए नाबाद 73 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं मोहम्मद कैफ ने 31 रनों का अहम योगदान देकर टीम की जीत को आसान बना दिया।

अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए यथार्थ व्यस्त को मैन ऑफ द मैच चुना गया जबकि बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए कप्तान अशरफ रजा को बेस्ट बेट्समैन से सम्मानित किया। इस दौरान टूर्नामेंट आयोजक अजय यादव, कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी, मोहम्मद हसीन, मोहम्मद जावेद, अमर सिंह राठौर, विवेक मलिक मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

वन मंत्री को दी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए कार्य की जानकारी

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रदेश सरकार में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना के लखनऊ आवास पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पर्यावरण एवं गंगा समिति उत्तर प्रदेश के नामित सदस्य एडवोकेट प्रदीप सक्सेना ने मुलाकात की। उन्होंने नववर्ष की शुभकामनाएं देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक साल के कार्यों का ब्योरा दिया। उनके कार्यों की वन एवं पर्यावरण मंत्री ने सराहना की। प्रदीप सक्सेना ने बताया कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट ने 132 यूनिट रक्तदान कराकर जरूरतमंद गंभीर मरीजों की मदद की है। बताया कि सामाजिक सरोकारों को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

अग्नि शामक यंत्रों के उपयोग की विधि समझाई

मुरादाबाद, अमृत विचार : निदेशालय नागरिक सुरक्षा लखनऊ के निर्देश के अनुसार वार्डन एवं स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को इतनी शक्ति हमें देना दाता प्रार्थना से की गई। सहायक उप नियंत्रक सतीश कुमार ने पहले सत्र में हाउस फायर पार्टी संगठन के बारे में बताया। दूसरे सत्र में फायर सर्विस ऑफिसर ने अग्नि शामक यंत्रों के उपयोग की विधि को समझाया। तीसरे दिन के अंतिम सेशन में सतीश कुमार सहायक उपनियंत्रक ने अग्निशमन कर्मियों के लिए स्थाई अग्निशामक प्रणाली, पीपीई किट आदि के बारे में चर्चा की। इस दौरान नागरिक सुरक्षा कार्यालय से चमन कुमार शर्मा, तुषार अग्रवाल डिविजन वार्डन, सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, वसीम अख्तर, अनुज गुप्ता आदि ने सहयोग प्रदान किया।

रेप कर ब्लैकमेल का आरोप मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- पुलिस पर सुनवाई नहीं करने का लगाया आरोप

अमृत विचार : नगर निवासी युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत में आरोप लगाए है कि एक युवक ने लगभग दो साल पहले उसे शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया और कई बार दुष्कर्म किया।

आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि इस घटना के बारे में किसी को बताया तो उसे बदनाम कर दिया जाएगा। डर के कारण वह खामोश रही, लेकिन आरोपी चुप्पी का फायदा उठाकर ब्लैकमेल करता रहा। आरोपी ने नए साल पर उसे नैनीताल जाने के लिए मजबूर किया। वहां होटल में उसे दो रात तक जबरन रखा गया। घर लौटने के बाद आरोपी ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया और उसका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया।

आरोपी के माता-पिता को भी इस कृत्य की पूरी जानकारी थी और उन्होंने इसमें उसकी मदद की। उसका आधार कार्ड भी आरोपी के कब्जे में है। आरोपी के पिता ने धमकी दी कि अगर वह अपने बेटे से शादी करती है, तो उसे नुकसान पहुंचाया जाएगा। पीड़िता ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने कई बार थाने और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसपर युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नो इंट्री में कई वाहनों पर की कार्रवाई, भाजपा नेता की कार में बैठकर चेकिंग करने की चर्चा

भाजपा नेता की कार में बैठकर चेकिंग करते मिले तहसीलदार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नो एंट्री में वाहनों की चेकिंग करने के लिए तहसीलदार भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य की कार में बैठकर पहुंचे। भाजपा नेता की कार में बैठकर चेकिंग कर रहे तहसीलदार का कुछ लोगों ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इससे उनकी निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

मंगलवार को तिकोनिया पार्क के पास तहसीलदार प्रवीण कुमार भाजपा के वार्ड छह से जिला पंचायत सदस्य इमरान चौधकरी की काले रंग की कार से पहुंचे। यहां वह कार में बैठकर नो एंट्री में घुसे डंपरों को चेकिंग करते देखे गए। जिस कार में बैठकर तहसीलदार चेकिंग कर रहे थे। उस कार की पिछली साइड में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान व भाजपा के संभावित प्रत्याशी इमरान चौधरी की स्कॉर्पियो के पीछे का फ्लेक्स वोर्ड लगा है। उन्होंने चेकिंग के दौरान कुछ वाहनों का चालान भी किया। लोगों ने बताया कि वायरल वीडियो में तहसीलदार भाजपा का झंडा लगी कार में बैठे दिखाई दे रहे हैं। लोगों ने बताया कि तहसीलदार का ये कृत्य दर्शाता है कि वह शासन के नियमों का उल्लंघन संत्ताधारियों से मिल कर कर रहे हैं।

वाहन चेकिंग करते तहसीलदार। ● अमृत विचार

भाजपा नेता की कार में बैठे तहसीलदार।

आनन फानन में की गई चेकिंग

स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस तरह आनन-फानन में चेकिंग की गई, उससे यह प्रतीत होता है कि कार्रवाई योजनाबद्ध प्रशासनिक प्रक्रिया के बजाय राजनीतिक दबाव में की गई। यदि कोई अधिकारी राजनीतिक पहचान के साथ कार्य करता हुआ दिखाई देता है, तो इससे प्रशासन की निष्पक्ष छवि प्रभावित होती है। इस घटना के बाद तहसीलदार प्रवीण कुमार भूमिका पर भी सवालिया निशान लग गए हैं। उधर तहसीलदार से दूरभाष पर कई बार फोन करने का प्रयास किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

ओवरलोड वाहनों से यातायात चरमराया, खतरे में लोगों की जान

गन्ने से लदे ओवरलोड वाहनों से दुर्घटनाओं का खतरा, अक्सर लग रहा जाम

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : गन्ना पेराई सत्र के चलते क्षेत्र में सड़कों पर गन्ने से लदे ओवरलोड वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक भार लेकर चल रहे ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

इन वाहनों की वजह से न केवल यातायात व्यवस्था चरमरा गई है, बल्कि आम राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अधिकतर वाहन बिना नंबर प्लेट, बिना रिफ्लेक्टर और बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के चलते हैं। संकरी सड़कों और आबादी वाले इलाकों से गुजरते समय ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ट्रक का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। कई बार गन्ने से लदे वाहन मोड़ पर फंस जाते हैं, जिससे घंटों जाम लगा रहता है। ओवरलोड वाहनों की वजह से सड़कें भी तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं। ग्रामीण मार्गों पर गड्ढे बढ़ते जा रहे हैं, जिससे दोपहिया चालकों और पैदल चलने वालों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। कभी-कभार की जाने वाली औपचारिक चेकिंग से हालात में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है।

ठाकुरद्वारा शरीफ नगर मार्ग पर स्थित रामपाल द्वारा के निकट ओवरलोड गन्ने से भरे ट्रकों से लगा जाम। ● अमृत विचार

ओवरलोडिंग पर प्रशासन ने बंद कर ली आंखें

लोगों का आरोप है कि ओवरलोडिंग पर प्रशासन ने आंखें बंद कर ली हैं, जिसके चलते वाहन चालक नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए, नियमित चेकिंग की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। साथ ही गन्ना ढुलाई के लिए निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि संभावित हादसों पर अंकुश लग सके और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

छेड़छाड़ व जानलेवा हमले में छह पर केस दर्ज

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मानावाला निवासी महिला ने कोर्ट में प्रार्थना-पत्र दाखिल कर आरोप लगाया था कि गांव निवासी रामवीर पुत्र रामदत्त उस पर गलत नजर रखता था। 8 दिसंबर की शाम 8 बजे रामवीर घर के बाहर अश्लील टिप्पणी कर रहा था। विरोध करने पर साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में जयपाल, रामदत्त, रमेश, चंद्रपाल पुत्रगण भोला तथा जोगेंद्र पुत्र बाबू हाथों में लाठी-डंडे व हथियार लेकर घर में घुस आए और मारपीट की। बीच-बचाव के लिए पहुंचे पति कृष्ण कुमार उर्फ नीटू को बेरहमी से पीटा। जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़े।

आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ छेड़छाड़ की। चीख-पुकार सुनकर जितेंद्र सिंह और जयराम सहित अन्य ग्रामीणों ने दोनों की जान बचाई। पति का इलाज चल रहा है। वह रिपोर्ट दर्ज कराने थाने गई, लेकिन पुलिस ने केवल आश्वासन दिया। 15 दिसंबर को एसएसपी को भी प्रार्थना-पत्र भेजा, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई। अंततः कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर रामवीर, जयपाल, रामदत्त, रमेश, चंद्रपाल और जोगेंद्र के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महिला कर्मचारी से छेड़छाड़ मामले में कानूनगो निलंबित

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- एफआईआर के लिए भटक रही पीड़िता, पुलिस की भूमिका पर सवाल

अमृत विचार : ठाकुरद्वारा में चकबंदी कार्यालय में तैनात चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मचारी से छेड़खानी के आरोपों का मामला तूल पकड़ गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी ने आरोपी कानूनगो होशियार सिंह को निलंबित कर दिया है। हालांकि, गंभीर आरोपों के बावजूद कातवाली पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की है, जिससे पीड़िता कोतवाली के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

2 जनवरी को एसडीएम कार्यालय में दर्ज कराई शिकायत में पीड़िता ने बताया था कि कार्यालय में काम के दौरान कानूनगो ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। शिकायत के बाद एसडीएम के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी का सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें उसके नशे में होने की पुष्टि हुई।

महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर छेड़खानी सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। हालांकि, कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पीड़िता अपने परिजनों के साथ प्रतिदिन कोतवाली पहुंच रही है, लेकिन कार्रवाई न होने से उसे निराश होकर लौटना पड़ रहा है। बुधवार को भी पुलिस से रिपोर्ट दर्ज करने की मांग दोहराई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने बताया कि प्राथमिकी डीएम या एसडीएम के आदेश पर ही दर्ज की जाएगी। उन्हें केवल मेडिकल कराने का आदेश मिला था, जिसकी रिपोर्ट एसडीएम को भेज दी गई है।

पुलिस दर्ज कर सकती है एफआईआर

चकबंदी विभाग के एसओसी राजेंद्र राम ने कहा कि पुलिस तहरीर के आधार पर भी एफआईआर दर्ज कर सकती है। आरोपी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए डीएम को रिपोर्ट भेजी गई थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी कानूनगो को निलंबित कर दिया है। जांच चकबंदी अधिकारी चतुर्थ को सौंपी गई है।

नई सड़क के नाले को हाईवे के नाले से जोड़ने की मांग

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष केके गुप्ता के नेतृत्व में नई सड़क बिलारी के व्यापारियों ने विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान से मुलाकात की।

व्यापारियों ने नगर पालिका परिषद बिलारी द्वारा नई सड़क पर बनाए जा रहे नाले को पुराने नाले में मिलाए जाने पर आपत्ति जताई। व्यापारियों ने बताया कि नगर पालिका परिषद बिलारी द्वारा हाईवे पर जिस नाले का निर्माण कराया गया है, यदि उसी में नई सड़क बिलारी का नाला जोड़ दिया जाए तो आगामी बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से प्रभावी रूप से निजात मिल सकती है। बारिश के समय दुकानों और सड़क पर पानी भरने से व्यापार और आम जनजीवन प्रभावित होता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सपा विधायक हाजी मो. फहीम इरफान ने नगर पालिका परिषद बिलारी के जेई को मौके पर बुलाया, जहां उन्होंने नई सड़क के नाले को नगर पालिका परिषद बिलारी के हाइवे वाले नाले में मिलाने के लिए जेई को आवश्यक

सपा विधायक से समस्या बताते व्यापारी।

- विधायक ने जेई को मौके पर बुलाकर दिए निर्देश

निर्देश दिए। विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि जनहित से जुड़े इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। विधायक ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। इ चिराग अग्रवाल, राहुल शर्मा, आरिफ अंसारी, अनुज गुप्ता, तारिक उस्मान, संजय शर्मा, अजय राठी, अनूप गुप्ता, किशनवीर यादव, हबीब अहमद, खलीक अहमद, घनश्याम गुप्ता, राजेश प्रजापति, राजवीर सिंह, पिंटू शर्मा, शिवेंद्र गुप्ता, मोंटी सिंघल, निक्की शर्मा, तुषार गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

विकास को नई दिशा, विधायक ने किया सात सड़कों का शिलान्यास

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार : क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने गुरुवार को दो करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सात सड़कों का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का आरंभ किया। विधायक ने बिस्कुट फैक्ट्री नगला हाशा, डोमघर-मोहनपुर मार्ग और चामुंडा मंदिर शेखूपुर खास सहित कई स्थलों पर सड़क निर्माण योजनाओं का उद्घाटन किया। इन सड़कों पर विशेष मरम्मत व विस्तारीकरण कार्य कराए जाएंगे।

मुख्य परियोजनाओं में गागन मोड़ से शिव मंदिर संपर्क मार्ग (लंबाई 310 मीटर, लागत 35.33 लाख), के डी आरपी मार्ग से बिस्कुट फैक्ट्री होते हुए अब्दुल्लापुर संपर्क मार्ग (लंबाई 1.60 किमी, लागत 103.65 लाख), नगला हाशा से इमरतपुर उधो मार्ग (लंबाई 300 मीटर, लागत 30.53 लाख), एनएच-509 से मोहनपुर पीतपुर वाया जलालपुर खास लिंक मार्ग (लंबाई 1.65 किमी, लागत 53.73 लाख), एनएच-509 से रूपपुर-सैफपुर संपर्क मार्ग (लंबाई 1.40 किमी, लागत 37.72 लाख), कुंदरकी से ढकिया जुम्मा संपर्क मार्ग (लंबाई 350 मीटर, लागत 18.31 लाख) तथा शेखूपुर खास से ढकिया जुम्मा संपर्क मार्ग (लंबाई 240 मीटर, लागत 12.48 लाख) शामिल हैं।विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीण इलाकों में सड़क और नाली निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि जलभराव और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और इसे तय समय में पूरा किया जाए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को गति देने के लिए लगातार प्रयासरत है। योजनाओं का लाभ अब सीधे सामान्य जनता तक पहुंच रहा है, जिससे जीवन स्तर में सुधार आ रहा है।शिलान्यास कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, अरविंद ठाकुर, सहायक अभियंता, ग्राम प्रधान अब्दुल मलिक खान, नदीम अहमद, गौहर आलम, अकरम खान, अब्बास, रमन भूषण, पंकज शर्मा, नसीम खान सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

कार्यक्रम में संबोधित करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

- दो करोड़ 80 लाख की लागत से होगा निर्माण कार्य, ग्रामीणों को मिलेगी राहत

कंबल पाकर खिले चेहरे

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- आशा की किरण सोसायटी ने 150 जरूरतमंदों को दिए लिहाफ

अमृत विचार : नगर में आशा की किरण सोसाइटी द्वारा गरीब और असहाय लोगों को सर्दी से बचाने के उद्देश्य से 150 जरूरतमंदों को लिहाफ़ वितरित किए गए।

नगर के बाजार गंज में आयोजित कंबल वितरण कैंप में सोसाइटी के अध्यक्ष इकराम क़ुरैशी के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि डिप्टी एसपी आशीष प्रताप सिंह रहे, जिन्होंने लिहाफ़ वितरण कर सोसाइटी के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। लिहाफ पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खिल उठे। इकराम क़ुरैशी ने कहा कि कड़ाके की ठंड में गरीब और असहाय लोग काफी परेशान होते हैं, ऐसे में उनकी मदद करना हमारा सामाजिक दायित्व है। डिप्टी एसपी आशीष प्रताप सिंह ने कहा कि समाजसेवी संगठनों द्वारा किए जा रहे ऐसे कार्य सराहनीय हैं और इससे जरूरतमंदों को बड़ी राहत मिलती है। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक ओमपाल सिंह, उपनिरीक्षक रजत चौधरी, कांस्टेबल निशांत कुमार, परविंदर राणा, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव सिंघल, शाहनवाज खान, सभासद इस्लाम कुरैशी, सभासद एडवोकेट नदीम सिद्दीकी, गुलशेर अली हारून मलिक, सलीम मलिक, नसीम, अंसार, दिलशाद, सईद फारूकी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कंबल वितरित करते अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो.7906815587

नाम परिवर्तन

पहले मुझे SHBNAM KHATOON पत्नी NAFFEES AHMAD के नाम से जाना जाता था। अब मुझे SHABNAM JAHAN पत्नी NAFEES AHMAD निवासी राघूवाला, ठाकुरद्वारा के नाम से जानें।

नाम परिवर्तन

मैं ने अपना नाम SHAMIM AHMAD से बदलकर MOHD SHAMIM रख लिया है। भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना जाए। MOHD SHAMIM S/O ABDUL MAJEED R/O 421, Asalatpura Mehandi ka Tiraha Moradabad

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

बार परीक्षा पास करने पर किया सम्मानित

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : तहसील बिलारी में विधि व्यवसाय कर रहे 26 अधिवक्ताओं ने ऑल इंडिया बार परीक्षा पास कर ली है। जिसे लेकर शुक्रवार को तहसील परिसर में खुशी का माहौल दिखाई दिया। बार एसोसिएशन ने बार के पूर्व अध्यक्ष आफाक हुसैन के चेंबर पर स्वागत समारोह का आयोजन किया। अधिवक्ताओं को बार अध्यक्ष चौधरी विनय कुमार सिंह ने माला पहनाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि एसडीएम विनय कुमार सिंह ने कहा कि विधि व्यवसाय अत्यंत महत्वपूर्ण होने के साथ चुनौती भरा है। बार संरक्षक रामकुमार सिंह यादव ने कहा कि सभी अधिवक्ता सीनियर्स से मार्गदर्शन प्राप्त करते रहें। छह बार बार अध्यक्ष रहे आफाक हुसैन ने कहा कि इस बार काफी अधिक संख्या में नए अधिवक्ताओं ने परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रतिभा साबित की है। परीक्षा पास करने वाले अधिवक्ता आतिफ कमाल, ताहिर हुसैन, अबुल हसन, योगेंद्र कुमार, कपिल चौधरी, इरफान मलिक, वेदराम मौर्य, मोहम्मद फैजान, अनिल कुमार,नासिर हुसैन, राहुल कुमार, कपिल कुमार शर्मा, शुभम राघव, सुमित चौधरी, श्रीओम सिंह, अखिलेश कुमार यादव, शुभम राघव,पुनीत कुमार, बंटी सिंह, शाहरुख मलिक, राजकुमार सिंह,, मोहम्मद तबरेज खान, बसर अली अशोक कुमार, अनुभव शर्मा, जाहिद मलिक आदि हैं।

अधिवक्ताओं को माला पहनकर सम्मानित करते एसडीएम विनय सिंह। ● अमृत विचार

विवेचनाओं के निस्तारण में न बरतें लापरवाही: एएसपी

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: एएसपी ने थाना कांठ का त्रैमासिक निरीक्षण कर कार्यालय की पुताई करने, लंबित विवेचनाओं का निस्तारण करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए।

एएसपी आईपीएस अभिनव द्विवेदी दोपहर को थाना परिसर में पहुंचे, वहां पुलिस ने स्वागत सलामी दी। इसके बाद उन्होंने थाना कार्यालय का ड्यूटी रजिस्टर, शस्त्र रजिस्टर, माल रजिस्टर, अपराध रजिस्टर आदि चैक किया। संपूर्ण समाधान दिवस थाना समाधान दिवस आईजीआरएस के प्रार्थना पत्र एवं न्यायालय से संबंधित वारंट एवं नोटिस के बारे में जानकारी ली। सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कहा कि वांछित अभियुक्त के खिलाफ अभियान चलाकर गिरफ्तारी करें। लंबित विवेचनाओं का निस्तारण करें एवं न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन करें। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने ग्राम प्रहरी चौकीदारों और पुलिस कर्मियों उप निरीक्षकों की बैठक ली। इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम रामनरेश यादव, वरिष्ठ उप निरीक्षक रोहित चौधरी मोहित अत्री, नेत्रपाल सिंह आदि पुलिसकर्मी उप निरीक्षक मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद हसनपुर (अमरोहा)

पत्रांक : 279/न.पा.परि.ह./2025-26 दिनांक : 08.01.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

''पेयजल हेतु व्यवस्था योजना'' के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका परिषद हसनपुर ठेकेदार/फर्मो से विकास कार्य हेतु ई-निविदायें दिनांक 13.01.2026 से दिनांक 20.01.2026 समय दोपहर 03:00 बजे तक https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 20.01.2026 को ही अपरान्ह 04:00 बजे गठित समिति तथा निविदादाताओं की उपस्थिति में https://etender.up.nic.in द्वारा खोली जायेगी। ई-टेण्डरिंग से सम्बन्धित नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है जोकि सूचना वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदादाता को निर्देशित किया जाता है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिये न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा निर्देशिका के क्लाज 4 का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें।

1	2	3	4	5
1.	E-bid refernence No	279/न.पा.परि.ह./2025-26		
2.	Tender Release		08.01.26	
3.		Tender Download/ Uploaded	13.01.26	प्रातः 10 बजे
4.	Close for Bid		20.01.26	सायं 03 बजे
5.	Bid Opening	Technical	20.01.26	सायं 04 बजे
6.	Bid Opening Palace			नगर पालिका परिषद, हसनपुर।

अधिशासी अधिकारी
न.पा.परि. हसनपुर।

अध्यक्ष
न.पा.परि. हसनपुर।

न्यूज ब्रीफ

व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़, हितों की रक्षा करना धर्म

रामपुर, अमृत विचार : बिलासपुर में गुरुवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की बैठक हुई। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं और उनके अधिकारों पर विस्तृत चर्चा हुई। तहसील अध्यक्ष मोहम्मद यासीन ने कहा कि व्यापारी समाज अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यासीन ने बताया कि वर्तमान समय में व्यापारियों को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों और विसंगतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में संगठन पूरी तत्परता के साथ उनके साथ खड़ा है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि व्यापारियों का किसी भी स्तर पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संगठन ने सभी व्यापारियों से एकजुट होने की अपील की, यह कहते हुए कि एकता में ही शक्ति है। बैठक में व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने और स्थानीय स्तर पर व्याप्त बाधाओं को दूर करने के लिए भविष्य की रणनीति भी तैयार की गई। इस अवसर पर अमीर अहमद, रामजीवन गौतम, विजय सिंह सागर, विक्रम सिंह, सीमा खान, बलवंत सिंह उर्फ राजू, राजकुमार और राजेंद्र सिंह सहित कई अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

इल्म के साथ बिजनेस की भी समझ पैदा करें

रामपुर, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला थाना टीन स्थित मदरसा फैजुल उलूम में सी-टेग और आल इंडिया आईडियल टीचर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में काउंसलिंग सेशन हुआ। छात्रों की काउंसलिंग में जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली से आए मोहम्मद जैद ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा इल्म हासिल करें और दीनी और दुनियावी इल्म के साथ बिजनेस की समझ भी पैदा करें। मदरसा फैजुल उलूम में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में सी टेग के हस्सान उद्दीन नदवी और शाहबाज खां ने कहा कि मां-बाप और उस्ताद की इज्जत करें। मेहनत ईमानदारी और अच्छे अखलाक को अपनाएं। आल इंडिया आईडियल टीचर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी अनस नदीम ने कहा कि बुरी आदतों से दूर रहें और अपना कारोबार करने की सोच रखें। कहा कि नौकरी से बेहतर कारोबार होता है। कहा कि कारोबार करने के लिए अनुभव की जरूरत होती है उसे हासिल करने का प्रयास करें। अंत मदरसा फैज उल उलूम के उस्ताद मौलाना मोहसिन जावेद कासमी ने सभी का आभार जताया।

सिखों और गुरुओं का इतिहास अत्यंत महान

रजा लाइब्रेरी में गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर हुआ कार्यक्रम, वक्ताओं ने बलिदान याद दिलाया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रजा लाइब्रेरी एवं संग्रहालय के रंगमहल सभागार में गुरुवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर संगोष्ठी और शबद कीर्तन हुआ। राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण जोड़ा साहिब यात्रा भी निकाली गई, जो यहां से होकर नहीं गुजरी। सिखों और गुरुओं का इतिहास अत्यंत महान है।

इतिहास के पन्नों में ऐसा उदाहरण दुर्लभ है कि किसी ने अपने लिए नहीं, बल्कि देश, राष्ट्र, समाज और मानवता के लिए अपने आप को तथा अपने परिवार को बलिदान किया हो। रंग महल सभागार में विशेष संगोष्ठी एवं गुरुबाणी शबद-कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री ने श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के साहस, त्याग और सामाजिक न्याय के संदेश को आज के समाज के लिए प्रासंगिक बताया। आल इंडिया रेडियो की पूर्व निदेशक मंदीप कौर ने कहा कि भक्ति, शक्ति और ज्ञान तीनों का चरम स्वरूप जिनमें एक साथ दिखाई देता है। बल्कि परम पिता परमेश्वर के आदेश से किसी विशेष प्रयोजन और महान उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस धरती पर अवतरित होते हैं। रजा लाइब्रेरी एवं संग्रहालय के निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र ने कहा कि श्री गोबिंद सिंह का व्यक्तित्व भारतीय संस्कृति और राष्ट्र-चेतना का महान प्रेरणास्रोत है।

हमें अपने महापुरुषों के आदर्शों को याद करना चाहिए : गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष निर्मल सिंह कंग ने कहा कि केवल अत्याचारी शासकों के नाम स्मरण करने से कोई सार्थक उद्देश्य सिद्ध नहीं होता, बल्कि हमें अपने गुरुओं और महापुरुषों के आदर्शों को याद करना चाहिए। शिवांजलि के बरार ने कहा कि मानव जाति एक है और सच्चा धार्मिक वही है जो समस्त मानवता को समान दृष्टि से देखता है। गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा के अध्यक्ष दर्शन सिंह खुराना ने कहा कि साहिब-ए-कमाल, हेमकुंड वासी गुरु गोबिंद सिंह अपने पूर्व जन्म में हेमकुंड में तपस्वी जीवन व्यतीत करते थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व उस महान विरासत की स्मृति है। चरनजीत सिंह वंशज, भाई मतीदास जी बिलासपुर ने कहा कि इतिहास को स्मरण रखना अत्यंत आवश्यक है। संचालन डॉ. राहुल अवस्थी ने किया। कार्यक्रम में भारत भूषण गुप्ता, डॉ. मेहंदी हसन, अरुण सक्सेना, हिमांशु सिंह, अवतार सिंह, रवि प्रकाश, सैयद तारिक अजहर रहे।

कार्यक्रम में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

स्वार में निशान सिंह की सेवा करती सिख संगत। ● अमृत विचार

सिख संगत ने प्रभात फेरी निकाली

स्वार, अमृत विचार : दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह महाराज के प्रकाशोत्सव पर सिख समुदाय ने चौथे दिन प्रभात फेरी निकाली। गुरुवार प्रात: सिख संगत मुख्य बाजार स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में एकत्रित हुई। जहां से पांचवें दिन दिन दशमेश पिता गुरु गोबिंद के प्रकाशोत्सव पर हर्षोल्लास के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी पंजाबी कालोनी से होकर मुख्य बाजार एवं गंगा दास की पुलिया से होते हुए पुन: गुरुद्वारा साहिब पर समाप्त हुई। प्रभात फेरी का श्रद्धालुओं एवं सिख समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बाद में सिख संगत ने निशान साहिब की सेवा की। इस दौरान ग्रंथी ज्ञानी तारा सिंह, प्रधान कर्मजीत सिंह मिंटू, गुरदेव सिंह, गगन सचदेवा, जितेन्द्र सिंह, सरदार रघुवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, जगजीत सिंह, बिट्टू गोलू, चरनजीत सिंह, रमनदीप सिंह, गुरदेव सिंह आदि रहे।

भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं सुन भाव-विभोर हुए भक्त

उत्सव पैलेस में कथा सुनते भक्त। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● उत्सव पैलेस में हो रही श्रीमद्भागवत कथा

अमृत विचार : उत्सव पैलेस में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित हो रही श्रीमद्भागवत कथा में गुरुवार को साध्वी स्वाति भारती ने भागीरथ प्रसंग, श्री कृष्ण-जन्म आदि का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण किया। सुमधुर भक्ति रचनाओं से ओत-प्रोत इस कथा से श्रद्धालुओं के हृदय प्रभु प्रेम से सराबोर हो गए। कृष्ण की लीलाओं से भाव-विभोर कर आध्यात्मिक रहस्यों को उजागर किया।

साध्वी ने बताया कि अजामिल द्वारा देखे गए दृश्य ने उसके जीवन को कुमार्ग पर बढ़ा दिया। एक गलत दृश्य का अगर ऐसा परिणाम हो सकता है तो ऐसे समाज का क्या होगा जहां हर पल युवाओं व भावी पीढ़ी के आगे अनेक वासनात्मक दृश्य प्रस्तुत किये जा रहे हैं। भावी पीढ़ी के प्रति अपनी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को सिर्फ शिक्षा ही नहीं दीक्षा की भी जरूरत है, तभी युवा हमेशा विवेकशील कर्म करेंगे। भगवान शिव स्वयं स्कंद पुराण में समझाते हैं कि जब तक हम सद्गुरु की शरण में जाकर ईश्वर दर्शन करवाने वाला ज्ञान प्राप्त नहीं करते, तब तक हमें प्रभु की प्राप्ति नहीं होगी। गुरु ही मानव देह के भीतर ईश्वर को प्रकट कर भक्ति का वास्तविक मार्ग प्रदान करते हैं। फिर जीवन का हर दिन आनंद उत्सव बन जाता है। कार्यक्रम सुमित अग्रवाल, अल्का जैन, राकेश गुप्ता, विवेक गुप्ता, राजीव रस्तोगी, संजीव रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

भाजपा में प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता परिवार का हिस्सा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भाजपा के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार पार्टी के वरिष्ठ नेता और डॉ. तनवीर के आवास पर पहुंचे और उनके परिवार से मिलकर शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि भाजपा में प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता पार्टी के परिवार का हिस्सा है।

छह जनवरी को डॉ. तनवीर की माता का इंतकाल हो गया था और गुरुवार को उनके तीजे की रस्म थी। जिस पर जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार पार्टी पदाधिकारियों के साथ उनके आवास पर पहुंचे। वहीं चमरौआ विधानसभा के ग्राम हरदासपुर कोटरा पहुंचे। 6 जनवरी को भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रहे मलखान सिंह सैनी, जिनका हाल ही में स्वास्थ्य खराब होने के कारण आकस्मिक निधन हो गया। उनके आवास पर पहुंचकर उनके परिवार से भेंट कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हरीश गंगवार ने कहा, भाजपा का प्रत्येक पदाधिकारी और प्रत्येक कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी का परिवार है और भारतीय जनता पार्टी अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के साथ सदैव उसके सुख-दुख में खड़ी है। जिलाध्यक्ष के साथ जिला महामंत्री अशोक बिश्नोई, रविंद्र सिंह रवि, सतनाम सिंह, जिला उपाध्यक्ष जगपाल सिंह यादव, महेश मौर्य, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन रस्तोगी, विकास दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, आकाश सक्सेना, शिवम कुक्कू अरोरा, सरदार विक्रम सिंह, योगेंद्र गंगवार, सरदार सुकदेव चीमा, भव्य उप्पल, राजू सुमन, अन्नू सक्सेना, विवेक रुहेला आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लिफ्ट एंड शिफ्ट तकनीक को सशक्त बनाने पर जोर

रामपुर, अमृत विचार : कोयला हाईवे टोल प्लाजा पर गुरुवार को एचएलएल एवं एचएलएफपीपीटी के मास्टर ट्रेनरों ने कार्य क्षमता वर्धन में 'लिफ्ट एंड शिफ्ट' तकनीक को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

मास्टर ट्रेनर डॉ. कुलदीप सिंह चौहान ने कहा कि घायलों को सुरक्षित स्थानांतरण के दौरान घायलों को उठाते समय उनकी रीढ़ की हड्डी और गर्दन को स्थिर रखने के लिए 'लॉग रोल' और लिफ्ट एंड शिफ्ट विधियों में अभ्यस्त रहना जरूरी है। इसके लिए नियमित अंतराल पर अभ्यास करना जरूरी है। स्ट्रेचर, स्पाइन बोर्ड और तात्कालिक संसाधनों जैसे कंबल या लाठी का सही उपयोग करना इस प्रशिक्षण का हिस्सा है। गोल्डन ऑवर का महत्व तभी सार्थक है जबकि त्वरित और कुशल शिफ्टिंग से घायल को पहले घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचा दिया जाए।

धूप निकली, लेकिन गलन से ठिठुर रही जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सर्दी का सितम जारी है, हालांकि गुरुवार को दोपहर 12 बजे के बाद अच्छी धूप निकली, लेकिन गलन ने आम जनता की जिंदगी ठिठुर कर रह गई। 8 किमी. प्रति घंटा से चली शीतलहर ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। सुबह से घना कोहरा छाया रहा लेकिन, दोपहर को धूप निकल आई लेकिन, धूप में तेजी नहीं होने के कारण लोगों को धूप की गरमाहट नहीं मिल सकी।

गुरुवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा। दोपहर को सूरज निकला लेकिन, सूरज में तपिश नहीं थी। सर्दी से बचाव के लिए लोगों ने जगह-जगह अलाव जलाकर हाथ सेंके। सुबह सड़कों पर कोहरा होने के कारण वाहन चालक फॉग लाइटें जलाकर गुजरते रहे। सुबह से दोपहर तक कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने से लोग सर्दी से ठिठुर गए। सड़कों पर कोहरा होने के कारण सड़कों पर वाहन लाइटें जलाकर रेंगते रहे। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में गलन बढ़ा दी है। लोग सर्दी से कंपकंपाते रहे, लोगों ने सर्दी बढ़ने पर लकड़ी एकत्र कर अलाव जलाए और हाथ सेंके। कोहरे के बीच मजदूर फावड़े लेकर मजदूरी करने निकले। सर्दी के कारण शाम ढले लोगों की बाजारों में भी आवाजाही कम रही। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक सर्दी और बढ़ने की उम्मीद है। कोहरा होने के कारण हाईवे पर वाहन धीमी रफ्तार से चले।

बादलों की ओट से चमकता सूरज, लेकिन, तेजी नहीं रही। ● अमृत विचार

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	11 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	5 डिग्री से.
आद्रता	68 प्रतिशत
वायु वेग	8 किमी. प्रति घंटा

सुबह से छाया घना कोहरा, दोपहर को निकली धूप
न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने का अनुमान है। आने वाले दिनों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। आमतौर पर मौसम शुष्क रहेगा।
- डॉ. उदय प्रताप शाही, मौसम वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय मेरठ।

मायावती का जन्मदिन मनाने की तैयारियों पर की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● 2027 में मायावती बनेंगी मुख्यमंत्री : प्रमोद

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी की बैठक गुरुवार को बिलासपुर में मोहल्ला शनिवार बाजार में जुल्फिकार अली के आवास हुई। इसमें बसपा जिला अध्यक्ष प्रमोद सागर निरंकारी ने मुरादाबाद में बसपा अध्यक्ष मायावती के जन्मदिन की तैयारी पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को मुरादाबाद में आंबेडकर पार्क मैदान में 11 बजे बहन जी का जन्मदिन मंडल स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहन जी का जन्मदिन इस बार ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा। जनपद रामपुर से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से बसों के द्वारा कार्यकर्ता कार्यक्रम में पहुंचेंगे। इसी के साथ अन्य कार्यकर्ता अपने-अपने निजी वाहनों से जाएंगे। आगे कहा कि 2027 में बसपा की सरकार बनेगी और मायावती पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनेगी। आगे कहा कि अभी मतदाता सूची का गहन निरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। सभी लोग बीएलओ के संपर्क में रहे। प्रदेश में भीषण ठंड पड़ रही है, गरीबों के लिए कंबल वितरण एवं अलाव की कोई विशेष व्यवस्था नहीं है। सब कागजों में खाना पूरी हो रही है। बसपा सरकार में हर योजना का क्रियान्वयन ठीक प्रकार से किया जाता था। इस अवसर पर मौजूद रहे इसरार अली, रमेश श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह सागर, किशोरी लाल प्रजापति, महमूद ठेकेदार, सोनू सागर, भगवान दास गौतम, अंकित सागर, गौरव कुमार, राम किशोर, सर्वेश कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाकियू टिकैत से जुड़े किसानों ने एसडीएम से की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● किसानों का आरोप, धान खरीद के लिए नहीं हो रहा सत्यापन

अमृत विचार: बिलासपुर में किसानों ने धान खरीद की सत्यापन प्रक्रिया ठप होने का आरोप लगाया हैं। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिला संयोजक गुरचरण सिंह सिद्धू ने इस संबंध में एसडीएम से मुलाकात कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। सिद्धू ने गुरुवार दोपहर तहसील में एसडीएम से भेंट की। उन्होंने बताया कि सत्यापन संबंधी समस्या से एसडीएम को अवगत कराया है।

सिद्धू के अनुसार, क्षेत्र में धान खरीद प्रक्रिया सत्यापन की धीमी गति के कारण ठप पड़ गई है। 'किसान पंजीकरण पोर्टल' पर किसानों के विवरण और फसल के रकबे का भौतिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है। राजस्व विभाग द्वारा भूमि रिकॉर्ड और फसल के रकबे का समय पर मिलान न होने से डेटा अपडेट नहीं हो पा रहा है, जिससे सरकारी खरीद संभव नहीं हो पा रही है। सिद्धू ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं हुई, तो संगठन आंदोलन करेगा।

इस संबंध में एसडीएम अरुण कुमार ने बताया कि धान खरीद प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जा रही है। उन्होंने शिकायत पर जांच कर समस्या का शीघ्र निराकरण कराने का आश्वासन दिया है। इस दौरान नृपजीत सिंह, हरपाल सिंह, निशान सिंह, सुखविंदर सिंह, हरदेव सिंह, राजेश कुमार, रियासत अली, सुखदेव सिंह और जसपाल सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

46,766 अभ्यर्थी परीक्षा में होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : 18 फरवरी से यूपी बोर्ड की दो पालियों में परीक्षा शुरू होंगी। इसमें जिलेभर के 46,766 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठेंगे। हाईस्कूल में 25,518 परीक्षार्थी, इंटरमीडिएट में 21,248 परीक्षार्थी बैठेंगे। परीक्षा के लिए जिले में 74 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। 18 फरवरी को पहली पाली में प्रातः 8:30 से 11:45 बजे तक हाईस्कूल का प्रारंभिक हिंदी का प्रश्न पत्र होगा। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट का अपराह्न 2 बजे से 5:15 बजे तक सामान्य हिंदी का प्रश्नपत्र होगा।

परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की साफ-सफाई कराई जा रही है। ताकि, परीक्षा कक्ष की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए वायस रिकार्डर और सीसी कैमरों की साफ-सुथराई कराई जा रही है। जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए 74 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर साफ पानी, बिजली, शौचालय, जनरेटर की भी व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त कराई जा रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने बताया कि यूपी बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया है। कहा कि छात्र-छात्राएं अच्छे नंबर लाने के लिए तड़के में करीब 3 घंटे परीक्षा की तैयारी करें। परीक्षा की तैयार स्टेप वाइज करें, एक विषय की तैयारी पूरी होने पर दूसरे विषय की तैयारी में जुट जाएं। उत्तर याद करने के पश्चात उन्हें तय समय सीमा में लिखने का अभ्यास करें। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा में कुल 46,766 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

परीक्षा केंद्र राजकीय हामिद इंटर कॉलेज।

हाईस्कूल के परीक्षार्थियों की संख्या	25,518
इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों की संख्या	21248
कुल परीक्षार्थियों की संख्या	46,766

● 8:30 से 11:45 बजे तक होगा हाईस्कूल का हिंदी का प्रश्न पत्र
● परीक्षा के लिए जिले में बनाए गए हैं 74 केंद्र

यूपी बोर्ड परीक्षा में बड़ी संख्या में कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके लिए सभी राजकीय, सहायता प्राप्त व निजी कालेजों के प्रधानाचार्यों से शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। ताकि उनके समय से ड्यूटी कार्ड बनाए जा सके हैं। सीसी कैमरों का कंट्रोल रूम राजकीय रजा इंटर कालेज में बनवाया जाएगा।
- अंजलि अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक।

छात्राओं ने निकाली जागरुकता रैली

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं ने सड़क सुरक्षा जागरूक माह के तहत जागरूकता रैली निकाली।

किला स्थित राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय से छात्राओं ने जागरुकता रैली निकाली। लोगों का आह्वान किया कि कोहरे में वाहन को धीमी गति से चलाएं। इस मौके पर रोड सेफ्टी क्लब अधिकारी डॉ. मोहम्मद कासिम ने कहा कि राह वीर योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को 'गोल्डन आवर' यानि दुर्घटना के बाद पहले 60 मिनट के भीतर घायल को अस्पताल पहुंचने के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. वंदना राठौर ने कहा कि यह योजना आम नागरिकों के बीच मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देती है। डॉ. प्रतिभा यादव ने छात्राओं को बताया कि राह वीर को सरकार द्वारा पुरस्कार स्वरूप 25000 रुपये दिए जाते हैं।

EPCH Export Promotion Council for Handicrafts | expo bazaar India. Curated.
The Grand Opening of
CASH & CARRY CENTRE
an initiative by EPCH & ExpoBazaar
Handicrafts, Home & Lifestyle Products
and
DESIGN STUDIO along with 3D PRINTING SERVICES
Chief Guest
Shri Kapil Dev Aggarwal
Minister of State (Independent Charge) for Skill Development and Vocational Education, Government of Uttar Pradesh
Guest of Honour
Dr. Rakesh Kumar
Chairman, India Exposition Mart Limited
Director General in the role of Chief Mentor, EPCH
In the august presence of
Dr. Neeraj Khanna, Chairman and Committee of Administration of Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH)
Venue:
EPCH HOUSE, MORADABAD
(12A, C-86, New Moradabad Yojana, Delhi Road)
9TH JANUARY, 2026 | 11:00 AM
WE ARE OPEN FOR CORPORATE GIFTING
RSVP: Mr. Rahul Ranjan : 9891469898 | moradabad@epch.com

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

किशोरी को भगाने के मामले में 4 पर रिपोर्ट

सैदनगर, अमृत विचार : मामला अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव का है। गांव निवासी किशोरी छात्रा घर से लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गांव के चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया था। बुधवार को पुलिस में किशोरी को बरामद कर कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने सीगनखेड़ा गांव निवासी अमरदीप, सोनू, कुंवर पाल और बलवंत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जान शुरू कर दी है। पुलिस ने छात्र को मेडिकल चेकअप के लिए जिला अस्पताल भेजा है। थाना अध्यक्ष कर्म सिंह पाल बताया परिजनों की तहरीर पर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

भागवत कथा का 22 से

कांठ, अमृत विचार : ग्राम हकीमपुर के शिव मंदिर पर 22 जनवरी से भागवत कथा का आयोजन होगा। जिसमें हरिद्वार के गोवत्स आचार्य सत्यादेवानंद द्वारा कथा सुनाई जाएगी। जो सात दिवसीय 22 जनवरी 2026 से 28 जनवरी 2026 तक चलेगा। सभी ग्राम वासियों ने क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह किया है कि कथा में पहुंचकर धर्म लाभ उठाएं।

अनियंत्रित बाइक गड्ढे में गिरी, युवक की मौत

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बुधवार रात हुआ हादसा, साथी लापता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शहजादनगर थाना क्षेत्र में बुधवार रात सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। शंकरपुर गांव के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई थी। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक राजेश यादव।

मृतक की पहचान सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के बिजड़या गांव निवासी राजेश यादव (25) के रूप में हुई है। राजेश एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। वह बुधवार को शहजादनगर थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के घर गया था और रात करीब 8:30 बजे बाइक से अपने घर लौट रहा था। शंकरपुर गांव के पास पहुंचते ही राजेश की बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड्ड में जा गिरी। हादसे में राजेश को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। ईएमटी शिशुपाल और चालक प्रदीप कुमार ने घायल राजेश को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल पहुंचाया। लेकिन जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने राजेश यादव को मृत घोषित कर दिया। शहजादनगर थाना पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोर्चरी पर मौजूद मृतक के परिजन।

परिजन हत्या का जता रहे अंदेशा

चार भाइयों में राजेश यादव तीसरे नंबर पर आता था। राजेश के भाई नरेंद्र ने बताया कि एक युवक राजेश यादव के साथ था। वो घटना के बाद से लापता है। उससे संपर्क किया जा रहा है। उन्हें शक है दोनों ने कहीं बैठकर पार्टी की, उसके बाद इनमें कहासुनी हुई थी। उसने ही राजेश यादव को धक्का दिया है, जिससे उसकी मौत हुई है। उन्होंने शहजादनगर थाने में तहरीर भी दी है। जिसको लेकर पुलिस जांच कर रही है।

डॉ. तजीन फात्मा बोलीं, सर्दी-बुखार से पीड़ित हैं आजम

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर जेल में बंद सपा नेता मोहम्मद आजम खान से मिलने उनकी पत्नी डॉ तज़ीन फातिमा गुरुवार को रामपुर जिला कारागार पहुंचीं। आजम खान से मुलाकात करने के बाद डॉ. तज़ीन फातिमा ने मीडिया को बताया कि आजम खान ठंड से पीड़ित हैं, उनको बुखार और सर्दी लग गई है।

वह गुरुवार को बड़े बेटे अदीब के साथ जिला कारागार पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें ए क्लास की सुविधा दी जानी चाहिए थीं, लेकिन उनको बेड तक नहीं दिया गया है। जिसके चलते उन्हें जमीन पर सोना पड़ रहा है और ठंड में जमीन पर सोने से उनको बुखार और सर्दी हो रही है। डॉ. तंजीन फातिमा ने बताया कि आजम साहब से मुलाकात हुई है। उन्होंने बताया कि आजम साहब एडमिट तो नहीं है, लेकिन तबीयत खराब है। काफी बुखार भी है खांसी भी है। तबीयत ठीक तो नहीं है बुखार है। असल में जमीन पर लेट रहे हैं। आजकल कितनी ठंड है जमीन से ठंड जाती है। बोलीं कि उन्हें सुविधाएं तो सुविधाए लेटने के लिए कोई बिस्तर, पलंग, तख्त कुछ नहीं दिया गया है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव के दो दावेदारों ने नामांकन वापस लिए

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में गुरुवार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अहमद और संयुक्त सचिव प्रचार अता उल्लाह ने नाम वापस ले लिया है। चुनाव मैदान अध्यक्ष पद के लिए 6 जबकि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 3 और महासचिव पद के लिए 7 दावेदार ताल ठोक रहे हैं। 19 जनवरी को मतदान और मतगणना के बाद विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। कचहरी में चुनाव को लेकर गहमा-गहमी शुरू हो गई है।

बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए राजेंद्र प्रसाद, अमर सिंह यादव, श्याम लाल, राजीव कुमार गुप्ता, महेंद्र सिंह, सुखदयाल बाबा चुनावी मैदान में हैं। जबकि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मोहम्मद अहमद द्वारा नाम वापस लिए जाने के बाद अब सर्वजीत सिंह और त्रिलोकी सिंह के बीच मुकाबला है। महासचिव पद के लिए मुसहाफ अली, उस्मान खां, राहुल कुमार सिंह, देवेंद्र कुमार, शिव नरेश तोमर, अरुण प्रकाश सक्सेना और दौलत राम चुनाव में डटे हुए हैं। 10 वर्ष से अधिक के लिए अब्दुल खालिक और मोहम्मद अकरम के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है। 10 वर्ष से कम वालों में उपाध्यक्ष पद के लिए सौरभ गुप्ता, आसिफ खां, अब्दुल कय्यूम, जसविंदर सिंह, रामवीर शर्मा, मुरताज अली और जय सिंह के बीच में मुकाबला है। कोषाध्यक्ष पद के लिए अमर पाल पटेल, प्रकाश मसीह, मोहम्मद इस्लाम, संजीव यादव और मोहम्मद जावेद के बीच मुकाबला होगा। संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए सोहन लाल और सौरन सिंह सैनी ने, संयुक्त सचिव पुस्तकालय के लिए चेतराम सिंह सैनी मैदान में हैं। संयुक्त सचिव प्रचार के लिए अताउल्लाह द्वारा नाम वापस लेने के बाद विक्की निर्विरोध चुने जाएंगे। 15 वर्ष से अधिक के सदस्य कार्यकारिणी के लिए नूरुल सहर, शहाब शाकिर खां, मासूम अली, शकील खां, संजय कुमार श्रीवास्तव और राकेश कुमार और 15 वर्ष से कम के सदस्य कार्यकारिणी के लिए मोहम्मद फुरकान खां, रियाज अहमद, शादाब अली, शाने अली, आकाश रस्तोगी और विनोद कुमार श्रीवास्तव चुनाव मैदान में है।

संयुक्त सचिव पद के लिए निर्विरोध चुने गए विक्की राज। ● अमृत विचार

● अध्यक्ष पद के 6, महासचिव के लिए 7 दावेदार मैदान में

मारपीट के मामले में तीन युवकों पर रिपोर्ट दर्ज

मसवासी, अमृत विचार : नगर निवासी युवक ने मोहल्ले के ही तीन युवकों के खिलाफ उसके साथ मारपीट करने के आरोप में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नगर निवासी शोफयान ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह अपने घर के पास बच्चों के साथ जियारत पर बैठा था कि तभी इमरान वहां पर आया और गालियां देने लगा। गाली देने का विरोध किया तब मारपीट करने लगा। जियारत पर शोर गुल होता देखकर इसके भाई नाजिम व दिलशाद भी वहा पर आ गये। यह तीनों भाइयों मेरे साथ मारपीट करने लगे इन युवकों के हाथों में धारदार हथियार थे वहां पर खड़े मौजूद लोगों ने बीच बचाव कराया। तब यह युवक जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। सुफयान ने इमरान, दिलशाद, नाजिम पुत्र मुन्ना के खिलाफ उसके साथ मारपीट करने की कोतवाली स्वार में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज की गई है ।

पेड़ों के अवैध कटान को लेकर किसानों का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : बिलासपुर में भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) ने पेड़ों के अवैध कटान को लेकर बुधवार को तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। किसानों ने उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। इसमें अवैध कटान पर रोक लगाने और अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

जिलाध्यक्ष ज्ञानपाल यादव के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता बुधवार दोपहर तहसील परिसर में एकत्रित हुए। उन्होंने पार्क में लगभग दो घंटे तक पंचायत की, जिसके बाद मुख्य भवन के सामने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में ज्ञापन खंड विकास अधिकारी पीयूष वर्मा और नायब तहसीलदार अंकुर अंतल को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वन विभाग की मिलीभगत से क्षेत्र की हरियाली नष्ट किया जा रहा है। क्षेत्र में स्थित पुराने और फलदार आम के बाग, जो अब रिहायशी इलाकों के करीब आ गए हैं, उन पर भू-कारोबारियों की नजर है। अधिक मुनाफे के लालच में इन बागों को अवैध रूप से काटा जा रहा है। जिलाध्यक्ष ज्ञानपाल ने कहा कि कुछ प्रभावशाली लोग अपने राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर न केवल खुद पेड़ कटवा रहे हैं, बल्कि अन्य भू-माफियाओं को भी संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा खेल प्रशासनिक अधिकारियों की कथित मिलीभगत से चल रहा है।

ज्ञापन में अवैध कटान के अलावा राशन की घटतौली रोकने, आबादी के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइनों को हटाने, आवारा पशुओं के संरक्षण, और अवैध अस्पतालों पर रोक लगाने जैसी कुल नौ मांगें शामिल हैं। संगठन ने इन सभी मांगों का अति शीघ्र निस्तारण करने की अपील की है। भाकियू ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने अवैध कटान को तत्काल नहीं रोका, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की और ज्ञापन में शामिल अन्य मांगें पूरी नहीं की तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान जिला महासचिव हरिशंकर यादव, रफीक अहमद, हाजी पप्पू, श्याम सुंदर, शबाना खान, मंजू सैनी, सीमा देवी, वीणा देवी, मनसा देवी, हाजी नत्थू, बृजपाल यादव, सतपाल वर्मा, जाकिर हुसैन, नदीम अहमद, सन्नी खान, अनीस खान, धर्मवीर मौर्य सहित काफी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाकियू महात्मा टिकैत से जुड़े किसान ज्ञापन देते किसान। ● अमृत विचार

बस की आय में हिस्सा मांगने पर छह पर रिपोर्ट

शाहबाद, अमृत विचार : बस की आय में हिस्सेदारी मांगने के मामले पुलिस ने पांच नामजद व एक अज्ञात समेत छह लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने आगे के कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव मित्तरपुर निवासी निसार के मुताबिक उसने सिरौली-दिल्ली मार्ग पर एक बस चलाई थी। जिसके कुछ दिनों बाद सिरौली निवासी रहबर, गोहर, इमरान, कामरान, नन्हू व एक अज्ञात समेत छह लोग उसे परेशान करने लगे। आरोपी पीड़ित से बस के कारोबार की आय में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगने लगे। पीड़ित ने आठ माह पूर्व अपनी बस बिलारी निवासी कपिल चौधरी को बेच दी थी। लेकिन इसके बावजूद भी आरोपी उससे 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग करते रहते हैं। ऐसा न करने की स्थिति में आरोपी उसे व उसके बेटे को जान से मारने की धमकी देते रहते हैं। पीड़ित के मुताबिक उसके पास साक्ष्य के रूप में कॉल रिकार्डिंग है।

जनसुनवाई में बीमार बच्ची के उपचार को मिली धनराशि

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी द्वारा जनता दर्शन में जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनसुनवाई के दौरान मिलक के पटवाई रोड स्थित अस्दुलापुर गांव निवासी चांदनी गुप्ता पत्नी सौरभ गुप्ता पुत्री को साथ लेकर जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित हुईं।

उन्होंने पुत्री धुरवी गुप्ता (9 वर्ष) की स्वास्थ्य समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। चांदनी गुप्ता द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में बताया गया कि उनकी पुत्री बचपन से गंभीर बीमारी से ग्रसित है। पूर्व में बालिका का ऑपरेशन मुरादाबाद में कराया गया था, जो सफल नहीं हो सका। पुनः उपचार व ऑपरेशन के लिए अस्पताल द्वारा 1.25 लाख का अनुमानित व्यय बताया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने बालिका के शीघ्र एवं समुचित उपचार को दृष्टिगत रखते हुए चाइल्ड केयर एंड प्रोटेक्शन फंड से 1.25 लाख की धनराशि का चेक उनके परिजनों को सौंपा।

महिला को चेक देते जिलाधिकारी।

ट्राइसाइकिल दी

रामपुर, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र ने तहसील स्वार के ग्राम पंचायत मानुल्लापुर निवासी दिव्यांगजनों बुद्धसेन और ममता को ट्राई साइकिल दी।

दंगे की योजना लखनऊ में बनी सपा सांसद जिम्मेदार : जमाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सपा सांसद के गिरफ्तारी की मांग की

अमृत विचार : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा तुर्कमान गेट दिल्ली स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास जो दंगा हुआ, वह ठीक नहीं था। उन्होंने कहा इसके लिए रामपुर के सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी जिम्मेदार हैं। उन्होंने सपा सांसद के गिरफ्तारी की मांग की है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का अस्तित्व खत्म हो गया है। जिसे बचाने के लिए सपा दंगा करा कर यूपी में सत्ता हथियाने की योजना बना रही है। सपा सांसद ने लॉ एंड ऑर्डर को हाथ में लेने के लिए घटना स्थल मौजूद लोगों उकसाने का काम किया। जबकि मस्जिद कमेटी के जिम्मेदार और वरिष्ठ स्थानीय नागरिक लोगों को समझाने का काम रहे थे, जिसकी कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। ऐसे में सपा सांसद का वहां पहुंच कर पत्थरबाजों का समर्थन करना, मौजूद लोगों को भड़काना पूर्व नियोजित था, जिसकी योजना लखनऊ में बनाई गई। सपा के मुखिया के इशारे पर समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद एसटी हसन द्वारा पत्थरबाजों का समर्थन किया जा रहा है। जमाल सिद्दिकी ने अपील की और कहा कि संविधान से लड़ाई लड़ें मामला कोर्ट में है। रामपुर निवासी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस बयान की पुष्टि की है। वहीं मामले में रामपुर के सपा सांसद मोहिब्बल्लाह नदवी ने कहा है कि वो लोगों को समझाने गए थे, न कि जनता को भड़काने गए थे।

स्टार क्लब फुटबाल सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में कारी फैजान मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को तीन मैच खेले गए। पहला मैच रामपुर स्पोर्टिंग स्टार और रामपुर स्पोर्टिंग ब्लू की टीमों के बीच खेला गया। रामपुर स्पोर्टिंग स्टार की टीम मैच 6-2 गोल से जीत लिया। वहीं, स्टार क्लब की टीम ने 3-0 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में हो रहे टूर्नामेंट में पहला मुकाबला जूनियर वर्ग में रामपुर सपोर्टिंग स्टार बनाम रामपुर स्पोर्टिंग ब्लू के मध्य खेला गया। जिसमें रामपुर स्पोर्टिंग स्टार के कप्तान शबाब गोलू ने शानदार 4 गोल किए और अर्श ने 2 गोल करके अपनी टीम को 6-2 से मैच जिता दिया। टूर्नामेंट का दूसरा मैच स्टार क्लब और स्पोर्टिंग वॉइस क्लब की टीमों के बीच खेला गया। स्टार क्लब के खिलाड़ी शादान ने 11 वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 1 गोल से बढ़ दिला दी। दूसरे हाफ में भी स्टार क्लब के खिलाड़ी शादान ने 1 और गोल करके बढ़त को 2-0 कर दिया। 34वें मिनट में स्टार क्लब के खिलाड़ी अरीब ने गोल करके बढ़त 3-0 की। स्टार क्लब ने यह मैच 3-0 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

तीसरा मैच रामपुर स्पोर्टिंग क्लब और यूनाइटेड एफसी क्लब की टीमों के बीच खेला। मैच के पहले हाफ में कोई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में दोनों ही टीमों ने हमले किए लेकिन सफलता नहीं मिली। मैच बराबरी पर रहा और अंधेरा हो जाने के कारण कोई फैसला नहीं हो सका। मैच रेफरी शुएब, लाइनमैन सैय्यद माहिर और यक्ष अरोड़ा रहे। फुटबाल एसोसिएशन के सचिव अनीस अहमद ने बताया कि सेमी फाइनल मैच शनिवार को खेले जाएंगे। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष शकीर मोईन कुरैशी, उपाध्यक्ष नईम खान, आसिफ खान, मास्टर नाजिम, नमन मेहता, आकाश सिंह रहे।

महात्मा गांधी स्टेडियम पर भिड़ते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

न्यूज डायरी

ग्रीन बर्ड पर्यावरण फाउंडेशन ने बांटे सेनेटरी पैड

रामपुर, अमृत विचार : गुरुवार को काशीराम कॉलोनी में ग्रीन बर्ड पर्यावरण फाउंडेशन समिति द्वारा महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरण किए गए। वहीं परिवारों को मफलर और मौजे भी बांटे गए। शहर विधायक आकाश सक्सेना की पत्नी गुंजन सक्सेना ने महिलाओं को ये सामान वितरित किया। उन्होंने महिलाओं को सफाई की जानकारी दी। इस दौरान समिति की अध्यक्ष नीना साहनी सरिता सिंगल, सुनीता सिंह, मुन्नी मिथिलेश राजपूत, सरिता वैष्णवी, रमा अग्रवाल, श्वेता वर्मा, सीमा अग्रवाल, शोभा प्रतिमा, नीलम सक्सेना सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

नशे के प्रति लोगों को किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार : जिला अस्पताल और ब्लॉक स्वार के ग्राम दूंदावाला और छपरा में तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन खान द्वारा गुरुवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। नशे से होने वाले हानिकारक प्रभावों एवं उनसे होने वाली बीमारियों तथा इसके आर्थिक नुकसान एवं समाज के पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जागरूक किया। ऐसे समाज के व्यक्ति जो किसी भी प्रकार से नशे से पीड़ित हैं उनके समुचित इलाज एवं उनके साथ व्यवहार के बारे में बताया।

एसआईआर : बीएलओ व सुपरवाइजरों का हुआ प्रशिक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पक्षी विहार स्थित खुशबू गार्डन में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण- 2026 (एसआईआर) के तहत विधानसभा रामपुर के बीएलओ व सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण हुआ। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व उप जिलाधिकारी सदर ने गौरव कुमार ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए प्रभावी रणनीति बताई। प्रशिक्षण में ऐसे मतदाताओं के मामलों में, जिन्होंने अपने गणना प्रपत्र में स्वयं अथवा अपने संबंधी का वर्ष 2003 की मतदाता सूची का विवरण उपलब्ध नहीं कराया है, नोटिस निर्गत करने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फार्म-6, नाम विलोपन हेतु फार्म-7, विवरण संशोधन हेतु फार्म-8 तथा प्रवासी मतदाताओं द्वारा फार्म-6 भरने की प्रक्रिया के बारे में बताया। प्रशिक्षण वि रामपुर के तहसीलदार सदर, संबंधित एईआरओ, बीएलओ और सुपरवाइजर रहे। जिले में 3 लाख 21 वोट कटें है, जबकि 88 हजार को नोटिस जारी किए जाने की तैयारी है।

हत्या के दो मामलों में चार महिलाओं सहित छह पर रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : बिलासपुर कोतवाली पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर बुधवार रात दो अलग-अलग मामलों में चार महिलाओं सहित छह लोगों पर मुकदमे दर्ज किए हैं। ये दोनों मामले वृद्ध महिलाओं द्वारा दर्ज कराए गए हैं, जिनमें एक ने अपने पोते और दूसरी ने अपने बेटे की हत्या का आरोप है। पहले मामले में हामिदनगर गांव निवासी विधवा मंजीत कौर ने अपनी पुत्रवधू मंजीत कौर और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वृद्धा का आरोप है कि उनकी पुत्रवधू उनके बेटे हरविंदर सिंह को प्रताड़ित करती थी। वह हरविंदर को जबरदस्ती उत्तराखंड के बाजपुर थाने के महेशपुरा गांव स्थित अपने मायके ले गई थी। मंजीत कौर ने बताया कि 7 जुलाई 2025 की दोपहर उनका बेटा हरविंदर अचानक लापता हो गया, जिसका आज तक कोई पता नहीं चला है। वृद्धा ने आरोप लगाया है कि उनकी बहू ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उनके बेटे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी है। वहीं, दूसरे मामले में मानपुर ओझा गांव निवासी रामा मंडल ने गांव के ही तापसी मंडल, छोटू विश्वास, गौतम मंडल, अनीता मंडल और पार्वती मंडल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामा मंडल का आरोप है कि 10 अक्टूबर 2025 की रात आरोपी उनके पोते रोहित को पार्टी के बहाने घर से बुलाकर ले गए थे और उसे खाने में जहर दे दिया। रोहित की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। दोनों ही मामलों में शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस ने उनकी सुनवाई नहीं की और उच्चाधिकारियों ने भी संज्ञान नहीं लिया। इसके बाद उन्हें न्याय के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

1183 वाहनों की जांच, 27 का चालान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिले में अवैध उप-खनिज खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति के तहत निरंतर एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। जिले की सभी तहसीलों में प्रमुख मार्गों, मुख्य चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर कुल 10 चेक-प्वाइंट स्थापित कर रात्रि 8 बजे से प्रातः 7 बजे तक विशेष रात्रिकालीन जांच अभियान संचालित किया गया।

प्रशासन, पुलिस, परिवहन विभाग एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा समन्वित रूप से कार्रवाई की गई। जांच अभियान के दौरान कुल 1183 वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के उपरांत नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर खनिज विभाग एवं एआरटीओ द्वारा 27 वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनपद में अवैध खनन, ओवरलोडिंग अथवा बिना अनुमति उप-खनिज परिवहन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों एवं वाहन स्वामियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आमजन की सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के रात्रिकालीन एवं दिवसीय जांच अभियान आगे भी और अधिक सघनता के साथ निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग पर पूर्णतः अंकुश लग सके।

खनन वाहन की चेकिंग करती टीम। ● अमृत विचार

बच्चों के विवाद में दो पूर्व प्रधान पक्षों में पथराव, महिला घायल

संवाददाता, मसवासी

अमृत विचार : बुधवार देर शाम खानपुर उत्तरी में उर्स में बच्चों के विवाद के बाद दो पक्षों में जमकर बवाल हो गया। दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर चले, इसमें एक महिला घायल हो गई। गुरुवार को गांव में पुलिस बल तैनात रहा।

स्वार थाना क्षेत्र के गांव खानपुर उत्तरी में बच्चों के विवाद को लेकर दो पूर्व प्रधान पक्ष के बीच पथराव हो गया था। जिसमें महिला पत्थर लगने से चोटिल हो गई। घायल महिला को स्वार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। दूसरे दिन भी गांव में पुलिस बल तैनात रहा। बुधवार को कब्रिस्तान स्थित दादा मियां का सालाना उर्स था। उर्स में लंगर वितरण के बाद बच्चों में विवाद हो गया। बाद में दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ। ईंट पत्थर बिजारखाता में हेयर सैलून चलाने वाले सरफराज पुत्र शमशाद अहमद के घर में बौछार हो गई, जिससे उसका परिवार दहशत में आ गया। उसकी पत्नी के भी हाथ में पत्थर लग जाने से वह चोटिल हो गई, इसके अलावा दो अन्य लोग भी लाठी-ठंडा लगने से चोटिल हुए हैं।

ग्रामीण सरफराज ने तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। दूसरे दिन भी गांव में पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यहां दो पक्षों में आए दिन चुनावी रंजिश को लेकर विवाद होता रहता है, जिससे उनके बच्चे खौफजदा रहते हैं। स्वार कोतवाल प्रदीप मलिक ने बताया दोनों पक्षों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

भाकियू संयुक्त मोर्चा का धरना जारी

गजरौला, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों का गुरुवार को भी क्षेत्र के गांव शहबाजपुर डोर में कड़ाके की ठंड में प्रदूषण के खिलाफ धरना प्रदर्शन जारी रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि पानी और मिट्टी की जांच आ चुकी है लेकिन सार्वजनिक नहीं की जा रही। जांच पर पर्दा डालने के लिए एक और कमेटी गठित की गई है। कमेटी में किसी मान्यता प्राप्त पत्रकार और एक सदस्य किसान यूनियन संयुक्त मोर्चे का हो तब जांच कराई जाए। मुख्य सचिव अरुण सिद्धू, गिरेंद्र सिंह, रामकृष्ण चौहान, चौधरी चरण सिंह, नूर अहमद, मुमताज अहमद, विकास सिंह कौशल शर्मा, एहसान अली, दानिश,तालिब चौधरी, आसिफ चौधरी, साइना आलम, रघुवीर सिंह, होमपाल सिंह, मलखान सिंह,गीता,सोनी,बबीता सैनी,उर्मिला,रानी, सरिता कुमार,आदि किसान मौजूद रहे।

युवकों ने किसान को किया घायल

गजरौला, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव लठीरा निवासी लच्छी पुत्र रामकुमार के खेत पर 8 जनवरी को उसके गांव निवासी अशोक व दिनेश कब्जा करने के लिए जा रहे थे। विरोध करने पर लच्छी के घर पर आकर अशोक व दिनेश ने गाली-गलौज ,मारपीट करनी शुरू कर दी। बचाने के लिए आई लच्छी की बेटी को भी मारपीट कर घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि इस मामले में अशोक व दिनेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रक से टकराई पिकअप, दो की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : नूरपुर रोड पर गांव सराय के निकट बुधवार देर रात दूध की सप्लाई लेकर जा रही पिकअप और ट्रक की घने कोहरे में टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप चालक कोतवाली देहात थाने के ग्राम इलाइचीपुर खड़गू उर्फ सिकैड़ा निवासी नितिन कुमार (32) पुत्र अशोक और ऋतिक उर्फ गोलू (22) पुत्र धर्मपाल सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों की मौत से गांव में माहौल गमगीन है। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से सन प्लाजा मार्केट में लगी आग, 10 दुकानों में माल राख

मार्केट में मची अफरा तफरी , दमकल ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

सन प्लाजा मार्केट में लगी आग। ● अमृत विचार

आग बुझाने पहुंची दमकल टीम।

अमृत विचार : शहर के सन प्लाजा मार्केट में तड़के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि मार्केट की 10 दुकानों को चपेट में ले लिया। मोबाइल, आरओ सहित अन्य दुकानों में आग लग गई। आग की लपटें आसमान छू रहीं थी। मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंची और 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से कई लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

नगर कोतवाली क्षेत्र में बटवाल तिराहे पर सन प्लाजा मार्केट में बेसमेंट के अलावा एक मंजिल पर दुकानें बनी हुई हैं। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव तोहफापुर निवासी राजकुमार की आरओ की दुकान है जबकि शशिकांत गोयल मोबाइल की दुकान चलाते हैं। इनके अलावा इस मार्केट में कंप्यूटर व अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की एक दर्जन से अधिक दुकानें हैं। बुधवार रात सभी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें बंद कर घर चले गए थे। मार्केट के सामने एक ट्रांसफार्मर भी रखा हुआ है। घटना गुरुवार तड़के लगभग चार बजे की है। अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से पूरी मार्केट में आग लग गई। थोड़ी देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

दुकानों से निकली लपटें आसमान छूने लगी, आसमान में धुएं का गुबार छा गया। लपटें उठती देख आस-पास घरों में रहने वाले लोग घबराकर बाहर निकल आए। आग लगने के बाद मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, हालत देख होश उड़ गए। तुरंत दमकल टीम को बुला लिया। थोड़ी देर में मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दमकल कर्मियों ने पुलिसकर्मियों व स्थानीय लोगों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक आग 10 दुकानों में तबाही मचा चुकी थी। सीओ सिटी अभिषेक यादव भी मौके पर पहुंचे तथा अग्निकांड की जानकारी ली। सीओ ने बताया कि आग में मोबाइल और आरओ समेत तीन दुकानों में ज्यादा नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि अग्निकांड तड़के में हुआ, उस वक्त मार्केट बंद थी, अन्यथा बड़ा हादसा भी हो सकता था। आग लगने से दुकानदारों को लोगों को कई लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

श्री राम नर्सिंग होम सील, संचालक पर मुकदमा दर्ज

हसनपुर, अमृत विचार : नगर में स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित श्रीराम नर्सिंग होम को सील कर दिया। संचालक के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. धुर्वेंद्र सिंह के नेतृत्व में की गई छापेमारी में अस्पताल में कई अनियमितताएं पाई गईं। अस्पताल में कोई भी योग्य चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद नहीं था। संचालक से चिकित्सा संस्थान का पंजीकरण प्रमाण पत्र और शैक्षिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में यह भी सामने आया कि अस्पताल के अन्दर एक अवैध ऑपरेशन थिएटर संचालित हो रहा था। मौके से मरीजों के लिए बेड और दवाइयां भी बरामद की गईं। अस्पताल बिना किसी वैध डिग्री या मानक के बोर्ड लगाकर आम जनता से धोखाधड़ी कर रहा था। डॉ. धुर्वेंद्र सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी संचालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध चिकित्सा संस्थानों में हड़कंप मचा है।

राजेश कलेक्ट्रेट बार के अध्यक्ष, सुरेंद्र बने सचिव

चुनाव के बाद मौजूद अधिवक्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : अधिवक्ता कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के चुनाव में राजेश कुमार राणा अध्यक्ष और सुरेंद्र गोले सचिव चुने गए। चुनाव का परिणाम आने पर अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष, सचिव व अन्य कार्यकारिणी का फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

गुरुवार को वार्षिक चुनाव में 32 अधिवक्ताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर राजेश कुमार राणा को 18 एवं सतीश कुमार को 12 मत मिले। सचिव पद पर सुरेंद्र कुमार गोले को 18 एवं मुकेश कुमार यादव को 14 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर आदिल हुसैन को 19 मत तथा सुभाष चौहान को 12 मत मिले। अध्यक्ष पद पर दो तथा एक मत कोषाध्यक्ष मत निरस्त हुए। शमीम अहमद, सतवीर सिंह चौहान, अनूप अग्रवाल, राजेश कुमार डीजीसी, अनोज कुमार, मधुर अग्रवाल, अनिल शर्मा, पुष्पेंद्र कुमार, नेत्रपाल सिंह, धनीराम, विपिन गोयल, उस्मान, अशोक कुमार, सतीश कुमार, हिमांशु त्यागी, सुभाष चौहान आदि मौजूद रहे।

वाहन चालकों को बताए यातायात नियम

संवाददाता, रहरा

वाहनों के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाते अधिकारी। ● अमृत विचार

● **परिवहन व यातायात विभाग के अधिकारियों ने दिया सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण**

अमृत विचार : एक जनवरी से शुरू हुए सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर खादर में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। गन्ना ढोने वाले वाहन चालकों को यातायात संबंधी नियमों के बारे में विस्तार से बताया।

सहायक संभागीय अधिकारी महेश कुमार शर्मा ने बताया कि शराब का सेवन कर ड्राइविंग न करें। यातायात नियमों को पहचानें तथा आगे चल रहे वाहनों से उचित दूरी बनाकर चलें। कोहरे के दौरान वाहनों की स्पीड कम रखें तथा लाइटों के साथ डीपर का प्रयोग करें। यातायात प्रभारी अनुज मलिक ने कहा कि दो पहिया वाहन वाले हेलमेट एवं चार पहिया वाहन वाले चालक बेल्ट अवश्य लगायें और अपने वाहनों के समस्त कागजात हमेशा पूर्ण रखें। यदि रास्ते में सड़क दुर्घटना में कोई घायल व्यक्ति मिलता है तो उसकी सहायता करें तथा उसे तत्काल निकटवर्ती अस्पताल में पहुंचाएं। दुर्घटना ग्रस्त स्थिति में 108 या 112 पर तत्काल सूचना दें। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज कृष्ण चंद्र गौड़ ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। इसीलिए हमें वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी चाहिए। सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा ने भी सुरक्षित सफर की अपील की।

अधिकारियों ने मिल यार्ड में जाकर वाहनों के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए। संचालन विपिन मिश्रा ने किया। चीनी मिल के उपाध्यक्ष शुगर आमोद कुमार शर्मा, महाप्रबंधक गन्ना आर.एस. सहरावत,महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं प्रशासन अमेज कुमार सिंह, टी सी रजौरिया, रवि गुप्ता,वाहन चालक तथा किसान उपस्थित रहे।

एग्जामिनेशन में सफल वकीलों का स्वागत

हसनपुर,अमृत विचार: तहसील बार एसोसिएशन द्वारा ऑल इंडिया बार एग्ज़ामिनेशन में सफल होने वाले नसीम सुल्तान, देशराज सिंह चौहान, सोनू कुमार मावी, मुकेश कुमार , मोहम्मद आदिल हैदर, ओम कुमार प्रजापति, धनपत राय चौहान, इफ्तेखार वकार,सचिन कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, गौरव सिंह , ज़ावेद अली, पूरन सिंह, दानिश आलम, सुनील कुमार, रोहित गौड़, किशन कुमार,पवन चौहान, कुलदीप सैनी, निमिष उमरीवाल, शाहनवाज आलम ,चतुरसेन गौतम उर्फ युवराज, सेवाराम सिंह, भोजराम, लवजीत, गुलाब सिंह, शबाब अली, विनय त्यागी, मनोज कुमार राणा, देवेन्द्र सिंह का स्वागत किया गया। बार अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह, संयोजक सुरमित कुमार गुप्ता, एल्डर कमेटी के अध्यक्ष शिवचरन सिंह,पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह व अन्य मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं पर की चर्चा

संवाददाता, मंडी धनौरा

ब्लॉक स्तरीय बैठक में मौजूद किसान। ● अमृत विचार

● **भाकियू टिकैत की ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित**

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ब्लॉक स्तरीय बैठक गुरुवार को ब्लॉक परिसर धनौरा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हाजी यूसुफ ने की, जबकि संचालन गुरबचन सिंह ने किया। बैठक में किसानों से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा कर प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की गई।

बैठक में सबसे पहले सभी विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली बिल में छूट का लाभ दिए जाने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही चान्द्रा फार्म सहित जिन क्षेत्रों में तेंदुए की आवाजाही देखी जा रही है, वहां तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए जाने की मांग की गई। किसानों ने प्रथमा बैंक में केसीसी के नाम पर हो रही कथित धांधली को बंद कराने और गत वर्ष की केसीसी पर मिलने वाली छूट की राशि किसानों के खातों में शीघ्र भेजे जाने की मांग की। इसके अलावा नीलगाय, छुट्टा पशु और बंदरों जैसे जंगली जानवरों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर भेजने की बात कही गई। बैठक में सड़कों के किनारे झुके हुए पेड़ों को कटवाने, शेरपुर चुंगी पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने तथा चकबंदी क्षेत्र में फौती और विरासत दर्ज कराने में आ रही परेशानियों को लेकर चकबंदी विभाग से जल्द समाधान कराने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। जिला अध्यक्ष डॉ. चंद्रपाल सिंह,राष्ट्रीय प्रचार मंत्री चौधरी करवा सिंह, तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह, जिला महासचिव मुन्नू गुर्जर, जिला मीडिया प्रभारी फुलवास सिंह, राजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व किसान नेता मौजूद रहे।

मुशायरे में शेरो-शायरी पर गूंजी वाह-वाह

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

मुशायरे में कलाम पेश करते शायर। ● अमृत विचार

● **कुल हिन्द जश्ने मौलूद-ए-काबा मुशायरे में नामचीन शायरों ने कलाम पेश किए**

अमृत विचार : अंजुमने जश्ने मौलूद-ए-काबा की तरफ से आयोजित होने वाला सालाना कुल हिंद मनकबती महफ़िल ए मुशायरा इमाम बारगाह हुसैनिया मौहल्ला हक्कानी में आयोजित हुआ। मशहूर शायरों ने हजरत अली की शान में कलाम पेश किया।

बुधवार की रात आयोजित मुशायरा में मौलाना डॉ शाहवर हुसैन नक़वी की सदारत में हुई। इस महफ़िल में मौलाना सफदर रजा इमामी ने कहा कि हजरत अली की ज़िंदगी हमें सच्चाई का साथ देने और शिक्षा हासिल करने का पैग़ाम देती है। महफ़िल का आग़ाज़ मौहम्मद अब्बास ने तिलावत कलाम पाक से किया। बस्ती से आए शायर सुहैल बस्तवी ने नात पाक की। मारूफ सिरसवी, शबरोज़ कानपुरी, नौशा अमरोहवी, आज़म सुल्तानपुरी, मौलाना फ़ाज़िल जरेलवी, कुमैल मेहदी, इरम बनारसी, क़ाज़िम जर्चवी, शबीह गोपालपुरी, नग़्मी कीरतपुर, सज्जाद बिजनौरी, जौहर शिकारपुर, फ़रोग एहसन खा, फ़राज़ अर्शी, फुरकान अमरोहवी, डॉ असीम, डॉ लाडले रहबर, नाजिम हुसैन आरिफ, अरमान हैदर, प्रोफ़ेसर नाशिर नकवी, अशरफ फ़राज़, रिज़वान अब्बास ने कलाम पेश कियाए। संचालन वसीम अमरोहवी ने किया। मौलाना डॉ अहसन अख्तर सरोश, मौलाना शहवार, मौलाना इमामी, मौलाना मजहर अब्बास आसीन थे। मौहम्मद ज़फ़र, ताजदार हुसैन नक़वी, गुफरान मेहदी नकवी, अफ़सर अमरोहवी, कैप्टन अशर रज़ा तकवी, ज़िया काजमी, लियाकत अमरोहवी, ताजदार अमरोहवी व अन्य लोग शरीक थे।

नगर पालिका ने अवैध निर्माण कराया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अवैध निर्माण ध्वस्त कराती जेसीबी।

● **निजामपुर गर्बी में शासकीय भूमि पर कराया था अवैध निर्माण**

अमृत विचार : नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया है।

नगर पालिका में ईओ डॉ बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि नगर के धनोरा रोड पर निजामपुर गर्बी में शासकीय भूमि पर श्मशान है। सीमा विस्तार के बाद इस भूमि का स्वामित्व नगर पालिका के पास आ गया। इस जमीन पर शासन द्वारा कल्याण मंडप का निर्माण कराया गया है। नगर पालिका इसी भूमि पर जीर्णोद्धार कार्य भी करा रही है। सूचना मिली कि जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से निर्माण कराया जा रहा है। गुरुवार को नगर पालिका की टीम ने जेसीबी से इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। साथ ही अवैध कब्ज़ा करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। ईओ ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि भूमि पर यदि किसी के द्वारा कब्जे, अतिक्रमण, अवैध निर्माण का मामला संज्ञान में आता है तो विधिक कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही में पालिका के कर अधीक्षक, अवर अभियंता, राजस्व निरीक्षक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सहित बड़ी संख्या में पालिका स्टॉफ उपस्थित रहा।

न्यूज डायरी

एचटी लाइन का तार गिरने से भैंस मरी, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सैदनगली, अमृत विचार : घर के आगे बंधी भैंस के ऊपर गुजर रहा एचटी लाइन का तार टूटकर गिरने से भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव छोटी दमगढ़ी निवासी अखिलेश पुत्र धर्मपाल सिंह का घर गांव के बाहरी छोर पर है। गुरुवार को शाम चार बजे अखिलेश के घर के आगे उसकी भैंस बंधी थी, तभी अचानक ऊपर गुजर रही एचटी लाइन का विद्युत प्रभावित तार टूटकर भैंस के ऊपर गिर गया जिससे करंट लगने से भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने भैंस की मौत का कारण विद्युत विभाग की लापरवाही बताया ।ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर तारों को बदलने की मांग की है।

ट्रैक्टरों से किया खतरनाक स्टंट पुलिस कर रही जांच

हसनपुर, अमृत विचार : हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव में कुछ युवकों ने ट्रैक्टर से खतरनाक स्टंट किए। वायरल वीडियो में युवक लाइक और कमेंट की होड़ में ट्रैक्टरों की ताकत आजमाते नजर आ रहे हैं। स्टंट के दौरान कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं दिखा, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना रहा। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए हसनपुर कोतवाली पुलिस जांच में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि वीडियो की जांच कर स्टंट करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में अपनी जान से खिलवाड़ न करें।

नवनिर्वाचित बार पदाधिकारियों का किया स्वागत

हसनपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ शाखा हसनपुर के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को नवनिर्वाचित तहसील बार हसनपुर अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह एवं महासचिव ब्रजकिशोर सिंह एडवोकेट का फूल मालाएं पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि दोनों एडवोकेट साथी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हैं। कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह ने कहा कि बार के समस्त निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए संगठन को गर्व की अनुभूति हो रही है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में एकरूपता आती है। डॉ महेश चंद्र, मलखान सिंह,दिनेश कुमार, कपिल कुमार, सुरभित गुप्ता एडवोकेट, मेघराज सिंह एडवोकेट, शिवचरण सिंह एडवोकेट,सुरेश सिंह, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

इस्तमा के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग

हसनपुर, अमृत विचार : नगर के कनैटा रोड पर 10 और 11 जनवरी को होने वाले इस्तमा की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद के सभासदों ने कमर कस ली है। सभासदों ने नगर पालिका के ईओ विजयपाल सिंह को ज्ञापन सौंपकर कर व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने की मांग की है। सभासदों ने अवगत कराया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी भारी संख्या में जायरीन इस्तमा में शिरकत करेंगे।उन्होंने पालिका प्रशासन से 9 जनवरी तक कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, चूने का छिड़काव, पेयजल हेतु पानी के टैंकर, मोबाइल टॉयलेट और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। ज्ञापन देने वालों में सभासद यशपाल चौहान उर्फ मुन्ना ,हम्ज़ा अली, इरम खान, साजिदा खान म, शराफत मलिक, शाहनवाज अंसारी, अलीमुद्दीन, साइन कुरेशी बदर, जावेद जर्ताव, गुलफ्सा आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची में सुधार के लिए बीएलओ का प्रशिक्षण

संवाददाता, मंडी धनौरा

● **एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने दिए जरूरी निर्देश**

अमृत विचार: मतदाता सूची को सही और त्रुटिरहित बनाने के लिए गुरुवार को बीएलओ सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण उपजिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विभा श्रीवास्तव ने दिया।

एसडीएम ने बताया कि 6 जनवरी को प्रकाशित मतदाता सूची की गहराई से जांच की जानी है। प्रत्येक मतदाता का नाम, जन्मतिथि, लिंग, पिता या पति का नाम और फोटो सही है या नहीं, यह देखा जाएगा। अगर किसी मतदाता का नाम सूची में दो बार है, फोटो साफ नहीं है या घर का नंबर गलत दर्ज है, तो उसे चिन्हित कर फार्म-8 के माध्यम से सुधार कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन मतदाताओं को पहले अनकलेक्टेबल चिह्नित किया गया है, उनका नाम सूची में है या नहीं, इसकी भी जांच जरूरी है। सभी बीएलओ अपने-अपने बूथ की जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने कहा कि चुनाव आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और सूची में कोई गलती न रहे। इस काम में लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशिक्षण में बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद रहे।

चीनी मिल के धुएं से परेशान हैं ग्रामीण

संवाददाता हसनपुर

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते एआईएमआईएम कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● **एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने दिया ज्ञापन**

अमृत विचार : चीनी मिल काला खेड़ा की चिमनियों से पेराई के दौरान निकलने वाले धुएं एवं छाई से ग्रामीणों को हो रही परेशानियों से निजात दिलाने की मांग करते हुए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो 17 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

गुरुवार को एआईएमआईएम एससी-एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर टीपी सिंह के नेतृत्व में कई गांव के ग्रामीण एकत्र हुए और उप जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में तहसीलदार परमानंद श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि किसान सहकारी चीनी मिल की चिमनियों से धुआं एवं छाई निकलती है जो करीब के गांवों में गिरती है जिससे ग्रामीणों को आंखों की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसका फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। 29 नवंबर को इसी संबंध में एक मांग पत्र उप जिला अधिकारी को सौंपा गया था।चीनी मिल प्रशासन द्वारा कोई समाधान न करने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। चेतावनी देते हुए कहा गया कि 16 जनवरी तक चीनी मिल प्रशासन द्वारा फ्लाई एस अरेस्ट सयंत्र चालू नहीं किया तो 17 जनवरी से चीनी मिल प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में कासिम,अकरम अली,परविंदर कुमार, इमरान, मोहम्मद अकरम, छुन्नन शाह, सब्बू चौधरी आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

इज्जतनगर मंडल की चार ट्रेनें रहेंगी निरस्त

बरेली, अमृत विचार : जम्मूतवी मंडल पर पर ब्लॉक के चलते इज्जतनगर मंडल की चार ट्रेनें निरस्त रहेंगी। ट्रेनों के निरस्त रहने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पडेग़ा। इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा के अनुसार उत्तर रेलवे के जम्मूतवी मंडल पर कुछ पुलों पर इंजीनियरिंग कार्य के चलते काठगोदाम से 31 मार्च तक चलने वाली 12207 काठगोदाम-जम्मूतवी एक्सप्रेस, जम्मूतवी से 29 मार्च तक चलने वाली 12208 जम्मूतवी-काठगोदाम एक्सप्रेस, कानपुर सेंट्रल से 31 मार्च तक चलने वाली 12209 कानपुर सेंट्रल-काठगोदाम एक्सप्रेस और काठगोदाम से 30 मार्च तक चलने वाली 12210 काठगोदाम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

थाने-चौकी के सामने से दौड़ रहे पशु लदे वाहन

मंडी धनौरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में पशुओं की ढुलाई के दौरान नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। पिकअप, डीसीएम और ट्रकों में मवेशियों को तय मानकों के विपरीत ठूंसकर भरा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि ऐसे वाहन थाने और पुलिस चौकी के सामने से होकर गुजर रहे हैं। नियमों के अनुसार पशुओं की ढुलाई के लिए वाहनों में पर्याप्त जगह, पुआल या बोरी की व्यवस्था, चारा-पानी और पशु चिकित्सक की रिपोर्ट अनिवार्य है। लेकिन क्षेत्र में इन नियमों का पालन नहीं हो रहा है। एक पिकअप पर जरूरत से ज्यादा मवेशी लादे जा रहे हैं, जबकि डीसीएम में बड़ी संख्या में पशुओं को बांधकर ले जाया जाता है। ढुलाई के दौरान कई पशु घायल हो जाते हैं और उनके बच्चे पैरों तले दबकर चोटिल हो जाते हैं।

ननिहाल आई किशोरी से दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा निवासी महिला ने मायके में हुई मौत पर 16 वर्षीय बेटी के साथ 4 जनवरी को आंवला के एक गांव में आई थी। बुधवार की शाम करीब 7 बजे उसकी बेटी गांव के ईंट भट्टे की ओर शौच करने जा रही थी। इसी बीच अरमान उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भट्टे के पास कोठरी के बरामदे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वहां उसके साथी नाजिम और कामिल भी मौजूद थे। शोर मचाने पर वह तीनों फरार हो गये। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने पीएम श्री विद्यालय भुलावई में ग्राम चौपाल में ग्रामीणों से किया संवाद, सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बहन-बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता,संभल/चंदौसी

अमृत विचार: बनियाखेड़ा के पीएम श्री विद्यालय भुलावई में ग्राम चौपाल में गुरुवार को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बहन-बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य है। ग्राम चौपाल के माध्यम से प्रशासन गांव-गांव जाकर समस्याओं का समाधान कर रहा है।

जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया कि वीबी-जी रामजी (मनरेगा) के तहत अब 100 के स्थान पर 125 दिन का रोजगार मिलेगा। समय पर कार्य न मिलने या मजदूरी में देरी होने पर बेरोजगारी भत्ता व अतिरिक्त भुगतान का प्रावधान भी किया गया है। डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल के दौरान आईसीडीएस विभाग द्वारा गोद भराई और अन्नप्राशन कराया गया। इसके बाद मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने अस्थायी गौशाला का निरीक्षण किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, पूर्व एमएलसी व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य परमेश्वर लाल सैनी तथा माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी के प्रतिनिधि चन्द्रसेन दिवाकर ने सहभागिता की।

ग्राम चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, बेसिक शिक्षा समेत विभिन्न विभागों द्वारा कैंप व स्टॉल लगाए गए। समाज कल्याण विभाग ने पेंशन योजनाओं और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की जानकारी देते हुए बताया कि अब इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को एक लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी का निरीक्षण किया। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र, लेबर रूम, डायलिसिस सेंटर, एमएनसीयू वार्ड का अवलोकन किया।

चंदौसी के भुलावई में बच्चों का अन्नप्राशन कराते प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति।

प्रभारी मंत्री ने की विकासकार्यों व योजनाओं की समीक्षा

संभल/बहजोई, अमृत विचार : प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास योजनाओं, लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों और कानून व्यवस्था को लेकर जनपदीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने एजेंडे के प्रमुख बिंदुओं पर प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। अधीक्षण अभियंता विद्युत हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया कि संभल सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया गया है। नए बिजलीघरों से संबंधित प्रगति की जानकारी दी गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं के अधिक बिल या बिल में अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी सहित कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए जनपद स्तर पर एक केंद्रीकृत केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को भटकना न पड़े। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रहे हैं, उसी सोच के साथ जनपद स्तरीय अधिकारी अपने-अपने विभागों में सक्रियता दिखाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी किसान, श्रमिक या आमजन को विभागीय कारणों से परेशानी न हो।

कोहरे का कहर: बाइकों की भिड़ंत में सिपाही की मौत, हेड कांस्टेबल गंभीर

गश्त पर जा रहे थे दोनों सिपाही, गवां-हसनपुर मार्ग पर हुई दुर्घटना, विभाग में शोक

कार्यालय संवाददाता,संभल/रजपुरा

- दूसरी बाइक से टकराई सिपाही की सरकारी बाइक
- अमरोहा निवासी दूसरे बाइक सवार को पकड़ लिया

अमृत विचार: संभल जनपद के रजपुरा थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान घने कोहरे में दूसरी बाइक की टक्कर से बाइक सवार सिपाही की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा दूसरा सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। सिपाही की मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। हेड कांस्टेबल का उपचार किया जा रहा है।

मृतक कृष्ण कुमार।

रजपुरा थाने पर तैनात सिपाही कृष्ण कुमार नैनवाल (30) व हेड कांस्टेबल विकास कुमार चौधरी बुधवार शाम को बाइक पर सवार होकर गश्त के लिए गए थे। गवां-हसनपुर मार्ग पर सिपाहियों की बाइक में सामने से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर में दोनों सिपाही बुरी तरह घायल हो गये। सिपाही कृष्ण कुमार को गंभीर स्थिति में रजपुरा सीएचसी से जिला संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। हालत चिंताजनक देख पुलिसकर्मी कृष्ण कुमार को मुरादाबाद के निजी अस्पताल ले गए। मुरादाबाद के अस्पताल में देर रात कृष्ण कुमार की मौत हो गई। कृष्ण कुमार पुत्र धर्मानंद नवाबपुरा, थाना अफजलगढ़, बिजनौर का रहने वाला था जबकि घायल हैड कांस्टेबल विकास कुमार पुत्र धर्मपाल गांव छुर, थाना सरधना, जनपद मेरठ का रहने वाला है। सिपाही कृष्ण कुमार छह महीने पहले ही जीआरपी से स्थानांतरण होने के बाद रजपुरा थाने पर आया था। रजपुरा थाने से उसे नगर पंचायत गंवा पुलिस चौकी पर तैनाती दी गई थी।

कार्यवाहक थाना प्रभारी राजाराम पाल ने बताया कि सड़क हादसे में दो सिपाही घायल हुए थे, बाइक से गश्त कर रहे थे तभी दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। मुरादाबाद के निजी अस्पताल में कृष्ण कुमार ने दम तोड़ दिया। टक्कर मारने वाले बाइक चालक मोहित निवासी सीतला थाना आदमपुर जनपद अमरोहा को पकड़ लिया है। घटना की सूचना मृतक एवं घायल सिपाही के परिजनों को दे दी गई है। सिपाही की मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, चार घायल

सौंधन,अमृत विचार : कैला देवी थाना क्षेत्र के संभल-आदमपुर मार्ग पर सौंधन के निकट खरसपा पेट्रोल पंप के पास सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए। एक बाइक संभल की ओर से आ रही थी, जबकि दूसरी बाइक सौंधन की ओर जा रही थी। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार रामकिशोर और सुरजीत निवासी सौंधन की मिलक घायल हो गए। वहीं दूसरी बाइक पर सवार भूपेंद्र और उसका साथी विष्णु निवासी सिहावली भी घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंससे अस्पताल भिजवाया।

अंडरपास के पास मिला मृत बछड़ा फैली भ्रामक सूचना

संभल/बहजोई, अमृत विचार: बहजोई थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस वे के अंडरपास के निकट जंगल में संदिग्ध परिस्थिति में मिले बछड़े के शव को लेकर भ्रामक सूचना फैलाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि बछड़े की मौत तीन से चार दिन पहले हो चुकी थी। शव को कुत्तों ने नोंचा था।

बुधवार शाम करीब पांच बजे गांव राजा के मझोला निवासी देवेंद्र गौरव और भुवनेश ने डायल 112 पर सूचना दी कि गोवंश पशु की हत्या कर उसका कटान करने का प्रयास किया गया है। बहजोई के क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार और इंस्पेक्टर संत कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी तेज प्रताप सिंह को बुलाया गया। सूचना देने वाले युवकों की मौजूदगी में मृत गोवंश की जांच कराई गई। पशु चिकित्सक ने तीन से चार दिन पहले मौत होने की पुष्टि की। जांच के बाद गड्ढा खोदकर दफना दिया गया। इंस्पेक्टर संत कुमार ने बताया कि गोवंश के कटान की कोई पुष्टि नहीं हुई है। गलत सूचना प्रसारित करने वालों की पहचान की जा रही है।

रायसत्ती थाना प्रभारी बोबिंद्र शर्मा व सिपाही निलंबित

कार्यालय संवाददाता,संभल

- भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में एसपी ने की कार्रवाई
- नवसृजित थाना रायसत्ती में बोबिंद्र शर्मा पहले प्रभारी थे

अमृत विचार: नव सृजित रायसत्ती थाने के पहले थाना प्रभारी बोबिंद्र शर्मा व एक सिपाही को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने निलंबित कर दिया है। थाना प्रभारी व सिपाही पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा तो पुलिस अधीक्षक ने सख्त कार्रवाई से संदेश दे दिया कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुछ माह पहले बहजोई में जनपद मुख्यालय का शिलान्यास किया था तभी रायसत्ती व बबराला थानों की घोषणा की थी। पुलिस अधीक्षक ने बोबिंद्र शर्मा को रायसत्ती के पहले थाना प्रभारी के रूप में तैनाती दी थी। बोबिंद्र शर्मा की शिकायत दो दिन पहले पुलिस अधीक्षक से की गई थी। एक सिपाही के जरिए एक शैक्षिक संस्थान चलाने वाले व्यक्ति पर दबाव बनाकर पैसा मांगने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद बुधवार को थाना प्रभारी की फोन पर बातचीत की आडियो रिकार्डिंग भी अफसरों तक पहुंचा दी गई। बताया जा रहा है कि इस आडियो रिकार्डिंग में थाना प्रभारी शैक्षिक संस्थान चलाने वाले से सिपाही नरेंद्र ठेनुआ से मिलने को कह रहे थे। राजनैतिक दबाव को लेकर नाराजगी भी जता रहे थे।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने रायसत्ती थाना प्रभारी बोबिंद्र शर्मा व थाने के सिपाही नरेंद्र ठेनुआ को निलंबित कर दिया। थाना रजपुरा के थाना प्रभारी निशांत कुमार राठी को रायसत्ती थाने का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। संभल कोतवाली की चौधरी चौकी के प्रभारी संदीप चौधरी को रजपुरा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

हिंदू-मुस्लिम के नाम पर व्यापार का आह्वान दुर्भाग्यपूर्ण: तुर्की

संभल, अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक प्रवीण तोगड़िया द्वारा हिंदुओं से खरीदारी हिंदुओं से करो और रोजगार हिंदुओं को दो के आह्वान को कांग्रेस जिलाध्यक्ष आरिफ तुर्की ने दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

हाजी आरिफ तुर्की जिलाध्यक्ष कांग्रेस।

आरिफ तुर्की ने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों द्वारा इस तरह की बयानबाजी बेहद अफसोसजनक है। रोजगार किसी के हाथ में नहीं होता, ईश्वर सभी को रोजगार देता है। व्यापार और नौकरी धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता, मेहनत और व्यवहार के आधार पर चलते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि कोई भी खरीदार यह नहीं देखता कि सामने वाला हिंदू है या मुस्लिम, बल्कि यह देखता है कि डॉक्टर अच्छा है या नहीं, कपड़े की क्वालिटी कैसी है और व्यापारी का व्यवहार कैसा है। यदि गुणवत्ता होगी तो व्यापार अपने आप चलेगा। उन्होंने कहा कि यह मुल्क सभी का है और इसमें सभी को बराबरी का हक है। आरिफ तुर्की ने आरोप लगाया कि कुछ लोग धर्म का इस्तेमाल राजनीति के लिए कर रहे हैं, जबकि धर्म और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने अपील की कि हर धर्म के लोग अपने-अपने धर्म पर मजबूती से चलें, लेकिन धर्म को राजनीति में घसीटने से बचें। ऐसे बयानों से समाज में नफरत फैलती है। देश नफरत से नहीं, बल्कि अमन, भाईचारे और मोहब्बत से आगे बढ़ेगा।

कूड़ा डालने के विरोध पर महिला से मारपीट

संभल/मनोटा,अमृत विचार: गांव बाबूखेड़ा निवासी चंदो पत्नी यादराम ने तहरीर में बताया कि उसने गांव की ही कमलेश पत्नी रघुवर से अपने उपलों पर कूड़ा डालने का विरोध किया था। कमलेश और उसके पति रघुवर भड़क गए और गालियां देने लगे। गालियों का विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट की।

इसी दौरान आरोपियों ने धारदार हथियार से चंदो के मुंह पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल अवस्था में चंदो ने ऐचौड़ा कंबोह थाने पहुंचकर घटना की तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरायतरीन में तालाब की जमीन पर बने मिले 40 मकान

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल शहर की उप नगरी सरायतरीन में तालाब की 5 बीघा जमीन की पैमाइश के लिए गुरुवार को राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ पहुंची। तालाब की भूमि पर कब्जा कर 40 मकान बना लेने का खुलासा हुआ। टीम ने फीता डालकर नापजोख शुरू की तो भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों का कहना था कि उन्हें सरकार की कार्रवाई पर कोई एतराज नहीं है। उनके पास कुछ दस्तावेज हैं वह उन दस्तावेजों को अफसरों के सामने रखकर अपनी बात कहेंगे।

प्रशासन को शिकायत मिली थी कि सरायतरीन के वाजिदपुर सराय इलाके में तालाब की करीब पांच बीघा भूमि के एक हिस्से पर कुछ लोगों ने कब्जा कर अवैध रूप से मकान बना लिए। शिकायत के आधार पर नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल, कानूनगो चंद्रपाल सिंह, हल्का लेखपाल चंपत सिंह और लेखपाल राहुल कुमार धारीवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

तालाब भूमि का मानचित्र देखते नायब तहसीलदार दीपक जुरैल। ● अमृत विचार

- नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम ने की पैमाइश

सरायतरीन के झझरान इलाके में राजस्व टीम ने घंटों तक तालाब की पांच बीघा भूमि की पैमाइश की। नापजोख के साथ ही अभिलेखों व नक्शे के आधार पर भूमि को चिह्नित किया तो तालाब की भूमि पर 40 मकान से ज्यादा मकान बना लिए जाने की बात सामने आई। मकान तालाब की भूमि पर बने होने की बात सामने आई तो मकान बनाने वाले बेचैन दिखाई दिये। हालांकि किसी ने भी प्रशासन द्वारा कराई जा रही पैमाइश का विरोध नहीं किया। कहा कि उनके पास जमीन से संबंधित मुकदमों के सबूत और अन्य कागजात मौजूद हैं। दावा किया कि उनके पूर्वज करीब 150 वर्षों से यहां रह रहे हैं। नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल ने बताया कि राजस्व अभिलेखों के अनुसार गाटा संख्या 332 में दर्ज पांच बीघा भूमि तालाब के रूप में दर्ज है। शिकायत मिलने के बाद इसकी पैमाइश कराई गई है। पैमाइश में करीब 40 मकान चिह्नित किए गए हैं, जिनका निर्माण 25 से 30 वर्ष पुराना प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा प्रस्तुत किए गए कागजातों का भी अध्ययन किया जाएगा, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

सरकारी भूमि पर बने आठ मकानों की पैमाइश

संभल, अमृत विचार : नगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला शर्की कर्बला रोड पर सरकारी भूमि पर बने आठ मकानों की पैमाइश कर उनका चिन्हांकन किया गया। हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र की नगर पंचायत सिरसी में गुरुवार दोपहर करीब एक बजे हल्का लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार, लेखपाल नितिन शर्मा के साथ नायब तहसीलदार बबलू कुमार मौके पर पहुंचे। नायब तहसीलदार बबलू कुमार ने बताया कि गाटा संख्या 1608 पर बने आठ मकानों की पैमाइश की गई है। लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि कुल 1700 वर्गमीटर भूमि खाद के गड्ढे और ग्राम समाज के लिए आरक्षित है। इसमें से 850 वर्गमीटर भूमि पर बने मकानों को बेदखल किया जाना है। पैमाइश में अय्यूब हसन पुत्र जाहिद हुसैन का 200 वर्गमीटर, कामिल पुत्र आकिल का 50 वर्गमीटर, मोहम्मद हसन पुत्र रजी हसन का 70 वर्गमीटर, चांद पत्नी छिम्मन का 110 वर्गमीटर, असकरी पुत्र रजी हसन का 130 वर्गमीटर, अली हसन पुत्र रजी हसन का 100 वर्गमीटर, जुल्फेकार पुत्र इफ्तेकार का 90 वर्गमीटर और रहबर पुत्र रजी हसन का 100 वर्गमीटर भूमि पर मकान पाए गए। हालांकि रहबर का मकान जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश पर 3 मार्च 2023 को कुर्क किया जा चुका है। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कुल 16 मकान बने हुए हैं, फिलहाल आठ को नोटिस जारी किया गया है, शेष के संबंध में टीम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रास्ते पर बना अवैध निर्माण किया ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता,संभल/कुढफतेहगढ

अमृत विचार: तहसील चंदौसी के गांव लच्छमपुर लखनेटा में गुरुवार को राजस्व विभाग की टीम ने तीन मकानों के रास्ते में बने हिस्सों को बुलडोजर से तोड़ दिया। यह कार्रवाई गाटा संख्या 180 में दर्ज रास्ते की भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए की गई।

गांव के ही रमेश पुत्र छत्रपाल, ओमवीर पुत्र वीर सिंह और प्रमोद पुत्र शिशुपाल के मकानों का कुछ हिस्सा सरकारी रास्ते पर बना हुआ था। 11 नवंबर को गांव में श्मशान, चकरोड, नाली और कब्रिस्तान समेत अन्य सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाए गए थे। उस दौरान इन मकानों के मालिकों ने रास्ते में आ रहे हिस्से को स्वयं हटाने का आश्वासन देते हुए दो-तीन दिन का समय लिया था। लेकिन करीब दो माह बीत जाने के बाद भी अवैध कब्जा नहीं हटाया गया। गुरुवार को राजस्व टीम कुढफतेहगढ थाना पुलिस और पीएसी बल के साथ गांव पहुंची। तीनों मकान के मालिकों ने फिर मोहलत मांगी। प्रशासन ने साफ कर दिया कि तीन दिन का समय लेकर दो माह में भी निर्माण नहीं तोड़ा गया तो अब वह कैसे भरोसा कर सकते हैं। इसके बाद बुलडोजर ने सड़क पर किये गये निर्माण को ध्वस्त कर दिया। मौके पर नायब तहसीलदार रजत कुमार, कानूनगो बाबूराम सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल नीरज चंद्रा, चन्द्रेश वार्ष्णेय, सुनील बाबू, अर्पित सक्सेना सहित कुढफतेहगढ पुलिस, पीएसी बल और अग्निशमन विभाग की फायर ब्रिगेड मौजूद रही। लेखपाल नीरज चंद्रा ने बताया कि लच्छमपुर में धारा 67 की कार्रवाई के तहत गाटा संख्या 180 रास्ते की भूमि से बेदखली कराई गई है।

लच्छमपुर गांव में मकान को तोड़ता बुलडोजर। ● अमृत विचार

- राजस्व विभाग ने तीन मकानों के अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

पुलिस लाइन में पेंशनर्स की समस्याओं पर की गई चर्चा

संभल,अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस पेंशनर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई और उनके समाधान को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान पेंशनर्स से उनके अनुभव और ज्ञान का उपयोग कर कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान किया गया। साथ ही उन्हें साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

अपर पुलिस अधीक्षक ने पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की जानकारी दी और उनके लिए उपलब्ध कानूनी सहायता व शिकायत निवारण तंत्र के बारे में भी बताया। बैठक में पेंशनर्स को अपनी समस्याएं और अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया, जिनका संज्ञान लेते हुए उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक के माध्यम से पुलिस पेंशनर्स और प्रशासन के बीच सहयोग व संवाद को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया, ताकि स्थानीय स्तर की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

- सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान के निर्देश
- पेंशनर्स से कानून व्यवस्था में सहयोग करने का आह्वान किया

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

संभल,अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को जागरूक किया। इस दौरान महिला संबंधी समस्याओं के निस्तारण को लेकर चौपाल का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी गई। वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर डेमो, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी गई।

जायंट्स ग्रुप ने नव वर्ष संग लोहड़ी का पर्व मनाया

नव वर्ष कार्यक्रम में शामिल जायंट्स ग्रुप की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संभल, अमृत विचार: जायंट्स ग्रुप ऑफ संभल सिटी की ओर से नव वर्ष का स्वागत किया गया। लोहड़ी और मकर संक्रांति भी मनाई गई।

श्वेता शर्मा के स्वागत गीत ने समां बांध दिया। संचालन ग्रुप की अध्यक्ष नीरू चहल ने किया, साधना अरोड़ा, शैली भारद्वाज, क्षमता गुप्ता, रूपाली गुप्ता, गरिमा मंगिया और नेहा गुप्ता ने विभिन्न खेल और हाउजी खिलाकर मनोरंजन कराया। डॉ. उर्वशी ने पहेलियों के माध्यम से कार्यक्रम को रोचक बनाया। अभिनय में प्रियंका गुप्ता, ऋचु रस्तोगी, नीरू चहल और शैली भारद्वाज ने मन मोह लिया। ब्लैक ड्रेस और पटियाला सूट में सजी महिलाओं ने नृत्य किया। डॉ. सुनीता गुप्ता, मंजू अरोड़ा, नेहा, मोनिका, अलका, अनीता, दीपा, दीबा, रजिया, निदा, नाहिद, उषा, मंजू, राधिका, गायत्री, रानी, रेखा, रिया, रुचि, रूही, श्वेता शर्मा, सोनिया, वंदना, अर्चना, शिखा सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

न्यूज ब्रीफ

एनसीडीसी के ऋण व ब्याज भुगतान को वित्तीय स्वीकृति जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज के भुगतान को लेकर बड़ी वित्तीय स्वीकृति जारी की है। सहकारिता विभाग से जुड़े दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से कुल 31.67 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को मंजूरी दी गई है। इससे एनसीडीसी के बकाया ऋण एवं ब्याज भुगतान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। पहले शासनादेश के तहत एनसीडीसी से लिए गए ऋण पर देय ब्याज भुगतान के लिए 6,13,81,745 (6.13 करोड़) रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह राशि राजस्व लेखाशीर्ष के अंतर्गत 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से प्राप्त ऋणों पर ब्याज' मद में स्वीकृत की गई है। वहीं, दूसरे शासनादेश में मूल ऋण (प्रिंसिपल) के भुगतान के लिए 25,53,71,100 (25.53 करोड़) रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह राशि पूंजीगत मद 'राज्य सरकार का आंतरिक ऋण' के अंतर्गत एनसीडीसी से लिए गए कर्ज के प्रतिदान को स्वीकृत की गई है।

माघ मेला में चार पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संगम नगरी प्रयागराज में माघ मेला 2026 का आयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उप्र. पर्यटन विभाग ने मेला क्षेत्र में चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित पुस्तिकाएं, गाइड बुक और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं और अन्य ठहरने की सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा ये चार सूचना केंद्र परेड ग्राउंड, नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज छिवकी जंक्शन रेलवे स्टेशन और अरैल घाट के पास स्थापित किए गए हैं।

अब क्रॉप कटिंग की मिलेगी क्षतिपूर्ति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों की क्रॉप कटिंग (कटाई के बाद नुकसान का आकलन) का काम लगभग पूरा हो गया है। सरकार ने बीमा कंपनियों से रिपोर्ट मांगी है। जिन किसानों की फसल तय मानक से कम हुई है, उन्हें 10 से 15 दिन के अंदर मुआवजा मिल जाएगा। खरीफ 2025-26 में प्रदेश के 20 लाख से ज्यादा किसानों ने धान, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग जैसी फसलों का बीमा कराया था। अगस्त और सितंबर में ज्यादा बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ था। इस पर सरकार पहले ही ढाई लाख किसानों को करीब 200 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। अब सभी जिलों में फसलों की कटाई कर उपज का आकलन किया गया है। जहां फसल कम निकली है, वहां किसानों को बीमा के हिसाब से पैसा दिया जाएगा। ज्यादातर जिलों की रिपोर्ट आ चुकी है और जल्द ही भुगतान शुरू होगा। इस बार क्रॉप कटिंग के आधार पर मिलने वाला मुआवजा पिछले साल से ज्यादा हो सकता है, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। हालांकि, कागजात में कमी के कारण एक लाख से ज्यादा बीमा पॉलिसियां रद्द कर दी गई थीं।

पीसीआई के सदस्य बने संदीप बडोला

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. फार्मेसी काउंसिल के चेयरमैन, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन फार्मासिस्ट संगठन के जनरल सेक्रेटरी संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) का सदस्य मनोनीत किया गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का रहेगा। एपसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री अतुल मिश्रा, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र सिंह पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश मिश्रा, प्रवक्ता एसएन त्रिपाठी सहित कर्मचारी, अधिकारी और संगठन के पदाधिकारियों ने संदीप बडोला को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया का सदस्य मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दीं।

समाचार पत्र पठन से जागरूक नागरिक बनेंगे विद्यार्थी

विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करें : डॉ. शन्मुगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम

अमृत विचार : बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने प्रदेश के विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन (न्यूज पेपर रीडिंग) की संस्कृति विकसित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने गुरुवार को बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, भाषाई पकड़ और तार्किक व आलोचनात्मक सोच को सशक्त करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छात्रों को समाचार पत्रों के नियमित पठन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2025 को निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं।

उन्होंने सभी अटल आवासीय विद्यालयों में इन गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से दैनिकचर्या में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी एवं अंग्रेजी समाचार पत्रों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान के साथ-साथ विज्ञान, अर्थव्यवस्था, समसामयिक घटनाक्रम और खेल से जुड़े समाचार पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

अध्यक्ष डॉ.एम के शन्मुगा सुंदरम ने निर्देश दिया कि प्रार्थना सभा के बाद कक्षा में पठन-पाठन प्रारंभ होने से पूर्व प्रतिदिन 10 मिनट समाचार पठन के लिए निर्धारित किए जाएं। प्रतिदिन पांच नए या कठिन शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर लिखे जाएं तथा विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का सुविचार' अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए।

कक्षा नौ से 12 तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित लेखन या समूह चर्चा आयोजित होगी। वहीं, कनिष्ठ वर्ग के छात्रों से विज्ञान, पर्यावरण और खेल विषयों पर न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार कराई जाएगी। तार्किक विकास के लिए सुडोकू, शब्द पहेली और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी।

ब्रिटिश नागरिक मौलाना शमशुल हुदा के मदरसे की मान्यता रद्द

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 9 वर्ष पूर्व फर्जी दस्तावेजों पर हासिल कर ली थी मान्यता

अमृत विचार: ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर चुके मौलाना शमशुल हुदा खान द्वारा संतकबीरनगर के खलीलाबाद में चलाए जा रहे मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया (निस्वा) की मान्यता राज्य मदरसा शिक्षा परिषद ने रद्द कर दी है। यह फैसला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर लिया गया।

जांच में पाया गया कि मदरसे ने जिन जमीनों के कागजात दिखाकर कक्षा 1 से 10 तक की मान्यता ली थी, वे जमीनें बाद में जिलाधिकारी के आदेश से राज्य सरकार में निहित हो गईं। इसके बावजूद मदरसा बिना अनुमति दूसरे स्थान पर चलाया जा रहा था। वर्तमान भवन की जमीन की रजिस्ट्री मदरसे की मान्यता मिलने के करीब 18 महीने बाद कराई गई थी, यानी इस भवन पर कभी वैध मान्यता ली ही नहीं गई। अधिकारियों के अनुसार यह स्थिति मदरसा सेवा नियमावली 2016 के भूमि और भवन संबंधी नियमों का उल्लंघन है। इसी कारण मदरसा प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर मान्यता रद्द कर दी गई। इसके अलावा, मौलाना शमशुल हुदा खान को नवंबर में एटीएस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बावजूद वह भारत में वेतन और पेंशन लेता रहा। जांच में यह भी सामने आया कि उसके बैंक खाते में विदेशों से करीब 4 करोड़ रुपये आए थे और उसके संदिग्ध आतंकी संपर्क थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जांच कर रहा है। इस मामले में लापरवाही और मिलीभगत के आरोप में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगे कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रवासियों को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने की यूपी दिवस-2026 की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देश के सभी राजभवनों और विदेश में भारतीय दूतावासों पर होंगे आयोजन
- 'विकसित यूपी-विकसित भारत' थीम पर प्रस्तुतियां, युवाओं की भागीदारी पर जोर

अमृत विचार: प्रदेश की स्थापना की स्मृति में मनाया जाने वाला उत्तर प्रदेश दिवस–2026 इस वर्ष अभूतपूर्व रूप से व्यापक, भव्य और वैश्विक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी दिवस का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि देश और विदेश में रह रहे प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और प्रदेश की पहचान व सामर्थ्य को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर यूपी दिवस-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 24 से 26 जनवरी तक तीन दिवसीय समारोह के दौरान लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

'यूपी गौरव' बनेगा प्रेरणा का प्रतीक

यूपी दिवस के अवसर पर प्रदेश की प्रतिभाओं और कर्मशील व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान', 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान' और 'माटी कला बोर्ड सम्मान' प्रदान किए जाएंगे। उद्यमियों, खिलाड़ियों, महिलाओं, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार को राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान दिलाई जाएगी।

प्रदेशभर में होंगी सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

यूपी दिवस के अंतर्गत जनपद, मंडल और राज्य स्तर पर गायन, नृत्य, वादन और नाट्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जनपद स्तरीय समारोहों में जिले की विकास यात्रा पर केंद्रित विशेष फिल्मों का प्रदर्शन होगा। ऐतिहासिक और पैचारिक विरासत से जुड़े नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक, ओपन माइक, कठपुतली थियेटर, रंगोली, पारंपरिक परिधान और पाक-कला प्रतियोगिताएं भी होंगी। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र 'वंदे मातरम्' और 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी राजभवनों से संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इस वर्ष आयोजन की थीम 'विकसित यूपी-विकसित भारत' होगी, जिसमें युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 'प्रारंभिक उत्तर भारत और इसके सिक्के' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के लेखक देवेंद्र हांडा व अनुवादक मनीष वर्मा हैं। इसका संग्रह हिंदुजा फाउंडेशन ने किया है। पुस्तक को उत्तरी भारत के स्वदेशी प्रारंभिक ऐतिहासिक सिक्कों की सबसे बड़ी संख्या पर चर्चा और चित्रण करने का गौरव प्राप्त है।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के ऋण वितरण में यूपी अग्रणी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के तहत ऋण वितरण और परियोजना स्वीकृति में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 5475 परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है और 86 प्रतिशत ऋण वितरण किया गया, जो राष्ट्रीय औसत 81 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने गुरुवार को विभागीय बैठक में दी। बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों, अधिकारियों, बैंक शाखा प्रबंधकों और रिसोर्स पर्सन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

जनता दर्शन में सीएम ने दिया मदद का भरोसा

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह जिलों से आए करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे, उनकी शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं और प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किए।

ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर की शुरुआत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पंचायती राज विभाग के मासिक न्यूजलेटर "पंचायतों की प्रगति गाथा" की शुरुआत की। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित विभागीय वार्षिक कैलेंडर "नारी शक्ति की नई उड़ान, गांव बदल रही महिला प्रधान" मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत और सशक्त इकाई हैं। जब पंचायतें सशक्त होती हैं, तभी गांव और प्रदेश का समग्र विकास संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि यह न्यूजलेटर गांवों में हो रहे सकारात्मक बदलावों, नवाचारों और जनकल्याणकारी कार्यों को एक मंच पर लाकर जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस न्यूजलेटर के माध्यम से प्रदेश की सफल ग्राम पंचायतों की विकास कहानियां सामने आएंगी, जिससे अन्य पंचायतों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा और पंचायत स्तर पर पारदर्शिता व जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूजलेटर के अंतर्गत प्रत्येक माह एक वंदनीय ग्राम पंचायत का चयन कर वहां हुए उत्कृष्ट विकास कार्यों, नवाचारों, पारदर्शी प्रशासन और जनसहभागिता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

900 नई अदालतों के लिए बजट शीघ्र

विधि संवाददाता, लखनऊ : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में न्यायिक ढांचे के विस्तार को लेकर स्वतः संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अपर मुख्य सचिव, वित्त ने बताया कि प्रदेश में 900 नई अदालतों तथा संबंधित पदों के सृजन के लिए बजट उपलब्ध है। इसी वित्तीय वर्ष में इसका प्रावधान भी हो जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि 31 मार्च के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है, लिहाजा सरकार द्वारा जल्दी निर्णय लिया जाए। मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 फरवरी की तिथि नियत की गई है। साथ ही इस तिथि पर प्रमुख सचिव, विधि को उपस्थित रहने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति राजीव भारती की खंडपीठ ने यह आदेश उक्त प्रकरण में स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज की गई एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

आजमगढ़ में नए शहर के विकास को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 100 करोड़ की पहली किस्त जारी, 389.96 करोड़ की परियोजना से बनेगा टाउनशिप

अमृत विचार: योगी सरकार ने आजमगढ़ में नए शहर के समग्र और सुनियोजित विकास के लिए बड़ी वित्तीय मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत कुल 389.96 करोड़ रुपये लागत से आधुनिक टाउनशिप परियोजना में आजमगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 100 करोड़ रुपये की सीड कैपिटल की प्रथम किश्त स्वीकृत की गई है।

आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, आजमगढ़ के कोटिला परगना, निजामाबाद (तहसील सदर) क्षेत्र में प्रस्तावित नए शहर के लिए भूमि अर्जन किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत कुल संभावित भूमि अर्जन व्यय 389.96 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसके सापेक्ष शासन ने अधिकतम 194.98 करोड़ रुपये तक सीड कैपिटल अनुमन्य की है। इसमें से 100 करोड़ रुपये की धनराशि पहली किश्त के रूप में जारी की गई है। भूमि अर्जन की प्रक्रिया उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन अधिनियम-2013 तथा संबंधित नियमावलियों के अनुरूप की जाएगी। भू-स्वामियों से आपसी सहमति के आधार पर भूमि क्रय की स्थिति में शासनादेशों और न्यायालयों के निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

प्रस्तावित टाउनशिप में पर्याप्त पेयजल और भूजल संरक्षण, पर्यावरणीय स्वीकृतियां, तकनीकी स्वीकृति और सभी वैधानिक अनापत्तियों को कार्य शुरू होने से पहले प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। परियोजना की गुणवत्ता, मानक और समयबद्ध पूर्णता की जिम्मेदारी आजमगढ़ विकास प्राधिकरण की होगी।

20 वर्षों तक मिलेगी सीड कैपिटल

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि सीड कैपिटल अधिकतम 20 वर्षों की अवधि के लिए अनुमन्य होगी। दूसरी किश्त तभी जारी की जाएगी, जब आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पहली किश्त की कम से कम 75 प्रतिशत राशि खर्च करने के साथ-साथ अपने संसाधनों से समतुल्य मैचिंग फंड की व्यवस्था कर भूमि क्रय में व्यय कर देगा।

एक ही स्थान पर होगी जमीन की खरीद

शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीड कैपिटल से खरीदी जाने वाली भूमि एक ही स्थान पर होगी। अलग-अलग स्थानों पर बिखरी हुई भूमि खरीदने की अनुमति नहीं होगी।

परिवार में संपत्ति दान करना सस्ता

अमृत विचार, लखनऊ : मंत्रिपरिषद की बैठक में मंजूरी के बाद राज्य सरकार ने गुरुवार को परिजनों के बीच अचल संपत्ति के दान को आसान बनाने संबंधी अधिसूचना जारी कर दिया है। इसके तहत अब परिवार के सदस्यों के बीच दान पत्र (गिफ्ट डीड) पर लगने वाला स्टांप शुल्क अधिकतम 5,000 रुपये तक सीमित कर दिया गया है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अपनी अचल संपत्ति पुत्र, पुत्री, माता-पिता, पति-पत्नी, बहू, सगे भाई-बहन, दामाद या पौत्र-पौत्री के नाम दान करता है, तो अब भारी स्टांप शुल्क नहीं देना होगा। सरकार का उद्देश्य पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण को सरल बनाना और आपसी विवादों को कम करना है।

विद्यालयों में होंगे वार्षिकोत्सव व खेल उत्सव, 19.80 करोड़ जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों और 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में जनवरी के अंत तक वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए शासन ने 19.80 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यह आयोजन 1.32 लाख से अधिक विद्यालयों में होगा और विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करना तथा विद्यालयों को समुदाय का सक्रिय केंद्र बनाना है। इसमें अभिभावक, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी भाग लेंगे। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इससे परिषदीय विद्यालयों को समुदाय के सक्रिय केंद्र के रूप में विकसित करने में भी मदद मिलेगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि वार्षिकोत्सव और खेल उत्सव बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के साथ परिषदीय विद्यालयों को सामुदायिक विश्वास का केंद्र बनाएंगे। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि खेल उत्सव में विभिन्न आयु वर्ग के लिए दौड़ और रिले रेस आयोजित की जाएंगी। नियमित उपस्थिति वाले बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा।

खाद्य एवं रसद विभाग को हस्तांतरित होंगे सभी अन्नपूर्णा भवन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीएम और मंडलायुक्तों को निर्देश, राशन कार्ड धारकों को मिलेगा लाभ

अमृत विचार: सरकार ने राशन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक अहम फैसला लिया है। अब मनरेगा या किसी भी दूसरी सरकारी योजना से बने सभी अन्नपूर्णा भवन खाद्य एवं रसद विभाग के नाम किए जाएंगे। इससे राशन की दुकानों के संचालन में कोई परेशानी नहीं होगी।

जब कोई अन्नपूर्णा भवन पूरी तरह बन जाएगा, तो उसे जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपा जाएगा। इसके बाद उस भवन में राशन की दुकान चलाने के लिए उचित दर विक्रेता को अनुबंध के आधार पर दिया जाएगा। यह नियम सिर्फ नए भवनों पर ही नहीं, बल्कि पहले से बने सभी अन्नपूर्णा भवनों पर भी लागू होगा, चाहे वे किसी भी योजना से बने हों। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि भवन बनने से पहले जमीन का नामांतरण खाद्य एवं रसद विभाग के नाम होना जरूरी है। अगर जमीन का नामांतरण नहीं होगा, तो उस भवन को वैध नहीं माना जाएगा। पूरी हस्तांतरण प्रक्रिया सरकार द्वारा तय किए गए फार्मेट में और बिल्कुल मुफ्त होगी। इस फैसले से राशन वितरण व्यवस्था मजबूत होगी और राशन कार्ड धारकों को सीधा लाभ मिलेगा।

सरकार-वॉलमार्ट के बीच एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत एक्सपोर्ट प्रमोशन ब्यूरो (ईपीबी) और वॉलमार्ट के बीच वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। समझौते का उद्देश्य प्रदेश के एमएसएमई को डिजिटल सशक्तिकरण, ई-कॉमर्स रेडीनेस, पैकेजिंग, गुणवत्ता, प्रमाणीकरण और बाजार पहुंच जैसे अहम क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना है। वॉलमार्ट वृद्धि कार्यक्रम के तहत चयनित उद्यमियों को निःशुल्क प्रशिक्षण और मेंटरशिप दी जाएगी।

पहल गांव में ही मिलेगा नया आधार, अपडेट और प्रमाणीकरण की सुविधा भी

1000 ग्राम पंचायतों में खुलेंगे आधार सेवा केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

यूआईडीएआई से मिली अनुमति

हाल ही में राज्य सरकार ने सभी 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार सेवा शुरू करने के लिए पंचायती राज विभाग को यूआईडीएआई से एमएयू करने की अनुमति दी थी। योजना के सुचारु और पारदर्शी संचालन के लिए यूआईडीएआई ने पंचायती राज विभाग को रजिस्ट्रार आईडी और इंपैनलमेंट एजेंसी (ईए) आईडी निर्गत कर दी है। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर आधार सेवाओं का संचालन पूरी तरह अधिकृत ढंग से किया जा सकेगा।

पूरे प्रदेश में विस्तार की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में लागू करने की योजना है। इससे हर गांव में डिजिटल सेवाओं की मजबूत व्यवस्था खड़ी हो सकेगी। पंचायती राज विभाग का मानना है कि यह पहल केवल आधार सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डिजिटल सशक्तिकरण और गांव-गांव विकास की सरकार की सोच को जमीन पर उतारने का माध्यम बनेगी।

अमृत विचार: ग्रामीणों को आधार से जुड़ी सेवाओं के लिए अब ब्लॉक मुख्यालय या शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्रदेश में आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए योगी सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर ही आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए ग्राम सचिवालयों में आवश्यक उपकरण लगाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इन केंद्रों के माध्यम से नया आधार नामांकन, आधार में नाम-पता-जन्मतिथि अपडेट, बायोमेट्रिक अपडेट और प्रमाणीकरण जैसी सेवाएं सीधे गांव में ही उपलब्ध होंगी। इससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों बचेगा। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत सहायक करेंगे। इससे एक ओर जहां स्थानीय युवाओं को जिम्मेदारी और रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर सेवाओं की उपलब्धता भी गांव में सुनिश्चित होगी।

नई व्यवस्था से आधार से जुड़ी सेवाओं में आने वाली दिक्कतें काफी हद तक समाप्त होंगी। आधार अपडेट न होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल पाने की समस्या भी कम होगी।

अमृत विचार

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

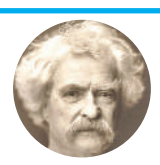

आगे बढ़ने का रहस्य शुरुआत करना है।
मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

श्वान संकट का समाधान

श्वान और इंसान का संबंध हजारों वर्षों पुराना है। सुरक्षा, सहचर्य, प्रेम और वफादारी का यह रिश्ता आज एक विद्रूप सामाजिक संकट बनकर अदालत के कठघरे तक पहुंच गया है। सवाल यह है कि इस स्थिति का दोषी कौन है- आम आदमी, व्यवस्था या कुत्ता? तो जवाब होगा कि वह सभी जिसने इस संकट को यहां तक आने दिया। कुत्ता स्वभाव से आक्रामक नहीं होता; उसे ऐसा बनाता है अव्यवस्थित शहरीकरण, लापरवाह पालतू-पालन, कमजोर नगर प्रशासन और नीति-क्रियान्वयन की लगातार विफलता। सुप्रीम कोर्ट की चिंता पूरी तरह जायज है। पालक के नियंत्रण से बाहर कुत्ते केवल रेबीज का खतरा ही नहीं बढ़ा रहे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, बच्चों-बुजुर्गों पर हमलों, स्थायी अपंगता और मौत का कारण भी बन रहे हैंस लेकिन करोड़ों आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान न तो क्रूर हो सकता है, न ही भावुक, इसके लिए वैज्ञानिक, मानवीय और दीर्घकालिक नीति चाहिए।

उत्तर प्रदेश ने आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाने, दोबारा काटने पर आजीवन शेल्टर में भेजने जैसे कई नियम बनाए, लेकिन डॉग-बाइट और रेबीज से होने वाली मौतें अभी भी बहुत हैं। यूपी की पहल ठीक है, लेकिन अधिकांश राज्यों की गंभीरता सवालों के घेरे में है। नवंबर में जब सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया, तो कोई उपस्थित नहीं हुआ। हलफनामा मांगा गया- मात्र 10 राज्यों ने दिया। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब जैसे बड़े राज्यों की चुप्पी प्रशासनिक उदासीनता को ही दर्शाती है। केंद्र और राज्यों ने पिछले दो दशकों में एनीमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज कार्यक्रमों के नियम तो बनाए, पर क्रियान्वयन बेहद कमजोर रहा। देशभर में महज 66 एबीसी केंद्र प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं, जबकि कुत्तों की आबादी बेकाबू है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु में पांच-पांच लाख, गुजरात और कर्नाटक में लगभग चार-चार लाख लोगों को कुत्तों ने काटा। इसके बावजूद इसके लिए बजट, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का उचित प्रबंध नहीं हुआ। संस्थानों को 'कुत्ता-मुक्त' रखने के लिए फेंसिंग का आदेश व्यावहारिक नहीं। रेलवे स्टेशन बहु-दिशात्मक खुले परिसर हैं, तो 16 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में से अनेक के पास बिजली-पानी तक का बजट नहीं— वे बाड़बंदी कैसे करें? कुत्तों को शेल्टर होम में रखना भी अव्यावहारिक है। अनुमानित एक लाख शेल्टर होम पर लगभग 30,000 करोड़ की पूंजी, चिकित्सा-खानपान पर सालाना भारी खर्च और बीमारियों का जोखिम। सीएसवीआर मॉडल यानी पकड़ो, नसबंदी करो, वैक्सीन लगाओ और जहां से लाए वहीं छोड़ो— वैज्ञानिक रूप उचित लगता है, बशर्ते इसे बड़े पैमाने, पर्याप्त बजट, सटीक डेटा और कड़ी निगरानी के साथ लागू किया जाए। इसके साथ पालतू कुत्तों के अनिवार्य पंजीकरण, लापरवाही पर जुर्माना, उचित कचरा निस्तारण और समुदाय-स्तरीय जागरूकता अनिवार्य है।

दुनिया के कई देशों— जैसे जापान, नीदरलैंड्स और सिंगापुर ने कड़े पंजीकरण, व्यापक नसबंदी, जिम्मेदार पालतू-पालन और सख्त नगर प्रबंधन से इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। भारत, जहां रेबीज से सबसे अधिक मौतें होती हैं, इन अनुभवों से सीख लेनी होगी।

प्रसंगवश

2030 तक रैबीज खत्म करने का लक्ष्य

भारत में रेबीज वायरस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है। हर साल लाखों एनिमल बाइट्स (ज्यादातर कुत्तों के काटने) के मामले दर्ज होते हैं और इससे हजारों मौतें होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हुईं, लेकिन पिछले दशकों की तुलना में यह संख्या कम रही है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

भारत में रेबीज मुख्य रूप से आवारा कुत्तों के काटने या खरोंचने से फैलती है। वायरस संक्रमित जानवर की लार या थूक के माध्यम से मनुष्य में प्रवेश करता है। भारत में रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से ही जुड़े होते हैं, हालांकि रेबीज वायरस कुत्ते के अलावा बिल्ली, बंदर और अन्य जानवरों से भी फैल सकता है। जागरूकता की कमी ने भारत में आवारा कुत्तों के प्रति नफरत और डर को

अंबिका अंबी
लेखिका

काफी बढ़ा दिया है, खासकर 2025-2026 के दौरान जब कुत्तों के काटने के मामले और रेबीज से मौतों की खबरें तेजी से फैलीं। सभी आवारा कुत्ते भी रेबीज से संक्रमित नहीं होते। ज्यादातर काटने की घटना भूख, डर, या क्षेत्र की रक्षा के कारण होते हैं। देश में कुत्तों की छह करोड़ से अधिक संख्या, अपर्याप्त नसबंदी एवं टीकाकरण साथ ही नियमित भोजन न मिलने से भी आक्रामकता बढ़ती है।

रेबीज वायरस किसी भी कुत्ते के शरीर में जन्मजात पैदा नहीं होता या मां से बच्चे में जन्म से नहीं मिलता। रेबीज एक संक्रामक वायरस है, जो संक्रमित जानवर से दूसरे में फैलता है। प्रकृति में रेबीज वायरस का सबसे पुराना और मूल रिजर्वायर चमगादड़ हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लगभग सभी लिसावायरस चमगादड़ों से शुरू हुए और समय के साथ यह वायरस अन्य जानवरों में फैला। भारत में आवारा कुत्ते ही सबसे बड़ा स्रोत हैं। ज्यादातर कुत्ते दूसरे संक्रमित कुत्तों के काटने से रेबीज ग्रस्त होते हैं और फिर वे और कुत्तों या मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। वायरस कुत्तों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) को प्रभावित करती है।

इंसानों में भी वायरस संक्रमण मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। यह मुख्य रूप से संक्रमित जानवर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या लार के संपर्क से फैलता है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग शत्-प्रतिशत जानलेवा होता है, लेकिन संपर्क के तुरंत बाद घाव की सफाई, एंटी-रेबीज वैक्सीन और पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रेबीज वायरस को रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, यदि समय पर सही कदम उठाए जाए तो वायरस को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। आवारा कुत्तों में अधिक से अधिक टीकाकरण कवरेज से रेबीज का चेन टूट सकता है। भारत में पशु जन्म नियंत्रण अधिनियम 2023 के तहत कैप्चर-स्टेरिलाइज़- वैक्सिनेट- रिलीज़ मॉडल अपनाया जा रहा है। पेट डॉग्स (पालतू कुत्ते) को सालाना रेबीज वैक्सीन और रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए। नगर निगम वैक्सीन लगाने की सरकारी नीतियों का पालन अनिवार्यता से करे। चूंकि भारत में रेबीज का मुख्य स्रोत आवारा कुत्ते हैं और पिछले कुछ वर्षों में सरकार, विश्व स्वास्थ संगठन और विभिन्न संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। 2030 तक भारत को डॉग-मीडिएटेड ह्यूमन रेबीज से मुक्त करने का लक्ष्य है। अपवाहों और मिथकों से डरने के बजाय, उन्हें समझकर और जिम्मेदारी से संभालकर हम रेबीज को खत्म कर सकते हैं।

क्या धरती को निगल सकता है ब्लैक होल!

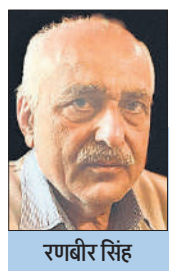

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत को देखकर पृथ्वी वासियों में एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए? क्या एक ब्लैक होल हमारे सौर मंडल में प्रवेश कर सकता है? ब्लैक होल तब बनता है, जब हमारे सूर्य के द्रव्यमान से कहीं अधिक द्रव्यमान वाले तारे का सारा हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाए और अत्यधिक गुरुत्व बल उत्पन्न होने से वह एक ब्लैक होल बन जाए। चूंकि सूर्य का द्रव्यमान उस तारे की अपेक्षा 20 गुणा छोटा है, जो एक ब्लैक होल बन सकता है, इसलिए इसके एक ब्लैक होल बनकर धरती को निगलने की संभावना न्यूनतम है।

सूरज लगभग पांच अरब साल बाद अपना हाइड्रोजन फ्यूल खत्म कर देगा और एक रेड जायंट बन जाएगा और शायद बुध और शुक्र को निगल लेगा। रेड जायंट फेज लगभग 10 करोड़ साल तक चलेगा, जिसके बाद सूरज अपनी बाहरी परतें हटा देगा और एक व्हाइट ड्वार्फ बन जाएगा। फिर भी एक विशाल ब्लैक होल से पृथ्वी के लिए न्यूनतम सुरक्षित दूरी घटना क्षितिज अर्थात इवेंट होराइजन से लगभग 70 लाख किलोमीटर होनी चाहिए। इससे कम दूरी होने पर चुंबकीय-ज्वारीय बल मानव शरीर के लिए खतरा पैदा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो जाते हैं। एक ब्लैक होल की ताकत का प्रभाव बहुत होता है। इससे बचने के लिए एक वस्तु को इससे दूरी बनाए रखने के लिए पलायन वेग या एस्केप विलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर तो होनी ही चाहिए।

निकटतम ब्लैक होल गेया-1 हमसे 1560 प्रकाश वर्ष और गेया-2 पृथ्वी से 3800 प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। वे हमारे दरवाजे पर नहीं खड़े हैं। अंतरिक्ष में पिंडों के वजूद में आने की प्रक्रिया के समय एक दूसरे से सुरक्षित दूरी बना कर रखने का गुण गति, गुरुत्व बल और चुंबकत्व जैसी खगोलीय शक्तियों से तय हुआ होगा। ब्लैक होल के बॉर्डर एरिया को अस्थिर माना जाता है। इस ज़ोन में फ्लेयर्स, जेट्स और विकिरण के उफान का खतरा रहता है। इन डायनामिक घटनाओं का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि टेढ़े-मेढ़े अथवा कर्व्ड स्पेस और ब्लैक होल के आस-पास की अंतरिक्ष भौतिकी के बारे में सटीक गणितीय ब्योरा जुटाना चुनौती है।

मसलन, एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मामले में, इवेंट होराइजन एक ऐसी सीमा है, जिसके इस पार की घटनाएं दूसरी ओर मौजूद ऑब्ज़र्वर को प्रभावित नहीं कर सकतीं। यह वह पॉइंट है, जहां ब्लैक होल का ग्रेविटेशनल असर इतना मज़बूत होता है कि रोशनी भी उससे बच नहीं सकती। यह सीमा कोई फिजिकल सतह नहीं है, बल्कि एक मैथमेटिकल निशान है, जो उस पॉइंट को मार्क करता है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। एक बार जब कोई चीज़ इवेंट होराइजन को पार करके ब्लैक होल की तरफ खिंचती चली जाती है, तो वह हर हाल में ब्लैक होल के सेंटर की ओर जाती है। होराइजन के अंदर पैदा होने वाला कोई भी रेडिएशन कभी भी उससे बाहर नहीं निकल सकता। इवेंट होराइजन शांत, अदृश्य और बेरहम होता है। पकड़ में आने के बाद वस्तु का इससे बचना नामुमकिन है। ब्लैक होल का इवेंट होराइजन स्पेसटाइम की ज्योमेट्री में एक ऐसे पॉइंट को परिभाषित करता है, जहां एस्केप वेलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर होती है।

अमरीका में फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की एक रिसर्च टीम द्वारा प्रस्तुत एक नई मॉडलिंग स्टडी सामने आई है, जिसमें अब तक के सबसे डिटेल्ड सिमुलेशन करके, अर्थात ब्लैक होल के निकट की असल स्थितियों के डाटा को सुपरकंप्यूटर में फीड करके देखा गया कि एकल तारे से बने ब्लैक होल अलग-अलग रेट पर मैटर को कैसे निगलते और उगलते हैं। ब्लैक होल को कल्पना में काले भंवर जैसा दिखाया जाता है, लेकिन उसके पार क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है और क्यों होता है, इसके बारे में सिर्फ कच्चे अनुमान ही मौजूद हैं।

खास बात यह है कि फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की स्टडी पहले के मॉडल्स में इस्तेमाल किए गए सिंपलिफिकेशन पर निर्भर नहीं थी। पहले के प्रयासों के अंतर्गत की जाने वाली कैलकुलेशन से निष्कर्षों को मुमकिन बनाने के लिए शॉर्टकट्स की ज़रूरत होती थी, लेकिन इस नवीनतम सिमुलेशन के लिए बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स डेटा को आधार बनाया गया। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो के सर्वे ऑब्ज़र्वेशन को उनके स्पिन और मैग्नेटिक फील्ड के मेज़र के साथ मिलाकर, दो पावरफुल सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल करके, टीम ने जो नया मॉडल पेश किया, उससे सूर्य से थोड़े बड़े द्रव्यमान वाले तारे से बने हुए ब्लैक होल के चारों ओर गैस, लाइट और मैग्नेटिज़्म की मूवमेंट के बारे में पता चला है।

मैग्नेटिक फील्ड में मेजर से अर्थ है, मैग्नेटिक फील्ड की प्रॉपर्टीज़, इलेक्ट्रिक करंट के साथ इनका इंटरेक्शन और अलग-अलग फील्ड में इनके एप्लीकेशन्स आदि। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो वह प्रोसेस है, जिससे गैस, धूल और दूसरे तरह के पदार्थ जो ब्लैक होल के बहुत ज़्यादा ग्रेविटेशनल खिंचाव से उसकी तरफ खिंचे चले जाते हैं। इस प्रोसेस से एक्रीशन डिस्क बनती है और अंदर आने वाली धारा भी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में देखी जाने वाली हाई-एनर्जी उत्सर्जन पैदा करने के लिए यह बहुत ज़रूरी स्टेप्स हैं। जिस एफिशिएंसी से गर्म गैस अपनी थर्मल एनर्जी रेडिएट करती हैं, वह एक्रीशन फ्लो की ज्योमेट्री और डायनामिक्स पर बहुत ज़्यादा असर डालती है, जिससे रेडिएटिव रूप से एफिशिएंट पतली डिस्क और रेडिएटिव रूप से इनएफिशिएंट मोटी डिस्क, दोनों देखी जाती हैं। एक्रीशन प्रोसेस ब्लैक होल फिजिक्स का एक बेसिक पहलू है और गैलेक्टिक इवोल्यूशन और फीडबैक मैकेनिज्म में अहम भूमिका निभाता है।

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत देखकर एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए?

आमने

कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। नए वीबी-जी-राम जी कानून में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

-भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

'वीबी-जी-राम जी' योजना ग्रामीण लोकतंत्र और मनरेगा के खिलाफ है। जिस पंचायती राज व्यवस्था से मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, आज उसी को कमजोर करने के लिए वे केंद्र सरकार के ब्रांड एंबेसडर बने हुए हैं। योजना को नई व्यवस्था से खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

दूसरे देशों में जबरन घुसपैठ अमेरिकी फितरत

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

अमेरिकी हितों, प्राथमिकताओं और स्वार्थों को समझे बिना न तो इतिहास की सही व्याख्या संभव है और न ही वर्तमान वैश्विक राजनीति की। वस्तुतः, 1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक, वैचारिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है। इन उद्देश्यों को सामने लाने से ही यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी विदेश नीति आदर्शों से अधिक हितों द्वारा संचालित रही है।

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन और ग्रीस में अमेरिकी हस्तक्षेप इसी सोच की उपज थे। चीन के गृहयुद्ध में अमेरिका की चिंता लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि यह थी कि कहीं एशिया का एक विशाल भूभाग सोवियत प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। ग्रीस में भी अमेरिकी सहायता का लक्ष्य किसी आंतरिक राजनीतिक समाधान को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि भूमध्यसागर क्षेत्र में साम्यवादी प्रभाव न फैले। यहीं से यह मानसिकता विकसित हुई, जिसे बाद में 'डोमिनो थ्योरी' कहा गया। यह आशंका कि यदि एक देश हाथ से निकल गया तो पूरा क्षेत्र क्रमशः अमेरिका के प्रभाव से बाहर हो जाएगा।

1950 का दशक इस नीति का औपचारिक विस्तार था। कोरियाई युद्ध में अमेरिका का हित केवल दक्षिण कोरिया की सुरक्षा तक सीमित नहीं था। एशिया में अपनी सैन्य विश्वसनीयता स्थापित करना और यह संदेश देना कि अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए युद्ध करने को तैयार है, इस हस्तक्षेप का केंद्रीय उद्देश्य था। इसी दशक में ईरान और ग्वाटेमाला में हुए तख्तापलट अमेरिकी हितों की और भी स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं।

1960 का दशक आते-आते अमेरिकी हस्तक्षेप और अधिक आक्रामक हो गए। क्यूबा में बे ऑफ पिग्स का असफल अभियान इस बात का प्रमाण था कि अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी समाजवादी सरकार के अस्तित्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। इसके बाद वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में हुआ हस्तक्षेप केवल युद्ध नहीं था, बल्कि एक पूरे क्षेत्र को वैचारिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बना देना था। उद्देश्य स्पष्ट था- दक्षिण-पूर्व एशिया को सोवियत और चीनी प्रभाव से बचाना, चाहे इसकी कीमत तमाम नागरिकों की जान ही क्यों न हो। डोमिनिकन रिपब्लिक में प्रत्यक्ष आक्रमण और कंबोडिया में व्यापक बमबारी इस भय से प्रेरित थीं कि कहीं क्षेत्रीय सत्ता-संतुलन अमेरिका के नियंत्रण से बाहर न चला जाए। इन हस्तक्षेपों ने यह दिखा दिया कि अमेरिका के लिए क्षेत्रीय प्रभुत्व, मानवीय लागत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

1970 के दशक में अमेरिकी स्वार्थों का स्वरूप कुछ बदला, लेकिन मूल तर्क वही रहा। चिली में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का पतन इस कारण हुआ कि वह अमेरिकी आर्थिक और वैचारिक ढांचे को चुनौती दे रही थी। अंगोला में प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी हस्तक्षेप अपनाया गया, ताकि अफ्रीका में सोवियत प्रभाव को सीमित किया जा सके, बिना अमेरिकी सैनिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी के। अमेरिका ने यह सीख ली थी कि परोक्ष हस्तक्षेप न केवल सस्ता पड़ता है, बल्कि घरेलू राजनीतिक असहमति भी कम पैदा करता है।

1980 का दशक मध्य अमेरिका और पश्चिम एशिया में अमेरिकी रणनीतिक हितों का दशक था। एल साल्वाडोर और निकारागुआ में हस्तक्षेप 'कम्युनिज़्म विरोध' के नाम पर किया गया, लेकिन इसके पीछे पनामा नहर जैसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक हितों की सुरक्षा और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बनाए रखना प्रमुख कारण थे। लेबनान, ग्रेनेडा और पनामा में सैन्य कार्रवाइयों का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अमेरिका अपने निकट और रणनीतिक क्षेत्रों में किसी भी चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। लीबिया पर हवाई हमले भी केवल तत्काल प्रतिक्रिया नहीं थे, बल्कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी दबदबे का प्रदर्शन थे।

शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिकी हस्तक्षेपों का दौर समाप्त होगा, लेकिन 1990 का दशक इस भ्रम को तोड़ता है। खाड़ी युद्ध में ईराक के खिलाफ कार्रवाई का केंद्रीय कारण था— तेल आपूर्ति की सुरक्षा और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना। सोमालिया, बोस्निया और कोसोवो में किए गए हस्तक्षेपों को मानवीय कहा गया, लेकिन इनके पीछे नाटो की प्रासंगिकता बनाए रखना और यूरोप में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

इक्कीसवीं सदी में आतंकवाद अमेरिकी हस्तक्षेपों का प्रमुख औचित्य बन गया। अफगानिस्तान में युद्ध का उद्देश्य केवल अल-कायदा को खत्म करना नहीं था, बल्कि मध्य एशिया में दीर्घकालिक सैन्य उपस्थिति स्थापित करना और क्षेत्रीय भू-राजनीति को प्रभावित करना भी था। 2003 में ईराक पर किया गया आक्रमण कथित विनाशकारी हथियारों के नाम पर हुआ, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में सत्ता-संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने और ऊर्जा संसाधनों पर प्रभाव बनाए रखने की इच्छा भी स्पष्ट थी।

1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है।

सोशल फोरम

गोवा में भारतीय कार्रवाई पर खामोश रहा था नाटो

आज जब अमरीका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए जो भारत से जुड़ी है

प्रवीण झा
लेखक

1961 में जब भारत ने गोवा, दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर, उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है।

सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद 5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था, औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज़ किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

महिला सशक्तिकरण की राह खोलेगी पीरियड लीव

हाल ही में कर्नाटक ने महिला कर्मचारियों को पीरियड लीव देने का फैसला किया है। इसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है कि महिलाओं को पीरियड लीव मिलनी चाहिए या नहीं? असल में आधुनिक भारत में जहां महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर सीमा सुरक्षा तक हर मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं, लेकिन वे अपने 'उन दिनों' की परेशानी को लेकर मौन हैं। उनकी एक जैविक प्रक्रिया होती है मासिक धर्म। इसे लेकर आज भी देश और प्रदेश में महिला कर्मचारी कार्यस्थलों पर मौन रहती हैं और अपने इस मौन के कारण पीड़ा को झेलती रहती हैं।

भले ही भारत के केंदीय कानून में इसे जगह नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के वर्षों में महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की मांग जोर पकड़ गई है। इस पर बहस भी प्रारंभ हो गई है कि यह अवकाश महिलाओं का अधिकार है। यह केवल एक अवकाश

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

की मांग नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण कार्य परिवेश की दिशा में एक बड़ा कदम है। कर्नाटक से पहले बिहार और केरल जैसे राज्यों और कई निजी कंपनियों ने इसे लागू कर रखा है।

चिकित्सकों के अनुसार, मासिक धर्म केवल रक्तस्राव की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाले तीव्र हार्मोनल बदलावों का समय होता है। एक कामकाजी महिला को इस दौरान कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें गर्भाशय में संकुचन के कारण पेट के निचले हिस्से और पीठ में असहनीय दर्द होता है। कई महिलाओं के लिए यह दर्द इतना तीव्र होता है कि सामान्य रूप से खड़ा होना या बैठना भी मुश्किल हो जाता है। भारी रक्तस्राव के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर में अस्थायी गिरावट होती है। इससे महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। कई महिलाएं प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का शिकार रहती हैं। ऐसी महिलाओं में चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, और डिप्रेशन जैसी स्थिति पैदा होती है।

वहीं काम के भारी दबाव के बीच मासिक धर्म का दर्द उनकी एकाग्रता में कमी लाता है, जो उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। इसके अलावा जी मिचलाना, उल्टी, सिर दर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। सरकारी कार्यालयों में अक्सर काम का निश्चित समय होता है, इसलिए पीरियड लीव एक जरूरत है। इसके पीछे कई ठोस वजह हैं। जब एक महिला कर्मचारी शारीरिक पीड़ा में होती है, तो उसकी उत्पादकता स्वतः कम हो जाती है। एक या दो दिन का विश्राम उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से पुनर्जीवित करता है, जिससे वे बाद में अधिक ऊर्जा के साथ काम कर पाती हैं।

दरअसल कार्यस्थल को महिलाओं के अनुकूल बनाने का अर्थ है, उनकी जैविक वास्तविकताओं को स्वीकार करना। पीरियड लीव देना भेदभाव नहीं, बल्कि समान अवसर प्रदान करने का एक हिस्सा है। कई पुराने सरकारी कार्यालयों में आज भी महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय और सैनिटरी पैड डिस्पोजल की उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में दर्द के साथ काम करना उनके संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है। इस दौरान महिला कर्मचारी अपनी आकस्मिक छुट्टी (सीएल) या मेडिकल लीव (एमएल) का उपयोग करती हैं, जो कि काफी नहीं है।

भारत में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर कोई केंद्रीय कानून नहीं है, लेकिन 'पेड पीरियड लीव' और 'मुफ्त सैनिटरी उत्पाद' के लिए एक विधेयक साल 2022 में पेश किया गया था जो कानून नहीं बन सका। इस पर कर्नाटक और बिहार जैसे कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों ने अपनी नीतियां बनाई हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

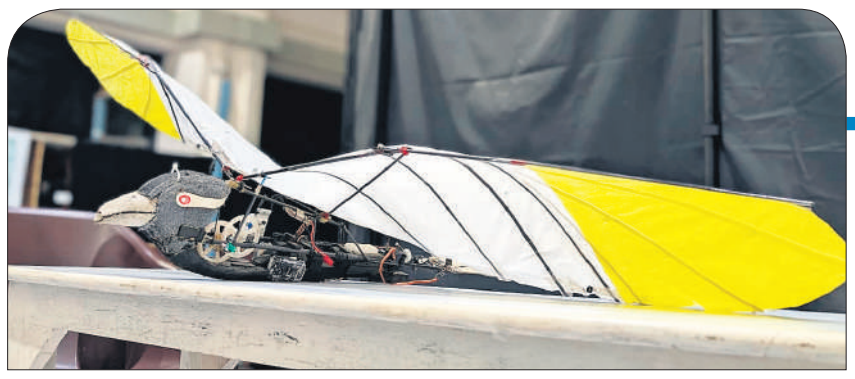

सूक्ष्म निगरानी के साथ सीक्रेट मिशन तक

बर्ड ड्रोन का सबसे बड़ा मॉडल 1.6 मीटर आकार का है, जबकि सबसे छोटा मॉडल केवल 5 इंच का है। छोटे मॉडल का इस्तेमाल माइक्रो निगरानी और सीक्रेट मिशनों में किया जा सकता है, जबकि बड़े मॉडल को लंबी रेंज के लिए डिजाइन किया गया है। बड़ा मॉडल 800 ग्राम से 1 किलो तक पेलोड उठा सकता है। छोटा मॉडल 100 से 200 ग्राम तक पेलोड उठाने में सक्षम है। स्वायत्त संचालन जीपीएस आधारित प्रणाली के साथ, ये बिना पायलट के उड़ सकते हैं।

चिड़िया-चमगादड़ जैसा ड्रोन
रडार के लिए अननोन

बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, फिर भी पंख फड़फड़ाकर उड़ता

भारत की रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में संस्थान की अनस्टेडी एयरोडायनेमिक्स लैब द्वारा प्रो. देवोपम दास, पूर्व छात्र जयदीप भौमिक और शरमन दास के नेतृत्व में एक ऐसा अनोखा ड्रोन तैयार किया गया है, जो दुश्मन को बिना पता चले उसकी निगरानी कर सकता है। इस बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, बल्कि पंख लगे हैं। पक्षियों या चमगादड़ों की तरह पंख फड़फड़ाकर उड़ने के कारण ये ड्रोन बहुत शांत और रडार अभेद्य हैं। सेंसर व कैमरों से लैस इन ड्रोन को खासतौर पर निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

आईआईटी कानपुर ने चिड़िया जैसे दिखने वाले और पंख फड़फड़ाकर उड़ने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन विकसित किए हैं। धातु का उपयोग काफी कम होने के कारण ये ड्रोन आसानी से दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इन ड्रोन को एक किलोमीटर की ऊंचाई पर 400 मीटर की दूरी में लगातार उड़ाया जा सकता है। इसके संचालन के लिए न तो किसी मानवीय कंट्रोल की जरूरत होती है, न ही उड़ान के दौरान किसी लगातार मिलने वाले सिग्नल की। सिग्नल कटने पर भी यह ड्रोन अपना मिशन पूरा करके वापस लौटने की तकनीक से लैस है। इस ड्रोन को भविष्य के युद्ध के लिए नया हथियार माना जा रहा है। इस तरह के ड्रोन सेना के लिए सीमा सुरक्षा, निगरानी और अन्य मिशनों जैसे बचाव अभियान, पर्यावरणीय डेटा संग्रह के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकते हैं।

– राजीव त्रिवेदी, कानपुर

आवाज नहीं करता, एनर्जी सेव करने से उड़ता है लंबे समय तक

साधारण ड्रोन जहां चार मोटरों और प्रोपेलरों के सहारे उड़ान भरते हैं। वहीं आईआईटी कानपुर का यह ऑर्निथॉप्टर बिल्कुल अलग तरह से काम करता है। इसमें न तो प्रोपेलर लगाए गए हैं और न ही चार मोटरों की जरूरत पड़ती है। इसके पंख एक ही मोटर से उड़ सकते हैं, जो लिफ्ट और थ्रस्ट दोनों प्रोड्यूस करते हैं। इस कारण इसमें एनर्जी बहुत ज्यादा सेव होती है। सामान्य ड्रोन उड़ान के दौरान काफी आवाज करते हैं और उनकी बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है, लेकिन बर्ड जैसा दिखने वाला ड्रोन बेहद कम आवाज के साथ लंबी दूरी तय कर सकता है। एनर्जी की बचत और वजन में हल्का होने के कारण यह करीब 1 घंटे 20 मिनट तक लगातार उड़ान भर सकता है। इसके मुकाबले सामान्य ड्रोन अधिकतम आधा घंटा तक ही उड़ पाते हैं।

दुनिया में अभी तक डच कंपनी बर्ड ड्रोन के विकास में अग्रणी

डच प्रौद्योगिकी कंपनी ड्रोन बर्ड कंपनी पक्षी के आकार के ड्रोन के विकास में विश्व में अग्रणी मानी जाती है। उसका फाल्कन ड्रोन बर्ड रिमोट कंट्रोल रोबोटिक शिकारी पक्षी जैसा है। यह दिखने और वजन में बिल्कुल असली पक्षी जैसा लगता है। ड्रोन बर्ड कंपनी का बनाया हुआ स्थिर पंखों वाले पेरेग्रीन फाल्कन का उपयोग हवाई अड्डों और तेल एवं गैस तथा ड्रेजिंग क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से किया जा रहा है ताकि पक्षियों की संख्या और विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाओं को कम किया जा सके।

सिग्नल जाम या कनेक्शन टूटने पर भी काम अंजाम देने में सक्षम

इसे उड़ाने के लिए ह्यूमन कंट्रोल की जरूरत नहीं पड़ती है। उड़ान से पहले इसका पूरा आवश्यक डेटा इसके ऑनबोर्ड सिस्टम में फीड किया जाता है। इससे अगर मिशन के बीच दुश्मन सिग्नल जाम कर दें या ग्राउंड स्टेशन से कनेक्शन टूट जाए, तो भी यह खुद रास्ता पहचानकर स्वतंत्र रूप से ऑपरेट करने में सक्षम है। मिशन पूरा होने के बाद यह अपने आप वापस बेस पर लौट आ सकता है।

सेना ने दिखाई रुचि

इस ड्रोन की क्षमता को देखते हुए भारतीय सेना की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है। दुश्मन के क्षेत्र में यह एक सामान्य बर्ड जैसा दिखाई देने के कारण जासूसी, बॉर्डर पेट्रोलिंग और सेंसिटिव मिलिट्री एरिया में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

चीन के ऑर्निथॉप्टर ड्रोन से बेहतर इसका ऑटोनोमस मोड

चीन पहले ही पक्षी जैसे दिखने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन बना चुका है। ये ड्रोन पक्षियों की तरह उड़ने की नकल करते हैं और सैन्य निगरानी और टोही अभियानों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके मुकाबले आईआईटी में तैयार ड्रोन को ऑटोनोमस मोड में डिजाइन किया गया है। इसके ऑटोनोमस कंट्रोलर को जीपीएस, आईएमयू (इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट) और एडवांस कैमरा डेटा के आधार पर बनाया गया है। इसके चलते सेना में जब कई बार जीपीएस बंद कर दिया जाता है, तब भी इसका कैमरा और सेव किया हुआ डेटा इसे सही डायरेक्शन और लोकेशन में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। यही खासियत इसे दूसरे इस तरह के सभी ड्रोन से अलग बनाती है।

खोज

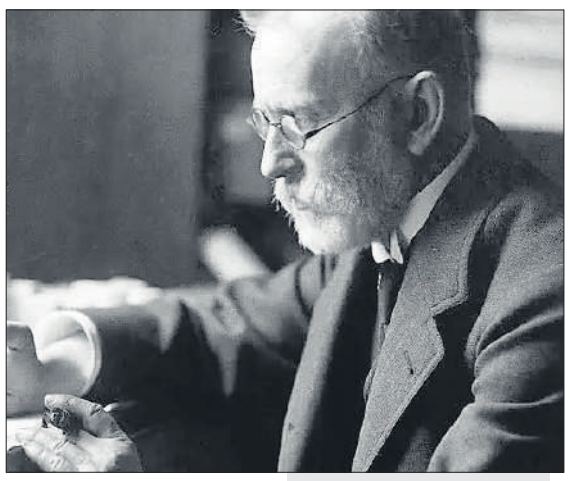

एंटीबायोटिक्स का खोज

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी के अनुसार , मनुष्य हजारों वर्षों से किसी न किसी रूप में एंटीबायोटिक्स का उपयोग करते आ रहे हैं। हाल के इतिहास में ही मनुष्यों को यह एहसास हुआ कि बैक्टीरिया कुछ संक्रमणों का कारण बनते हैं और अब हम आसानी से उपलब्ध उपचार प्रदान कर सकते हैं। 1909 में, जर्मन चिकित्सक पॉल एर्लिच ने देखा कि कुछ रासायनिक रंग कुछ जीवाणु कोशिकाओं को वैसे रंग नहीं देते जैसे वे अन्य को देते हैं। इसी कारण, उन्हें विश्वास हुआ कि आसपास की अन्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कुछ जीवाणुओं को मारना संभव होगा। एर्लिच ने आगे चलकर सिफलिस का इलाज खोजा, जिसे वैज्ञानिक समुदाय में कई लोग पहला एंटीबायोटिक मानते हैं। हालांकि एर्लिच ने अपनी खोज को कीमोथेरेपी कहा, क्योंकि इसमें एक बीमारी के इलाज के लिए रसायनों का उपयोग किया गया था। अपनी खोजों के लिए एर्लिच को 'प्रतिरक्षा विज्ञान का जनक' कहा जाता है।

वैज्ञानिक परिचय

पॉल एर्लिच का जन्म 14 मार्च, 1854 को ब्रेस्लाउ (उस समय जर्मनी का हिस्सा, लेकिन अब पोलैंड का हिस्सा) के पास स्ट्रेहलेन में हुआ था। वे एक यहूदी शराब निर्माता और शाही लॉटरी विजेता के पुत्र थे। उन्होंने ब्रेस्लाउ, स्ट्रासबर्ग (फ्रांस), फ्रीबर्ग और लिपजिंग (दोनों जर्मनी) में चिकित्सा का अध्ययन किया। 1878 में, 24 वर्ष की आयु में, उन्होंने जर्मनी के लिपजिंग विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में 'Beitrge fr Theorie und Praxis der histologischen Frbung'/'हिस्टोलॉजिकल स्टेनिंग के सिद्धांत और अभ्यास में योगदान' शीर्षक से अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

वैज्ञानिक फैक्ट

आसमानी बिजली: प्रकृति की भीषण शक्ति और उसका वैज्ञानिक रहस्य

हमारी धरती के वायुमंडल में जब तीव्र विद्युत आवेश का अचानक डिस्चार्ज होता है, तो उससे उत्पन्न प्रकाश और गड़गड़ाहट को गाज या आसमानी बिजली कहा जाता है। यह एक शक्तिशाली प्राकृतिक घटना है, जो बादलों के भीतर, एक बादल से दूसरे बादल के बीच या बादल और धरती के बीच घटित होती है। विश्व में हर वर्ष लगभग 140 करोड़ बार आसमानी बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिससे इसकी व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आसमानी बिजली की वैज्ञानिक व्याख्या सबसे पहले वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने अठारहवीं शताब्दी में की थी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिजली चमकना कोई दैवीय चमत्कार नहीं, बल्कि विद्युत ऊर्जा का परिणाम है। जब आकाश में घने बादल बनते हैं, तो उनमें मौजूद पानी की सूक्ष्म बूंदें और बर्फ के कण आपस में टकराते हैं। इस टकराव और हवा की रगड़ से बादलों में विद्युत आवेश उत्पन्न हो जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ बादलों या उनके हिस्सों में पॉजिटिव चार्ज और कुछ में निगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब विपरीत चार्ज के बीच का अंतर बहुत बढ़ जाता है, तो संतुलन बनाने के लिए अचानक विद्युत प्रवाह होता है, जिसे हम बिजली के रूप में देखते हैं। एक सामान्य आसमानी बिजली में लाखों वोल्ट का वोल्टेज और हजारों एम्पियर का करंट प्रवाहित हो सकता है। इस दौरान उत्पन्न तापमान लगभग 54 हजार डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच जाता है, जो सूर्य की सतह से भी कई गुना अधिक होता है। बिजली की गति अत्यंत तीव्र होती है और यह एक क्षण में ही धरती तक पहुंच जाती है। प्रतिदिन औसतन 30 लाख बार बिजली गिरने की घटनाएं इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि आसमानी बिजली प्रकृति की अद्भुत शक्ति होने के साथ-साथ मानव जीवन के लिए एक गंभीर खतरा भी है।

रोचक किस्सा

हजार असफलताएं, एक महान आविष्कार

विज्ञान के इतिहास में थॉमस अल्वा एडिसन का नाम केवल आविष्कारों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी जिद, मेहनत और असफलताओं से सीखने की क्षमता के लिए भी याद किया जाता है। एडिसन का सबसे मशहूर किस्सा विद्युत बल्ब के आविष्कार से जुड़ा है, जो आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्नीसवीं सदी के अंत में जब दुनिया अंधकार में डूबी रहती थी और रोशनी के साधन सीमित थे, तब एडिसन ने एक ऐसा बल्ब बनाने का सपना देखा, जो सुरक्षित हो, सस्ता हो और लंबे समय तक जल सके।

यह सपना साकार करना आसान नहीं था। बल्ब के भीतर जलने वाले फिलामेंट के लिए सही सामग्री ढूंढना सबसे बड़ी चुनौती थी। एडिसन ने अपने प्रयोगशाला में दिन-रात मेहनत करते हुए हजारों प्रयोग किए। उन्होंने कपास, बांस, लकड़ी, रेशम, घोड़े के बाल और कई अन्य पदार्थों को फिलामेंट के रूप में आजमाया, लेकिन हर बार परिणाम असफल रहा। प्रयोग असफल होते गए, लेकिन एडिसन का हौसला कम नहीं हुआ। एक बार एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि इतनी बार असफल होने के बाद भी वे निराश क्यों नहीं होते? इस पर एडिसन ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "मैं असफल नहीं हुआ हूं, मैंने बस यह खोजा है कि बल्ब बनाने के हजारों तरीके काम नहीं करते।" यह कथन उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच को दर्शाता है।

आखिरकार वर्ष 1879 में एडिसन ने कार्बन फिलामेंट का उपयोग कर ऐसा विद्युत बल्ब तैयार किया, जो कई घंटों तक लगातार जल सका। इस आविष्कार ने न केवल रातों को रोशन किया, बल्कि उद्योग, शिक्षा और समाज के विकास को भी नई दिशा दी। एडिसन का यह किस्सा हमें सिखाता है कि विज्ञान केवल बुद्धि का नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर प्रयास और असफलताओं को सफलता की सीढ़ी मानने का नाम है। यही सोच किसी भी बड़े आविष्कार की नींव होती है।

जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए कार्बन उत्सर्जन पर लगाम जरूरी

वैश्विक जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की एक ज्वलंत समस्या है। जलवायु में हो रहे तेजी से परिवर्तन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बने हुए हैं। विश्व के भू-विज्ञानी एवं भूगोलवेत्ता जलवायु में हो रहे इन परिवर्तनों से बहुत चिंतित हैं। असमय बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओलावृष्टि, तेजाबी वर्षा तथा ऋतुओं के बदलते चक्र से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। भू-विज्ञानी इन सबको वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देख रहे हैं।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक बहुत बड़ा कारण है कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में हो रही लगातार भारी वृद्धि। वायुमंडल में सभी गैसें एक निश्चित अनुपात में विद्यमान हैं। परंतु अंधाधुंध परमाणु परीक्षणों, बढ़ता औद्योगीकरण तथा वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या के कारण वायुमंडल में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में भारी वृद्धि हो रही है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में 26 लाख टन की वृद्धि हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 24 लाख टन की कमी आई है। यह स्थिति संपूर्ण मानवता के लिए बहुत चिंताजनक है।

कार्बन उत्सर्जन में चीन सबसे आगे

कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन सबसे आगे है। विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 24 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले चीन करता है। चीन के बाद दूसरा स्थान अमेरिका का है। अमेरिका विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 15.1 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। यूरोपीय संघ विश्व के कार्बन उत्सर्जन का 10.5 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में भारत का विश्व में चौथा स्थान है। भारत कुल कार्बन उत्सर्जन का 6.4 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। अगर दुनिया के देशों ने कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नहीं किया, तो निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन की समस्या भयावह रूप धारण कर लेगी।

ओजोन परत का क्षरण

वाहनों, हवाई जहाजों, कल-कारखानों से निकलने वाले धुएं तथा विद्युत सयंत्रों से होने वाले उत्सर्जन से ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरुप धरती का तापमान बढ़ रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनों-दिन गहरा होता जा रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है ओजोन परत के आकार का निरंतर कम होना। ओजोन परत वायुमंडल की एक महत्वपूर्ण परत है। यह परत पृथ्वी के सुरक्षा कवच का काम करती है। इसे धरती की छतरी भी कहा जाता है। ओजोन परत में ओजोन गैस की प्रधानता होती है। यह 32 किमी से 80 किमी की ऊंचाई तक फैली हुई है। यह परत पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा को सोख लेती है और पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा से मानव की रक्षा करती है। यदि ओजोन परत नहीं होती, तो पृथ्वी भी अन्य ग्रहों की तरह प्राणीविहीन और वीरान होती। मानव की अपनी नादानी के कारण ओजोन परत का आकार निरंतर घट रही है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

विश्व मौसम संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार अंटार्टिका महाद्वीप के ऊपर ओजोन परत में छेद है। इस छेद का आकार इतना बढ़ गया है कि पृथ्वी का एक करोड़ किलोमीटर का क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया है। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। सन् 1995 में ओजोन परत को नष्ट करने वाले रसायनों का प्रयोग कम करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, परंतु निहित स्वार्थों और परमाणु हथियारों की होड़ के कारण दुनिया के देश इस समझौते का पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे ओजोन परत का आकार निरंतर घट रहा है। इसके परिणामस्वरुप हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का एक प्रमुख कारण पृथ्वी पर घटती हरियाली भी है। कहते हैं कि खुशहाली का रास्ता हरियाली से होकर गुजरता है। वृक्ष पर्यावरण के सजग प्रहरी होते हैं। वे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु मानव की धन की बढ़ती हवस के कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। जिस प्रकार शरीर के अस्तित्व के लिए कम से कम एक तिहाई त्वचा का सुरक्षित होना जरूरी है ठीक उसी प्रकार पृथ्वी के अस्तित्व के लिए उसके कम से कम एक तिहाई भाग पर हरियाली होना आवश्यक है। वर्तमान समय में धरती के केवल 22 प्रतिशत भू-भाग पर वृक्ष हैं, जिसके परिणामस्वरुप पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या हमारे सामने मुंह बाए खड़ी है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि कार्बन का अधिक उत्सर्जन और धरती का बढ़ता तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पिछले दस वर्षों में पृथ्वी के औसत तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आने वाले वर्षों में धरती के तापमान में और वृद्धि होगी, जिसके कारण ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमीं बर्फ पिघलने लगेगी और समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। पेरिस वैश्विक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह आशंका व्यक्त की गई कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण दुनिया के 9 देश और 705 छोटे-बड़े नगर समुद्र में समा जाएंगे। एक आकलन के अनुसार भूमंडल का 2.5 प्रतिशत जल बर्फ के रूप में विद्यमान है। यदि ग्लेशियरों और धुरवों पर जमीं सारी बर्फ पिघल गई, तो समुद्र का जल स्तर इतना बढ़ जाएगा कि पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो जाएगी और पृथ्वी पर महाप्रलय आ जाएगी। इसलिए हम महाप्रलय की आहट को सुनें और धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए कारगर कदम उठाएं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा है। इसलिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर इसको नियंत्रित करने के लिए कारगर उपाय करने चाहिए।

जंगल की दुनिया

एलियन जैसी शक्ल वाला मासूम प्राइमेट

टार्सियर ऐसा जीव है, जो 'आंखें पेट से बड़ी' वाली कहावत को सचमुच जीवंत कर देता है। आकार में बेहद छोटे टार्सियर उछल-कूद करने वाले प्राइमेट्स की आंखें असाधारण रूप से विशाल होती हैं, उंगलियां लंबी और पतली होती हैं तथा चेहरा किसी काल्पनिक एलियन जैसा प्रतीत होता है। इनकी सबसे अनोखी विशेषता यह है कि ये अपना सिर लगभग 180 डिग्री तक घुमा सकते हैं, जिससे इनकी आकृति कई बार डरावनी, लेकिन रोचक लगती है। दुर्भाग्यवश, यही अनोखापन टार्सियर के लिए अभिशाप बन गया है। उनकी मासूम शक्ल और बड़ी आंखों के कारण उन्हें वर्षों से पालतू जानवरों की तरह रखने या पर्यटकों के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। तेज रोशनी, शोर और मानव संपर्क से ये अत्यधिक तनाव में आ जाते हैं, जिससे उनकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ता है।

प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया- विशेष रूप से फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में टार्सियर की एक दर्जन से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कई प्रजातियां आज लुप्तप्राय: या गंभीर रूप से लुप्तप्राय: की श्रेणी में आ चुकी हैं। जंगलों की कटाई, पर्यटन और अवैध पकड़ ने इनके अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। टार्सियर केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,180.96	25,876.85
गिरावट	780.18	263.90
प्रतिशत में	0.92	1.01

सोना 1,40,500
प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,500
प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

हरटेक पावर को मिला 353.77 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी हरटेक पावर ने कर्नाटक में 353.77 करोड़ का नवीकरणीय ऊर्जा अनुबंध हासिल है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे चल्लाकेरे में 80 मेगावाट/ 320 एमब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 280 मेगावाट एसी/ 410 एमडब्ल्यूपी डीसी सोलर पीवी परियोजना के लिए ईपीसी अनुबंध मिला है। हरटेक पावर ने कहा कि कार्य के दायरे में परियोजना की डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना और उसे चालू करना शामिल है। साथ ही एक वर्ष का संचालन और रखरखाव भी शामिल है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना के लिए जो काम तय किए गए हैं और जिन पर दोनों पक्षों ने सहमति दी है, उनका कुल अनुबंध मूल्य लगभग 353.77 करोड़ रुपये है।

अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ 13 को

नई दिल्ली। क्लाउड-आधारित एसएएएस कंपनी अमागी मीडिया लैब्स ने 1,788 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 343-361 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने गुरुवार बताया कि आईपीओ अभिदान के लिए 13 जनवरी को खुलेगा और 16 जनवरी को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 12 जनवरी को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ में 816 करोड़ के नए शेयर और 972.6 करोड़ रुपये के 2.7 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल शेयर की राशि 1,788.6 करोड़ रुपये बैठती है। अमागी मीडिया लैब्स, राजस्व के हिसाब से भारत की शीर्ष 50 सूचीबद्ध मीडिया एवं मनोरंजन कंपनियों में से 45 प्रतिशत से अधिक कंपनियों के साथ काम करती है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के सामान की आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि ट्रेन की असेंबल प्रक्रिया को अंतिम रूप देने को ट्रैक्शन कन्वर्टर कोलकाता भेजे जा रहे हैं। अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर एक प्रकार का उपकरण है जिसका उपयोग रेलवे इंजनों या इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन में कर्षण प्रणाली का हिस्सा है।

अमेरिकी शुल्क की चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 780 व निफ्टी 264 अंक टूटा, निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ डूबे

- धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में बिकवाली, एफआईआई की निरंतर निकासी ने बढ़ाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली और अमेरिकी शुल्क बढ़ाने की आशंका के बीच गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट आई। सेंसेक्स 780 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 264 अंक टूटकर 26,000 के नीचे आ गया। चौतरफा बिकवाली जारी रहने से घरेलू निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में भारी बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा।

बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 780.18 अंक यानी 0.92 प्रतिशत लुढ़ककर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 851.04 अंक तक गिरकर 84,110.10 के स्तर तक आ गया था। बीएसई पर कुल 3,158 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,039 शेयरों में बढ़त हुई और 170 शेयर अपरिवर्तित रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 263.90 अंक यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे ज्यादा नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले चार दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,581.05 अंक यानी 1.84 प्रतिशत टूटा जबकि और निफ्टी 451.7 अंक यानी 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा। विभिन्न शेयर बाजारों में कारोबार करने वाली कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 7,71,816 करोड़ रुपये (1.61 प्रतिशत) कम होकर 4,72,95,304 करोड़ रुपये रह गया। बीएसई के अनुसार, शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घटा है।

रूसी तेल के खरीदारों पर अमेरिका लगाएगा 500% शुल्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ऐसे प्रतिबंधात्मक विधेयक का समर्थन किए जाने से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में जुटे सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि इससे अमेरिका को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों पर सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद करने का दबाव बनाने के लिए जबर्दस्त ताकत मिलेगी। अमेरिकी प्रशासन पिछले साल अगस्त में ही भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुका है। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूसी तेल खरीद जारी रखने के जुर्माने के तौर पर लगाया गया था।

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई का मिडकैप में 1.99 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के सूचकांक बीएसई स्मॉलकैप में 1.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर कमजोर रहे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,527.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,889.32 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार कमजोर होने से जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि बढ़ते भौगोलिक तनावों और वैश्विक व्यापार संबंधी चिंताओं के बीच बाजार का रुख कमजोर हुआ, जिससे जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित हुई। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय बाजारों के चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और चार महीने बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से नई चिंताओं और एफआईआई की बिकवाली से घरेलू बाजारों में सतर्कता का माहौल बना रहा।

चांदी 12,500 रुपये टूटकर रिकॉर्ड स्तर से फिसली

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के बीच गुरुवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत अपने रिकॉर्ड स्तर से 12,500 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि सोने की कीमतों में 900 रुपये की गिरावट देखी गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी 5,000 रुपये बढ़कर 2,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई, जबकि पिछला बंद भाव 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग कम होने की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदे कम किए।

किआ इंडिया ने एसयूवी सेल्टॉस के सेकेंड जेनरेशन को किया लॉन्च

- रामपुर रोड पर ऑल न्यू किआ सेल्टॉस शोरूम का अनावरण

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित किआ शोरूम पर बुधवार को किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टॉस के सेकेंड जेनरेशन मॉडल को भारतीय बाजार में विधिवत लॉन्च किया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण किया।

शोरूम के डायरेक्टर आनंद प्रकाश, नवनीत अग्रवाल और अनमोल अग्रवाल ने बताया कि नई किआ सेल्टॉस अब किआ के ग्लोबल श्री प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करता है। इससे वाहन की स्टेबिलिटी और सेफ्टी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी पहले से बेहतर हुआ है।

कंपनी के अनुसार, नई किआ सेल्टॉस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.99 लाख रुपये रखी गई है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से यह एसयूवी पहले से अधिक प्रीमियम और आरामदायक बनाई गई है। इसकी लंबाई 4460 मिमी है, जो पिछले मॉडल से 95 मिमी अधिक है। वहीं बेहतर केबिन स्पेस और लेगरूम के लिए व्हीलबेस को 80 मिमी तक बढ़ाया गया है।

इस दौरान अरविंद अग्रवाल, पूर्व विधायक विजयपाल, शिवशंकर शर्मा, डॉ. पंकज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. एसपी सिंह, विमल खंडेलवाल, प्रखर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देगा एपीडा

नई दिल्ली, एजेंसी

- नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना उद्देश्य

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है।

एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने गुरुवार को बताया कि ''कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र'' यानी भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के तीन-दिवसीय इंडसफूड 2026 प्रदर्शनी में कहा कि हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था।

उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। चीन, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिलीपीन, नेपाल और लेबनान सहित कई देशों के खरीदार और प्रदर्शक भारत आए हैं। हम 30 देशों के 2,200 से अधिक प्रदर्शकों को एक मंच पर ला रहे हैं। 15,000 से ज्यादा खरीदार और व्यापारिक आगंतुक इसमें शामिल हो रहे हैं।

वस्त्र उद्योग की मजबूत को केंद्र ने किया 15 राज्यों से समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को वस्त्र-केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्टअप (टेक्स-आरएएमपी) योजना के तहत डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए सुदृढ़ परिचालन ढांचा तैयार करने के लिए 15 राज्यों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार करना है। ये समझौते गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में किए गए।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि ये समझौते राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र से जुड़ी डेटा प्रणाली को मजबूत बनाएंगे। टेक्स-आरएएमपी योजना के तहत इस पहल का लक्ष्य मुख्य क्षेत्रों जैसे हथकरघा, हस्तशिल्प, कपड़े और तकनीकी वस्त्र को बेहतर तरीके से योजना बनाकर विकसित करना है। इसके लिए काम सीधे जिला और संकुल स्तर पर किया जाएगा, ताकि जरूरत वाले स्थानों पर असर तुरंत दिखाई दे। इन सुधारों को लागू करने के लिए मंत्रालय हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को हर साल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगा। वस्त्र मंत्रालय ने कहा कि ये समझौते केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और साझेदारी की भावना को दर्शाते हैं।

राष्ट्रीय

गर्भावस्था जारी रखने के लिए पत्नी को नहीं किया जा सकता मजबूर : कोर्ट

हाईकोर्ट बोली- ये अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- 14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराए मामले में महिला को किया बरी
- अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के गर्भपात के लिए पति की अनुमति लेना जरूरी नहीं

14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराये मामले में महिला को बरी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने को मजबूर करना उसके अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम है। महिला अपने पति से अलग रह रही है।

वैवाहिक कलह की स्थिति में गर्भपात कराने के महिला के स्वायत्त अधिकार पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस मामले यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता पत्नी ने भादंसं की धारा 312 (गर्भपात कराना) के तहत अपराध किया है। न्यायाधीश ने कहा कि चयन की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वायत्तता का पहलू है और प्रजनन पर नियंत्रण सभी महिलाओं की बुनियादी आवश्यकता और अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि चिकित्सा गर्भपात अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के लिए गर्भपात वास्ते पति की अनुमति लेना जरूरी नहीं है तथा इस कानून के मूल में महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाली गंभीर क्षति के प्रति सरोकार है। हाईकोर्ट ने छह जनवरी को अपने फैसले में कहा कि यदि कोई महिला गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती है, तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर करना अपने शरीर पर उसके अपने हक का उल्लंघन है और यह उसके मानसिक आघात को बढ़ाता है, जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। याचिकाकर्ता महिला ने सत्र अदालत के उस आदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उसे भादंसं की धारा 312 के तहत मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेशी के लिए तलब किये जाने पर मुहर लगाई गई थी।

उसने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रजनन स्वायत्तता की उसे जो गारंटी दी गई है उसे अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया है तथा निजता, शरीर पर खुद का अधिकार और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के उसके वैध इस्तेमाल की अनदेखी की गई है। पति ने तर्क दिया कि चूंकि गर्भपात की तारीख पर दंपति साथ रह रहे थे और उनके बीच कोई कलह नहीं थी, इसलिए एमटीपी अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक कलह को इस तरह से परिभाषित नहीं किया जा सकता कि यह केवल पक्षों के अलग होने और मुकदमेबाजी में जाने के बाद ही मौजूद हो। उसने कहा कि इस मामले में बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) संबंधी कागजात में महिला ने जो कारण बताया है, वह दर्शाता है कि वह पहले से ही शादी के दबाव से गुजर रही थी और उसने पति से अलग होने का निर्णय ले लिया था।

दागी अभ्यर्थियों की विवरण वाली सूची दे एसएससी : अदालत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को निर्देश दिया है कि वह 1,806 दागी अभ्यर्थियों से संबंधित अतिरिक्त विवरणों के साथ नई रिपोर्ट दे। दागी उम्मीदवार उन 25,753 स्कूल नियुक्तियों में हैं, जिनकी नौकरियां उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद रद्द कर दी गई थीं।

एसएससी की रिपोर्ट पर न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि सूची में उम्मीदवारों का रोल नंबर, नाम, विषय, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि तो है, लेकिन उस श्रेणी का खुलासा नहीं है जिसके लिए उनको दागी पाया गया है। उस स्कूल और जिले का विवरण भी सार्वजनिक नहीं किया गया जहां उम्मीदवार को 2016 की पहली स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति सिन्हा ने एसएससी को निर्देश दिया कि वह उम्मीदवारों के विवरणों का खुलासा कर सूची प्रकाशित करे। अदालत ने निर्देश दिया कि इस मामले की सुनवाई 11 फरवरी को दोबारा की जाएगी।

जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

एसआईआर वाली याचिकाओं पर 13 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी। पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी। निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें पेश करने वाले थे।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा तथा संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान, रोहतगी और लूथरा ने संसदीय समिति के गठन में अपनाई गई प्रक्रिया पर सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ही किसी न्यायाधीश को पद से हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने के हकदार हैं।

मेहता ने संसदीय समिति के गठन का बचाव करते हुए कहा कि यदि प्रस्ताव दोनों सदनों में स्वीकार कर लिया गया है, तो जांच समिति का संयुक्त रूप से गठन लोकसभा अध्यक्ष और सभापति द्वारा किया जाएगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है। वहीं इस तरह के एक प्रस्ताव लाने के संबंध में दिये गए नोटिस को राज्यसभा ने खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति वर्मा को 14 मार्च को नई दिल्ली स्थित उनके आधिकारिक आवास पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में वापस भेजा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसंबर को न्यायमूर्ति वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई थी, जिसमें जांच समिति के गठन को चुनौती दी गई थी और लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और संसद के दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी किए थे।

सोमनाथ पर्व उनकी याद में, जिन्होंने सिद्धांतों से कभी कोई समझौता नहीं किया : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में मोदी होंगे शामिल
- सोमनाथ की पिछली यात्राओं की तस्वीरों को एक्स पर किया साझा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि गुरुवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स पर कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरुआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने पहला आक्रमण झेला था। यह आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके।

प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को एक्स पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के साथ जरूर साझा करें।

मोदी ने कहा कि मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।

सरकारी नौकरियों के घोटाले में ईडी का 6 राज्यों में छापा

नई दिल्ली। ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाला मामले में धनशोधन की जांच के तहत गुरुवार को छह राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सरकारी नौकरियों के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र भेजने से जुड़े मामले में धनशोधन की जांच के तहत की गई।

- बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान जारी

उन्होंने बताया कि संगठित गिरोह पर एजेंसी की नजर है। ईडी का पटना कार्यालय बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान चला रहा है। शुरू में तो इस घोटाले का पता रेलवे के नाम पर चला, लेकिन गहन जांच में मालूम हुआ कि इसमें वन विभाग, आरआरबी (रेलवे भर्ती बोर्ड), इंडिया पोस्ट, आयकर विभाग, कुछ उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राजस्थान सचिवालय और अन्य समेत 40 से अधिक सरकारी संगठन और विभाग शामिल हैं।

आतिशी की वीडियो की होगी फॉरेंसिक जांच

- गुरु तेग बहादुर को लेकर अतिशी की टिप्पणी पर दिल्ली विस में हंगामा अध्यक्ष ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को विपक्ष की नेता आतिशी के गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान वाले वीडियो की फॉरेंसिक जांच के निर्देश दिए।

भाजपा ने आरोप लगाया कि मंगलवार को आतिशी ने गत वर्ष नवंबर में गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस पर हुए विशेष चर्चा के बाद उनके खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी की थी। गुप्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी आप दोनों की मांग के बाद वीडियो को फॉरेंसिक जांच को भेजा जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट 15 दिनों में पेश करने का आदेश दिया।

दिल्ली विधानसभा में हंगामा करते भाजपा और आप नेता।

आतिशी ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदूषण पर चर्चा से भाजपा के भागने और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विधानसभा में उनके विरोध पर बात कर रही थीं। उन्होंने भाजपा नेताओं के साझा किए वीडियो पर कहा था कि भाजपा ने गलत उपशीर्षक जोड़ा और उसमें गुरु तेग बहादुर का नाम डाल दिया। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक, विपक्ष के नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पोस्टर लेकर सदन के बीचोबीच आ गए, जिससे व्यवधान उत्पन्न हो गया।

बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवा निलंबित की

- अमेरिका से किया वीजा बॉन्ड में छूट देने का अनुरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका की ओर से हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा, मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी।

जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हुसैन ने पत्रकारों से यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा।

पाकिस्तान के लिए 14 साल बाद सीधी उड़ानें

ढाका/इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बांग्लादेश सुधरते रिश्तों का संदेश देते हुए लगभग 14 साल के लंबे अंतराल के बाद 29 जनवरी को सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने जा रहे हैं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के साथ ढाका से कराची के लिए उड़ानें आधिकारिक तौर पर शुरू होंगी। ढाका से पहली सीधी उड़ान रात 11 बजे कराची पहुंचेगी और भारतीय हवाई क्षेत्र से होकर यात्रा करेगी। इससे दोनों देशों के लिए यात्रा बहुत आसान हो जाएगी।

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती

सोशल मीडिया पर अश्लीलता का प्रसार एक गंभीर वैश्विक और राष्ट्रीय चुनौती बन चुका है। नवीनतम रिपोर्टों और शोध के अनुसार, एआई के जरिए डीपफेक और अश्लील सामग्री का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जो महिलाओं और बच्चों की गरिमा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम अक्सर एंगेजमेंट बढ़ाने के लिए आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट को प्रमोट करते हैं, इस वजह से यह सामग्री किशोरों के फॉर यू पेजों तक आसानी से पहुंचती है। कई शोधों में कहा गया है कि इन मंचों का उपयोग करने वाले 11-12 वर्ष के बच्चे भी अश्लील सामग्री के संपर्क में आ रहे हैं। कई देशों में सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता के खतरों को महसूस किया गया है और इस पर रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की पहल की है। भारत भी इन देशों में से एक है।

'अन'सोशल... मीडिया

बच्चों से बड़ों तक दुष्प्रभाव

- युवाओं में विकृत मानसिकता, अवसाद और वास्तविक संबंधों के प्रति अरुचि पैदा होने जैसे दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं।
- शोधों के मुताबिक समाज में यौन अपराधों और महिलाओं के प्रति संवेदनहीनता बढ़ने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।
- बच्चों के समय से पहले वयस्क सामग्री के संपर्क में आने से पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को भी भारी क्षति पहुंच रही है।
- ऐसी सामग्री देखने को लोग अक्सर असुरक्षित वेबसाइटों का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी निजता खतरे में पड़ती है।

वैश्विक शोध

- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के संपर्क में आने से किशोरों में अवसाद बढ़ रहा है।
- पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक अमेरिका के लगभग आधे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

कई देशों में कड़े कानून

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बना जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।
- मलेशिया ने भी 1 जनवरी 2026 से 16 साल से उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू किया है। आयु सत्यापन अनिवार्य किया है।
- फ्रांस, डेनमार्क और पोलैंड जैसे देश 2026 के शैक्षणिक सत्र से 15-16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कानून बनाने पर काम कर रहे हैं।
- पूरे यूरोपीय संघ में 2026 तक एक डिजिटल आयु सत्यापन प्रणाली शुरू की जाएगी ताकि नाबालिग अश्लील सामग्री तक न पहुंच सकें।

भारत ने उठाए कदम

- 'आईटी नियम 2021' और बीएनएस के तहत अश्लील सामग्री फैलाने वाले मंचों और व्यक्तियों पर कड़ी सजा का प्रावधान है।
- भारत सरकार ने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों को अश्लीलता को लेकर सख्त चेतावनी दी है।
- बड़े सोशल मीडिया मंचों के लिए अश्लील सामग्री को पहचानकर हटाने के लिए तकनीक का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

इसलिए अश्लीलता को बढ़ावा

- सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उस कंटेंट को प्रमोट करते हैं जिस पर लोग ज्यादा समय बिताते हैं। अश्लील कंटेंट क्लिकबेट के रूप में काम करता है।
- कई प्लेटफॉर्म व्यूज के आधार पर पैसे देते हैं। अधिक व्यूज पाने के चक्कर में कंटेंट क्रिएटर्स सनसनीखेज और अश्लील सामग्री का सहारा लेते हैं।
- करोड़ों यूजर्स द्वारा हर सेकंड पोस्ट किए जाने वाले कंटेंट की सटीक निगरानी करना कठिन होता है, जिससे ऐसी सामग्री फिल्टर से बच जाती है।
- सोशल मीडिया कंपनियां, पोर्नोग्राफी से जुड़े लोग, कंटेंट क्रिएटर और साइबर अपराधी अपने स्वार्थों के लिए अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : बॉन्डी बीच हमले की जांच के लिए बनेगा न्यायिक आयोग

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी भावनाओं की तह तक जाने और सामाजिक एकता पर एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। अल्बानीज ने घोषणा की कि उनकी सरकार एक न्यायिक आयोग गठित करेगी, जो ऑस्ट्रेलिया में जांच का सबसे बड़ा रूप है। इसका नेतृत्व पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश वर्जीनिया बेल करेंगी। वह दिसंबर के मध्य तक एक रिपोर्ट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, मैंने यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलने के लिए समय लिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उस भयानक हमले के पीड़ितों और बचे हुए लोगों के कई परिवारों से मिला हूं।

बीएनपी नेता अजीजुर रहमान की ढाका में गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वॉलंटियर विंग स्वेच्छा सेबक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की बुधवार रात ढाका के कारवां बाजार इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव सुफियान व्यापारी मसूद को घायल कर दिया। यह घटना देश में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (तेजगांव जोन) के एसीपी फजलुल करीम के मुताबिक मुसब्बिर को पंथपथ के बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च के बाहर गोलीबारी, दो की मौत

साल्ट लेक सिटी। अमेरिका के यूटा राज्य की राजधानी साल्ट लेक सिटी में बुधवार को एक गिरजाघर के बाहर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह गोलीबारी 'द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स' के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। इसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च कहा जाता है। उन्होंने बताया कि घटना के समय गिरजाघर के अंदर दर्जनों लोग एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। सभी पीड़ित वयस्क बताए जा रहे हैं। सॉल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी चीज के खिलाफ लक्षित हमला था।

अमेरिका ने छोड़ीं 60 से ज्यादा वैश्विक संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र के निकायों और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी खुद को किया अलग

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन, एजेंसी

- सभी संस्थाओं को गैरजरूरी और अमेरिकी हितों के खिलाफ बताया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है। ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया।

ट्रंप ने बुधवार को 'संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना' शीर्षक वाले एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि 66 संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों का सदस्य बने रहना, उनमें भागीदारी करना या किसी भी रूप में उन्हें समर्थन देना अमेरिका के हितों के विपरीत है। व्हाइट हाउस की ओर से बुधवार को जारी एक पत्र के अनुसार, इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करते हैं। ट्रंप ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इन संगठनों से अमेरिका की वापसी को यथाशीघ्र लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों के मामले में, कानून द्वारा अनुमेय सीमा तक, इन संस्थाओं में भागीदारी या वित्तपोषण समाप्त करना ही वापसी माना जाएगा।

जिन संगठनों से अमेरिका अलग हो रहा है, उनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है। वर्तमान में आईएसए के 100 से अधिक देश हस्ताक्षरकर्ता हैं और 90 से अधिक देशों ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा जिन संगठनों से अमेरिका को बाहर निकाला जा रहा है, उनकी सूची उन्हें प्राप्त हो गई है, इस पर बृहस्पतिवार को टिप्पणी की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को न तो वित्तपोषित करेगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करते या कई मामलों में उनके विरुद्ध हैं।

पहले से ट्रंप के निशाने पर रहा है संयुक्त राष्ट्र

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के तीखे आलोचक रहे हैं। पिछले वर्ष 20 जनवरी को शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालने का कार्यकारी आदेश जारी किया था, जो उनके पहले कार्यकाल के फैसले की पुनरावृत्ति थी। दूसरे कार्यकाल के शुरुआती हफ्तों में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका की भागीदारी समाप्त करने, यूनेस्को की सदस्यता की समीक्षा करने और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी को दी जाने वाली मदद रोकने का आदेश दिया था। पिछले वर्ष सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर तीखा हमला किया था। कहा था, संयुक्त राष्ट्र अधिकतर मामलों में केवल कड़े शब्दों वाला पत्र लिखता है और फिर कोई कार्रवाई नहीं करता। खोखले शब्द युद्ध का समाधान नहीं करते।

इन संगठनों और निकायों से अमेरिका ने किया किनारा

जिन 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों और 31 संयुक्त राष्ट्र निकायों से अमेरिका बाहर निकल रहा है, उनमें अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, यूक्रेन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के तहत अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र, एशिया-प्रशांत तथा पश्चिम एशिया के आर्थिक आयोग, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, संघर्ष में यौन हिंसा पर विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, शांति निर्माण आयोग और कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष भी सूची में शामिल हैं।

तेल की आय से सिर्फ अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा वेनेजुएला: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में और झुका वेनेजुएला, चीन को अलग-थलग रखने का मकसद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला तेल बेचने से होने वाली आय का उपयोग सिर्फ अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं को खरीदने के लिए करेगा। ट्रंप ने इसे एक बुद्धिमानी भरे विकल्प के साथ वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के लिए बहुत अच्छा फैसला बताया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि नए तेल समझौते से प्राप्त धन से वेनेजुएला केवल अमेरिका निर्मित उत्पाद ही खरीदेगा। राष्ट्रपति ने बताया कि इस खरीद में कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण और ऊर्जा आपूर्ति वाले उपकरण शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम वेनेजुएला के मुख्य आर्थिक भागीदार के रूप में अमेरिका की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह घोषणा ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला तीन से पांच करोड़ बैरल तेल अमेरिका को देगा जिसकी बिक्री से मिला पैसे का प्रबंधन अमेरिकी निगरानी में होगा।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल निर्यात की निगरानी करेगा और मौजूदा प्रतिबंधित आपूर्ति के साथ भविष्य के उत्पादन को अमेरिकी रिफाइनरियों और अन्य बाजारों में बेचेगा। दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के तहत लगभग दो अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल अमेरिका भेजा जा सकता है। यह सौदा तेल की आपूर्ति को चीन को दूर रखने और उत्पादन में कटौती से पैदा हुए दबाव को कम करने में मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों को अधिक मौका देने की उनकी मांगों को मान रहा है। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि ऊर्जा क्षेत्र को नहीं खोला गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मादुरो और सिलिया से गिरफ्तारी के दौरान की गई थी मारपीट

काराकास। वेनेजुएला के गृहमंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने दावा किया है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनकी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी थी। कैबेलो ने बुधवार को कहा, सिल्विया को सिर में चोट लगी और उनके शरीर पर मुक्के मारे गए, जबकि मादुरो के पैर में चोट लगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना की सिलिया फ्लोरेस को ले जाने की योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, जब वे मादुरो को ले जा रहे थे तो उनका पत्नी सिलिया को ले जाने का कोई इरादा नहीं था, मगर सिलिया ने उनसे कहा, अगर तुम मेरे पति को ले जाओगे, तो तुम्हें मुझे भी ले जाना होगा।

सऊदी अरब का आरोप, यूएई ने यमन के अलगाववादी नेता को देश के बाहर भेजा

दुबई, एजेंसी

- अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच बढ़ा तनाव, यमन में जारी युद्ध में साझेदारी टूटी

सऊदी अरब ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने देशद्रोह के आरोप में वांछित यमन के अलगाववादी नेता को तस्करी कर देश से बाहर भेजा और विमान से अबू धाबी पहुंचाया। इस दावे पर यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस घटना के बाद अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है क्योंकि यमन में वर्षों से जारी युद्ध में उनकी साझेदारी टूट गई है।

सऊदी अरब की सेना के एक बयान में दावा किया गया है कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के नेता ऐदारौस अल-जुबैदी यमन से नौका के जरिए सोमालिया भाग गए। बयान में कहा गया है कि इसके बाद यूएई के अधिकारी अल-जुबैदी को यूएई की राजधानी अबू धाबी ले गए। संयुक्त अरब अमीरात एसटीसी के नाम से जानी जाने वाली परिषद का प्रमुख समर्थक रहा है, जिसने हाल के दिनों में सऊदी अरब और यूएई के बीच टकराव को जन्म दिया है। यह तनाव तब बढ़ा जब एसटीसी के लड़ाकों ने दो प्रांतों में बढ़त हासिल कर ली और यमन से अलग होने की तैयारी करते दिखाई दिए। सऊदी अरब के मेजर जनरल तुर्की अल-मलकी ने अपने बयान में यूएई के एक मेजर जनरल पर अल-जुबैदी को भागने में मदद करने का आरोप लगाया है। साथ ही, उनका कोड नाम (नोम-दे-गुएर) भी उजागर किया गया, जो खाड़ी अरब देशों के सौहार्दपूर्ण संबंधों के माहौल में बेहद असामान्य बात है।

बयान में यह भी संकेत दिया गया कि अभियान में इस्तेमाल किया गया इल्युशिन इल-76 विमान इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे 'संघर्षग्रस्त क्षेत्रों' में इस्तेमाल किया गया था। ये वही मार्ग हैं जिनके माध्यम से, पूर्व में अमीराती सेना पर हथियारों की तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। यूएई ने उन क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के आरोपों से इन्कार किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एसटीसी ने भी इस आरोप को तुरंत स्वीकार नहीं किया और बुधवार को कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन करने वाली सेनाएं यमन की राजधानी सना पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से वर्षों से एकत्रित हैं।

यमन में सऊदी के राजदूत मोहम्मद अल-जाबेर ने बताया कि उन्होंने एसटीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जो एक दिन पहले रियाद पहुंचा था। उन्होंने अल-जुबैदी की हालिया कार्रवाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने भविष्य में इस तरह से काम करने के तरीकों पर भी विचार किया है।

वेनेजुएला से पूर्ववत रहेंगे आर्थिक संबंध : चीन

बीजिंग। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद चीन के उसके साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध पूर्ववत रहेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे याडोंग ने गुरुवार को यह घोषणा की। याडोंग ने कहा कि अमेरिका की वर्चस्ववादी कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करती हैं, वेनेजुएला की संप्रभुता का उल्लंघन करती हैं और लैटिन अमेरिका में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। चीन इसका कड़ा विरोध करता है। याडोंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और वेनेजुएला के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग संप्रभु देशों के बीच एक सहयोग है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ-साथ दोनों देशों के कानूनों द्वारा संरक्षित है और किसी अन्य देश का इसमें हस्तक्षेप देने का कोई अधिकार नहीं बनता है।

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा

ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने शुरू किया 'आईबी409' नामक दवा का परीक्षण

सिडनी, एजेंसी

- ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत रोकने में मददगार साबित होगी ये दवा

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने दुनिया की सबसे खतरनाक मकड़ियों में से एक के जहर से तैयार दवा का दिल के दौरे और स्ट्रोक मरीजों पर नैदानिक परीक्षण शुरू किया है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड (यूक्यू) के अनुसार, 'फेज 1 क्लीनिकल ट्रायल' के दौरान 'आईबी409' नामक दवा की सुरक्षा, सहनशीलता और इसकी सही खुराक का परीक्षण किया जाएगा।

यह एक नई दवा है, जिसे बायोटेक्नोलॉजी कंपनी 'इन्फेंसा बायोसाइंस' ने ऑस्ट्रेलियाई 'फनल-वेब' मकड़ी के जहर में पाए जाने वाले अणु से विकसित किया है। यूक्यू के इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर बायोसाइंस के प्रोफेसर ग्लेन किंग ने कहा कि उनकी टीम ने 'एचआई1ए' के साथ 'बेदह आशाजनक' प्री-क्लीनिकल परिणाम प्रकाशित किए हैं। 'एचआई1ए' क्वींसलैंड राज्य के फ्रेजर द्वीप पर पाई जाने वाली फनल-वेब मकड़ी के जहर से प्राप्त प्रोटीन है। किंग ने कहा, हमारा मानना है कि ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत को रोककर 'एचआई1ए' दिल के दौरे और स्ट्रोक के दौरान हृदय और मस्तिष्क को होने वाले नुकसान को कम कर सकता है। उनकी टीम ने यह साबित कर किया है कि 'एचआई1ए' प्रभावी ढंग से दिल की रक्षा करता है।

इसके बाद एक अन्य अध्ययन में इसका 'प्री-क्लीनिकल' परीक्षण किया गया, जिसमें इलाज के उन वास्तविक हालातों को दोहराया गया, जो असल जिंदगी में मरीजों के सामने आते हैं। इन्फेंसा के सीईओ और यूक्यू के शोधकर्ता प्रोफेसर मार्क स्मिथ ने कहा, यदि 'आईबी409' के पहले चरण और बाद के नैदानिक परीक्षण सुरक्षित और प्रभावी साबित होते हैं तो हम दुनिया भर में हृदय रोग से पीड़ित लाखों लोगों का जीवन सुधार सकते हैं।इन्फेंसा की टीम ने 'एचआई1ए' को 'आईबी409' में बदल दिया है। यह एक सूक्ष्म पेप्टाइड है, जिसे दवा के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 07 .05 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

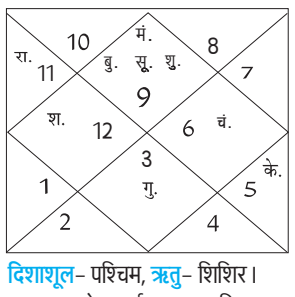

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 13 .40 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष आज विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विदेशी क्लाइंट्स से आपको शानदार फीडबैक मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

वृष आज अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें सफलता जल्द ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा।

मिथुन आज आपका मन नहीं लगेगा। घर में कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें।

कर्क आज अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

सिंह आज किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या आध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं। आपके द्वारा बोला गया झूठ पकड़ा जा सकता है।

कन्या आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। इंश्योरेंस और कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

तुला आज मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी।

वृश्चिक आज समाज में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

धनु आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। किसी से ज्यादा अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं।

मकर आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिन काम सौंपे जा सकते हैं। यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है।

कुंभ आज अस्पष्ट बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन आज आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

सुडोकू-27

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2	5	6		1		7		
9	8	1	3	6				5
		4		2				
3					6			
		2				1		
			7					9
				4		9		
1				7	9	3	6	4
		7		3		5	8	2

सुडोकू - 26 का हल

9	8	6	5	3	2	7	4	1
2	3	4	6	1	7	9	5	8
1	7	5	4	9	8	6	3	2
3	9	1	8	2	6	4	7	5
5	2	8	3	7	4	1	6	9
6	4	7	9	5	1	2	8	3
8	1	2	7	4	5	3	9	6
4	5	3	1	6	9	8	2	7
7	6	9	2	8	3	5	1	4

मुझे नहीं लगता कि आप एसए20 को आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।
-जेपी डुमिनी

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

तिलक वर्मा की हुई सर्जरी, न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। मंगलवार को राजकोट में बंगाल के ख़िलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के बाद दर्द की शिकायत के बाद भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के पेट के निचले हिस्से में सर्जरी की गई है। तिलक को तत्काल ही स्कैन कराने की सलाह दी गई जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। अब आने वाले कुछ दिनों में उनके बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने की उम्मीद है। इससे उबरने में और उनकी वापसी की समय का अनुमान उनकी दोबारा जांच के बाद ही लगाया जा सकेगा। तिलक को हुई इंजरी के समय को देखते हुए 21 जनवरी से शुरू हो रही न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में उनके न खेल पाने की संभावना प्रबल है। वह टी20 विश्व कप का भी हिस्सा हैं।

विक्रम राठौड़ श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच बने

कोलंबो। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए बृहस्पतिवार को श्रीलंका का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया। भारत और श्रीलंका मिलकर इस विश्व कप की मेजबानी कर रहे हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने एक बयान में कहा श्रीलंका क्रिकेट को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को श्रीलंका राष्ट्रीय टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

डिकॉक का प्रदर्शन महत्वपूर्ण रहेगा: डुमिनी

नई दिल्ली। पूर्व स्टार बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने का मानना है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक और मार्को यानसेन जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी अहम रहेगा। दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक का बल्ला खूब रन उगल रहा है लेकिन ऑलराउंडर यानसेन ने पिछले कुछ समय में सभी प्रारूपों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एसए20 लीग के मौजूदा सत्र में 205 रन के साथ डिकॉक फिलहाल दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

पूनम ने साक्षी को हराकर किया उलटफेर

ग्रेटर नोएडा। युवा विश्व चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पूनम पूनिया ने बृहस्पतिवार को यहां 54 किग्रा वर्ग में गत चैंपियन साक्षी चौधरी को शिकस्त दी जिससे राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहला बड़ा उलटफेर हुआ। रेलवे की 23 वर्षीय मुक्केबाज और अंडर-22 एशियाई चैंपियन पूनम ने आक्रमकता दिखाते हुए साक्षी पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने आराम से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने मणिपुर की लांचेनबी चानू को सर्वसम्मत फैसले में हराया जबकि लवलीना ने आंध्र प्रदेश की मौनिका कल्याणम बॉन्थू पर आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत दर्ज की।

एशेज ट्रॉफी के साथ पोज देती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज 4-1 से जीती

सिडनी, एजेंसी

सिडनी टेस्ट

- **पांचवें व अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड पांच विकेट से हारा**
- **जैकब बेथेल की 154 रनों की जुझारू पारी काम न आई**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	342/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	161/5

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज शृंखला 4-1 से अपने नाम की।

पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई। इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला।

लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस शृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार किए। चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी शृंखला के दौरान अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली प्रमुख दावेदार

पहले मैच में शाम 7:30 बजे टकराएंगी मुंबई इंडियंस व रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें

नवी मुंबई, एजेंसी

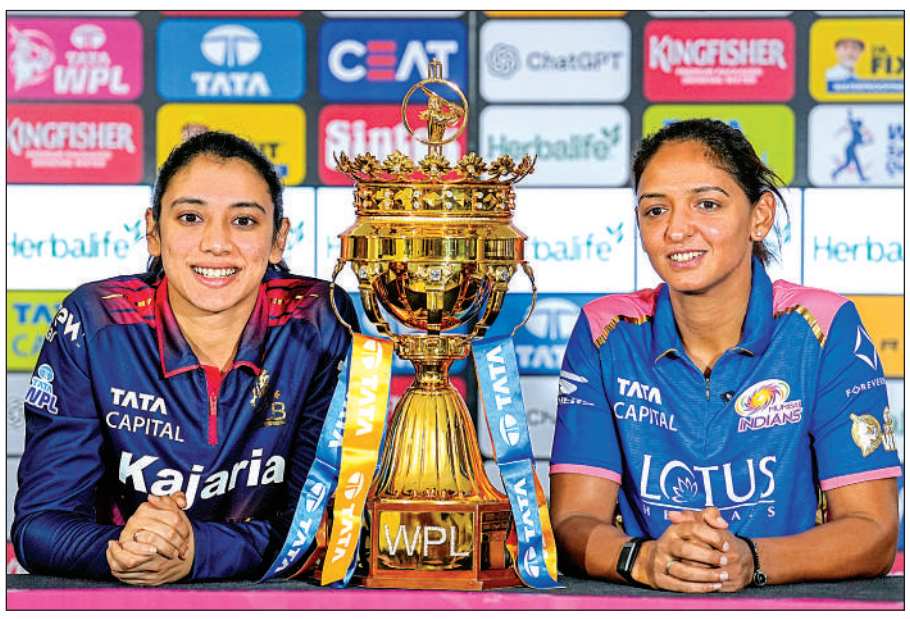

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रॉफी के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना व मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर।

टीम

आरसीबी : स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वॉल, डी हेमलता/ गौतमी नाईक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नडीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्रकर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल।

एमआई : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), हीली मैथ्यूज, नैट सिवर-ब्रंट, अमीलिया कर, जी कमालिनी (विकेटकीपर) अमनजोत कौर, पूनम खेमनार, एस सजना, संस्कृति गुप्ता, शबनिम इस्माइल, शाइका इशाक।

पिच और परिस्थितियां : नवी मुंबई की परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल रहने की पूरी उम्मीद है और दूसरी पारी में ओस का प्रभाव भी दिख सकता है। तेज गेंदबाज़ों को शुरुआत में मूवमेंट भी मिलती है।

अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी।

टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी।

11 मैचों में से केवल तीन में ही पहले बल्लेबाज़ी करने वाली टीम डब्ल्यूपीएल में डीवाई पाटिल स्टेडियम में जीती हैं

न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

अभ्यास सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते हैं डब्ल्यूपीएल इसमें मदद करेगा : मंधाना

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लक्ष्य सभी प्रारूपों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) इसमें अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहली वनडे विश्व कप में भी डब्ल्यूपीएल का अहम योगदान रहा। हरमनप्रीत के साथ मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मंधाना ने कहा टी20 विश्व कप जीतना शानदार होगा।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारतीय टीम अब बड़े लक्ष्य तय करने लगी है। हम सिर्फ एक विश्व कप जीतकर संतुष्ट नहीं हैं। हमें अभी बहुत क्रिकेट खेलना है और जब भी हम मैदान पर उतरते हैं तो जीत की मानसिकता के साथ उतरना चाहते हैं। उन्होंने कहा यह अच्छा है कि सिर्फ हम ही नहीं बल्कि नई खिलाड़ी भी अब यह बात कर रही हैं कि हम हर बार चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि डब्ल्यूपीएल का हम पर कितना असर पड़ा है।

विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले के दौरान पंजाब के खिलाड़ियों को बधाई देते मुंबई के श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और सरफराज खान। एजेंसी

सरफराज खान ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

जयपुर, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

यूपी की लगातार पांचवीं जीत

राजकोट। ध्रुव जुरेल ने टूर्नामेंट में दूसरा शतक लगाया, जिसके दम पर उत्तर प्रदेश ने बंगाल को पांच विकेट से मात दी। बंगाल ने 45.1 ओवर में 269 रन बनाए, जिसमें सुदीप कुमार घारामी के 94 और शाहबाज अहमद के 43 रन शामिल थे। जवाब में जुरेल ने 96 गेंद में 123 रन बनाये जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल ने 56 और कप्तान रिंकू सिंह ने नाबाद 37 रन बनाये। उत्तर प्रदेश ने 42.2 ओवर में पांच विकेट पर 272 रन जोड़े।

सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाया। जयपुर के जयपुरिया विद्यालय मैदान पर 217 के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी ने 8.2 ओवर में 57 रनों की साझेदारी करते हुए मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि मुंबई यह मुकाबला एक रन से हार गई।

अपने भाई के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सरफराज ने आते ही स्पिनरों पर धावा बोल दिया। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा के एक ओवर में तीन छक्के और तीन चौके जड़े और इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ के खिलाफ पांच गेंदों में 19 रन बटोर लिए। सरफराज ने महज 15 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और जब उन्हें मंयक मार्कंडे ने पगबाधा किया तब वह सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 20 गेंदों पर 62 रन बना चुके थे।

इस उपलब्धि के साथ सरफराज खान ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले और बड़ौदा के अतीत सेठ के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ा। काले ने 1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था जबकि सेठ ने 2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ यह कारनामा किया था। यह लिस्ट ए क्रिकेट में चौथा सबसे तेज अर्धशतक है। सबसे तेज अर्धशतक श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने के नाम है जिन्होंने 2005-06 के सीजन में यह कारनामा किया था। सरफराज इस समय जारी विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, उन्होंने छह पारियों में 75.75 की औसत और 190.56 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए हैं। सरफराज ने भारत के लिए पिछली बार फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

यौन उत्पीड़न के आरोप में निशानेबाजी कोच पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आरोपी अंकुश भारद्वाज को किया गया निलंबित**

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है, क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।

इस बीच खेल मंत्रालय ने कथित अपराध का संज्ञान लेते हुए कहा सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जो युवा खिलाड़ी कोच और संबंधित प्रणालियों पर भरोसा करते हैं, उन्हें इस तरह की स्थिति का सामना न करना पड़े।

एचआईएल में तीसरे स्थान पर रही रांची रॉयल्स

रांची। लुसीना वॉन डर हेडे और हन्ना कॉटर के दो दो गोल की मदद से रांची रॉयल्स ने बृहस्पतिवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अपने अंतिम मुकाबले में एसजी पाइपर्स को 5-2 से शिकस्त देकर तीसरे स्थान से टूर्नामेंट का समापन किया।

रांची रॉयल्स के लिए लुसीना (दूसरे, 47वें मिनट), हन्ना (55वें, 60वें मिनट) और संगीता कुमारी (24वें मिनट) ने गोल किए।वहीं फाइनल में पहले ही जगह बना चुकी एसजी पाइपर्स की ओर से कप्तान नवनीत कौर ने 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। मुकाबले के पहले ही मिनट में रांची रॉयल्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ड्रैगफ्लिकर लुसीना ने इसे गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि एसजी पाइपर्स ने कप्तान नवनीत के गोल से वापसी की जिससे पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर रहा।

मलेशिया ओपन | भारत की स्टार खिलाड़ी ने जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया, अगला मुकाबला जापान की ही अकाने यामागुची से

सिंधु और सात्विक-चिराग पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी

पहले गेम से बढ़त बनाई

सिंधु ने पहले गेम में 5-1 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार 13 अंक जीतकर 18-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी काफी हद तक एकतरफा रहा, हालांकि 19 वर्षीय मियाज़ाकी 8-9 से पिछड़ने के बाद कुछ समय के लिए मुकाबले में बनी रहीं। लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और 17-11 से छह अंक की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्हें मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगा।

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधु का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। इस तरह से उन्होंने मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 कर दिया है। सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह तथा इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। हालांकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए। शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधु ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर का रिकॉर्ड 2-1 हो गया है।

युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग ने शुरू में 6-3 की बढ़त हासिल की और फिर उसे 12-9 तक पहुंचा दिया। मलेशियाई जोड़ी ने लगातार तीन अंक हासिल कर अंतर को कम किया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए 16-12 की बढ़त बना ली। जुनैदी और रॉय ने इस बीच एक बार 18-17 से बढ़त बनाई लेकिन सत्विक और चिराग ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर लिया।